लूका

परिचय

1 ई की तई बहुतन ने उई बातन का जउन हमरे
बीच म होय चुकी हय, इतिहास लिखय मां
हाथ लगाइन हैं। 2यही की तई जउन पहलेन ते ई
बातन का देखय वाले अउर बात केर सेवक रहँय हम
तक पहुंचाइन। 3ई के तई हे सिरीमान थियूफिलुस
हमका यहै ठीक लाग कि उइ सब बातन का पूरा
हालु सुरु ते ठीक–ठीक जांचि करिकै तुमरी तई
लाइनबार लिखी। 4काहे ते तुइ यहु जानि लियउ कि
उइ बातैं जउनेक तुमका बतावा गवा है कइस अटल
हइ। उइ मा तनको गलत नाहि हवे।

यहुन्ना बपतिसमा देवे वालेन केर जनम कइहन भबिसवानी

5यहूदिन केर राजा हेरोदेस के बखत मा अविय्याह
कइहन दल म जकरयाह नाम केयार एकु पुरोहत रहै।
अउर वहिके मेहरारु हारुन वंस केर रहय वा जेकेर
नमवा इलीसिबा रहै। 6अउर उइ दूनौ परमेसुर केर
समुहे धरमी रहै, परभु की सगरी आग्या अउर विधि
ायन पर चलत रहै। वहिके कउनऊ सन्तान नहिन
रहय। 7काहेते इलीसिबा कऊहन बचवा नाहि कोई
सकत रहा, काहे केर उई दुइनों बूढ़ि रहै।

8जब उइ अपने दल की बारी पर परमेसुर केर
समुहे पुरोहित क्यार कामु करत रहय। 9उइ पुरोहितन
केर रीति केर मुताबिक वहिके नाम पतरी निकरी कि
ऊ परभु के मंदिर म जाय कय धूप जलावयं। 10अउर
धूप जलावय के बखत लोगन केर मंडली वाहेर
पराथना करत रहय।

11कि परभु क्यार एक सरग दूत कइहन की बेटी
केर दहिनी तरफ ठार रहा वहिका दिखाई परा।
12अउर जकरयाह याहि देखि कय घबराय गवा अउर
वहिका बहुतय डरु लाग। 13मगर सरगदूत वहिते
कहिस हे जकरयाह डेराव न काहे ते तुमार पराथना
सुनिलीन गय हय, अउर तुमरी मेहरारु ते तुमरी तइ
एकु बेटवा पैदा होई, अउर तुम वहिका नाव यहुन्ना
रखेव। 14अउर तुमका बहुतय खुसी होय अउर बहुत
मनई वहिके नजम ते खुसी होइ है। 15कहे ते ऊ परभु
के सामनेन महान होई, अउर दाखरस अउर मदिरा
कबहूं न पीय। अउर अपनी महतारी के पेटे मे वहु
परभु आतमा ते परिपूरन होइ जाई। 16अउर दूसर
इसराएलियन मइयां बहुतन का परभु परमेसुर केर
तरफ फेरी। 17वहु एलिय्याह की आतमा अउर सामरथ
मा होइके वहिके आगे–आगे चली काहे ते लड़के
वालेन कइती पितरन मनु फेरि दियैं अउर आदेसु न
मानय वाले धरमिन का समझु घर लावै। अउर परभु
के तई एक लायक दार परजा तैयार करय।

18जकरयाह सरग इत ते पूछिस यू हम केहि मेर
जानब काहे ते हम तो बूढ़ि है, अउर हमारी मेहरारु
बुढ़ाय गय है।

19सरग दूत वहिका जवाबु दिहिस कि हम जिबराईल
आइन जउन परमेसुर केर सामने खड़े रहित है। अउर
हम तुमका बातय करय अउर हम तुमका खुसखबरी
बतावय के तई भेजे गयेन है। 20अउर देखब जउने
दिन तक ई बातय पूरी न हुवै उई एक दिन तक तुम
बोलिहव न अउर व बोलि पइहव ई की तई तुम
हमरी बात जउन अपने बखत पूरी हुइ हैं, बिसवासु
नाहीं किहेव।

21अउर लोगन जकरयाह कै बाद ज्वाहत या
द्याखत रहय अउर अचरज करइ लागि कि वहिका
मंदिर मां यतनी द्यार काहे लागि। 22जब वहु बाहर
आवा तौ वहिते बोलि नाई पाइस तब उइ जानि गए
कि ऊ मंदिर मां कउनउ दरसन पाइस है। अउर ऊ
वहिते संकेत करत रहय अउर गूंगा होय गवा।

23जब वहिकी सेवा केर दिन पूरे होइगे, तब वहु
अपने घर का चलबा गवा।

24ई दिन के बाद वहिकी मेहरारु गरभवती होइ गय
अउर पांच महीना तक अपने आप का यहु कहिकय
छिपाय राखिसि। 25कि मनइन मां हमार नाम धराई

दूरि करय की तई परभु ने किरपा कयिकय हमरे तई अइसन किहिन है।

यीसु केर जनम केर भबिसवानी

[26]छठयें महीना मां जिबराइल सरग दूत परमेसुर की तरफ ते गलील मां नासरत नगर मां एकु कुआंरी के पास भ्यांजा गवा। [27]जेहिकय मंगनी यूसुफ नाम दाउद के वंस के एकु मनई केर साथे हुइ रहय। वहि कुआंरी केर नाम मरियम रहय। [28]अउर सरग दूत वहिके पास भीतर आयकय कहिस आनन्द अउर जय तुमारि हुवै जेहि पर परमेसुर केर किरपा भवा है। परभु तुमरें साथ है।

[29]वह उइ बचन सुनिकय बहुतय घबराइ गय अउर सोंचन लागि कि इ कइसन तरह केर अभिवादनु आय। [30]सरग दूत वहिते कहिस हे मरियम डेराव न काहे ते परभु क्यार तुमरे ऊपर किरपा भवा हइ। [31]अउर देखउ तुम गरभवती होइहब अउर तुमरे एक बेटवा पैदा होई, तुम वहिका नामु यीसु रखेव। [32]वहु महान होई अउर परम परधान केर बेटवा कहलाई। अउर परभु परमेसुर वहिके बाप दाऊद क्यार सिंघासनु वहिका देहयं। [33]अउर ऊ याकूब कहइन वंस पर सदा राज करीहे। अउर ऊ के राज केर अन्त न होई।

[34]मरियम सरग दूत ते कहिस यू काहे कोइ? हम तौ मनई का जानत नहिन।

[35]सरग दूत वहिका जवाबु दिहिस कि पवित्तर आतमा तुम पर उतरी अउर परम परधान केर सामरथ छाया तुम पर परी यही तई ऊ जउन पवित्तर होई, जउन पैदा होय वाला है। परमेसुर केर पूत कहाई। [36]अउर देखउ अउर तुमरे परिवार मा इलीसिबा केर भी बुढ़ापा मां बेटवा होय वाला है। यहु वहिका जउन बांझ कहावत रहय, छठवां महीना हय। [37]कोहेते जउन बचन परमेसुर की तरफ से हुवत है वहु परकार कर रहित नाहीं हुवत है।

[38]मरियम कहिस कि देखउ हम परभु की दासी अहिन। तुमरे कहय के मुताबिक होंय, तब सरग दूत वहिके पास से चला गवा।

मरियम कीन इलिसबा सइहन भेंट

[39]वहि दिन मरियम उठि कय जल्दी ते पहारु देस मां यहूदा केर एक नगर मा गए।

[40]अउर जकरयाह के घर मां जाय कय इलिसबा को नमस्कारु किहिस। [41]जइसेन इलिसबा मरियम क्यार नमस्कार सुनिस तइसेन बच्चा वहिके पेट मां उछला अउर इलिसिका पवित्तर आतमा ते परिपूरन होइ गय। [42]अउर वहु बड़े सबत मां पुकारि कय कहिस तू औरतन मां धन्य है, अउर तुमरे पेट का फल धन्य है। [43]अउर यहु किरपा हमका कहां ते भवा कि हमरे परभु केर महतारी हमरे पास आई। [44]अउर देखउ जइसन तुमरे नमस्कारु के सब्द हमरे कानन मा परा तइसने बच्चा हमरे पेट मां आनन्दु ते उछल परा। [45]अउर धन्य है ऊ जउन बिसवासु किहिन कि जउन बातय परभु की ओर ते कही गयी है उई पूरी होइ है।

मरियम केर गान

[46]तब मरियम कहिस हमरे परान परभु केर बड़ाई करत हइ।

[47]अउर हमारि आतमा हमरे उद्धारु करै वाले परमेसुर से खुसी होइगै।

[48]काहे ते वहु अपनी दासी की दीनता पर दिरिस्टी किहिस है। यही खातिर द्याखव अब ते सब युग–युग के लोगन हमका धन्य कहिहयं।

[49]काहे ते ऊ सकतिमान हमरी तई बड़े–बड़े काम किहिस है। अउर वहिका नाम पवित्तर हय।

[50]अउर वहिकी दया उन पर जउन डेरात है, पीढ़ी दर पीढ़ी बनी रही।

[51]वहु अपन भुजबल देखइसि अउर जउन अपने आप का बड़ा समझत रहय उनका तितर वितर किहिस।

[52]ऊ बवानन का सिंहासन ते गिराय दिहिस अउर दीनन का ऊंचा कइ दिहिस। बसतुअन ते भरि दिहिस।

[53]वहु भूखेन का अच्छी वस्तुओं से तिरप्ति किहिस अउर धनवानन का छूछे हाथन निकारि दिहिस।

[54]वहु अपने सेवकु इसराएल का संभारि लिहिस।

[55]वहु अपन दया का सदा रही जइसन उसने हमेर बाप दादन ते कहिस रहय।

[56]मरियम लगभग तीन महीना वहिके साथे रहि कय अपने घर लौटि गये।

यहुन्ना बपतिसमा दे वालेन केर जनम

[57]तब इलीसिवा कै जनेन का समय पूरा भवा अउर वहु बेटवा जनमिस। [58]वहिके परोसी अउर परिवारु के वहु सुनिकय कि परभु वहि पर बड़ी दया किहिन है वहिकै साथे खुसी भये।

[59]अउर अइसन भवा कि अठवे दिन उइ बालक का खतना कराय आये अउर वहिका नाम बाप के नाम पर जकरयाह रखय लागि। [60]अउर वहिकी महतारी कहिस कि नाहीं यहिका नाम यहुन्ना रखब।

61अउर उइ वहिते कहिन तुमरे परिवार का कउनउ
केर यहु नाम नाहीं।
62तब उइ वहिके बापू ते संकेत करिकय पूछिन।
63कि तुम वहिका नाम का रखा चाहत हौ अउर ऊ
लिखय वाली पट्टी मंगाय कय लिखिस कि ई का
नाम यहुन्ना है, अउर सब अचरज करय लाग।
64तबय तहिके जबान अउर मुंह तुरन्तय खुलि गवा
अउर वहु बोलय तथा परमेसुर का धन्यवादु करय
लाग। 65अउर वहिके आस–पास रहय वाले सब
डेराय गये अउर उइ सब बातन केर चरचा यहूदिया
के सारी पहारु देस मा फैल गवा। 66अउर सब सुनय
वालेन अपने–अपने मन मां विचार करिकय कहिन
यू बेटवा कइसन होई काहे ते परभु केर हाथ वहिके
साथ हुवै।

जकरयाह केर गान

67अउर वहिका बाप जकरयाह पवित्तर आतमा ते
परिपूरन होय गवा अउर भबिसवानी करय लाग।
68कि परभु इसराएल का परमेसुर धन्य हो कि उसने
आप लोगन पर किरपा किहिस अउर उनका छुटकारा
किहिस है।
69अउर अपने सुवकु दाऊद के वंस मां हमरे लीन
यक्क उद्धार केर सींग निकरिस।
70जइसन उई अपने पवित्तर भबिसवकतन के
दुआरा जउन जगत के आदि से हुवत आय है कहिन
रहय।
71अर्थात् हमरे दुसमन ते अउर हमरे सब बैरिन के
हाथ ते हमार उद्धारु किहिस है।
72कि हमरे बापू–दादन पर दया करिकय अपनी
पवित्तर बापन का याद करयं।
73अउर वह किरिया जउन हमरे बाप अबराम ते
खइस रहय।
74कि ऊ हमका यू देई कि हम अपने दुसमनन के
हाथ से छूटि कय।
75वहिके समूहे पवित्तरता अउर धारमिकता ते
जीवन भरि निडर रहिकय वहिकी सेवा करत रही।
76अउर तू हे बालक परम परधान का भविसवक्ता
कहाइहैं। काहे ते तुम परभु का मारग तैयार करयके
तई वहिके आगे–आगे चलिहव।
77कि वहिके लोगन का उद्धारु का ग्यानु हुवत है।
78यहु परमेसुर की हुई बड़ी करुना ते होई जेहिके
कारन हम पर ऊपर ते भोरु का परकासु उदय होई।
79कि अंधेरु अउर मरनु की छाया मा बैठय वालेन
का जोति दियव अउर हमरे पांवन का कुसल के
मारगु पर चलाया।
80अउर वहु बालक बाढ़त अउर आतमा मां
बलवान हुवत गवा अउर इसराएल मा परगट हुअय
के दिन तक जंगलन मां रहीस।

यीसु केर जनम

2 उइ दिनन मां औगुस्तूस कैसर की ओर ते
आग्या निकरि कि सगरे जगत केर लोगन के
कइहन नाम लिखन जायं। 2इ पहिली दिखाई उइ
बखत भय जब क्विरनियुस सूरिया क्यार हाकिमु
रहय। 3अउर सब लोगन नाम लिखावय के तई
अपने–अपने नगर का गये।
4सो यूसुफ भी यही की तई कि ऊ दाउद घराने
केर वंस रहय। गलील के नासरत नगर ते यहूदियन
मा दाऊद के नगर बैतलहम का गवा। 5कि अपनी
मगेतर मरियम के साथे जउन गरभवती रहय नाम
लिखाइस। 6उनके हुवां रहतय वहिकै पैदा जैने केर
हुअय दिन पूरे होइगे। 7अउर वह अपन पहिलौ बेटवा
केर जनम दिहिस अउर वहिका कपड़ा मां लपेट कय
चरनी मां रखिस काहे ते उनकी तइ सराय मां जगह
नाहीं रहय।

चरवाहे कइहन सरगदूतवन केर सदेसु

8उइ देस मा जेतने गड़रिया रहयं जउन रात मां
मैदान मां रहिकय अपने झुंड क्यार पहरा दियत रहय।
9अउर परभु केर एकु दूत उनके पास आयकय खड़ा
भवा अउर परभु क्यार डेरायगे। 10तब सरग दूत
वहिते कहिस डेराव न काहे ते देखव हम तुमका बड़े
आनन्द का सुसमाचारु सुनाइत है जउन सबै लोगन
की तई होई। 11कि आजु दाऊद केर नगर मां तोहरे
तई एकु उद्धारु कर्ता पइदा भवा है। अउर यहइ मसीह
परभु आय। 12अउर यहिका तुमरे तई यहु पता होई
कि तुम एकु बेटवा कइहन कपड़ा मां लिपटा भवा
अउर चरनी मा पर पइहव।
13तब अकस्मात् उइ सरग दूत के साथे सरगदूतों
का एकु दल परमेसुर केर स्तुति अउर पुटु कहत
दिखाई परा।
14कि आकास मा परमेसुर केर महिमा अउर
धरती पर उइ मनईन मा जिन्यते वहु परसन्न है सान्ती
होय।
15जब सरगदूत उनके पास ते सरग का चले गये
तो गड़ेरिया आपस मा कन आऊ हम बैतलहम जाय
कय ऊ बात जउन भय है अउर जउन हमका परभु
बताइन है द्याखैं।

16अउर उइ तुरन्तय जाय कय मरियम अउर यूसुफ
अउर चरनी मां उइ बालक का परा देखिन। 17इनका
देखिकय उइ बातन जउन ई बालक के बारे मां उनसे
कही गयी रहय परगट किहिन। 18अउर सब सुनय
वाले उइ बातन से जउन गड़ेरिया वहिते कहिन रहय
अचरज किहिन। 19मगर मरियम ई सब बातय सुनिकय
अपने मन मां स्वांचत रहय। 20अउर गड़ेरिये जइसन
उनसे कहा गवा रहय वइसन की कुल सुनिकय अउर
देखिकय परमेसुर की महिमा अउर स्तुति करत भये
लौटि गये।

यीसु कइहन मंदिर मा अरपन किन गवा

21जब आठ दिन पूरे भये अउर वहिके खतने का
बखत आवा तउ, वहिका नाम यीसु रखा गवा जउन
सरग दूत वहिके पेट मां आवे से पहिले कहिस रहय।
22अउर जब मूसा की व्यवस्था केर अनुसार उनके
सुद्ध हुवय के दिन पूरे भये तौ, उइ वहिका यरुसलेम
साथे लइगे, कि परभु के समूहे लावय। 23जइसन की
परभु की बेवस्था मां लिखा हय कि हर एकु
पहिलौंठा बेटवा परभु की तई पवित्तर होई। 24अउर
परभु की बेवस्था अउर वचन के अनुसार पंडुकों का
एक जोड़ा या कबूतर के दूइ बच्चे लायकय बलि
चढ़ावै के करय।

25अउर देखव, यरुसलेम मा एकु समौन नाम
क्यार एकु मनई रहय अउर ऊ मनई धरमी अउर भगत
रहय, अउर इसराएल केर सान्ती केर राह जोहत रहय।
26अउर परभु की आतमा ते वहिका चेतावनी भय
रहय कि जब तक तुम परभु मसीह का न देखिहउ
तब तक मिरतू का न देखिहउ। 27अउर वहु आतमा
के सिखवाय से मंदिर मां आवा अउर जब महतारी
बाप उइ बचुवा यीसु का भीतर लाये कि वहिकी तई
बेवस्था के मुताबिक करय। 28तब वहु वहिका अपनी
गोद मां लिहिस अउर परभु का धन्यवादु करिकय
कहिस।

29हे सुवामी अब तुम अपने बचन के अनुसार
अपने दास का सान्ती से विदा करौ।

30काहे ते हमरी आंखय तुमरी उद्धारु का देखि
लिहिन हैं।

31जेहिका तुम सब देसन के लोगन के सामने
तैयार किहेव है।

32कि वहु अन्य जातिन का परकास दियय के तई,
जोति अउर तुमरे निज लोगन इसराएल केर महिमा
होय।

33अउर वहिके महतारी अउर बाप ई बातन ते
जउन वहिके बारे मां कही जाती रहय अचरज करत
रहय। 34तब समौन ऊ का आसीसु दय कय वहिकी
महतारी मरियम ते कहिस देखव ऊ तौ इसराएल मा
बहुतन का गिरय अउर उठावय के तई अउर एक
अइसन निसानु देयै खातिर ठहरावा गवा है। जेहिके
विरोधु मां बातैं कीन जइहैं। 35वरन तुमारु परान भी
तलवारु से आर–पार छिद जाई यहिते बहुत ते
हिरदयन के विचारु परगट होइ हैं।

36अउर असेर के वंस मां हन्वाह नाम के फनूएल
केर एकु बिटिया भविसवकतन रहय वह बहुत बूढ़ि
रहय अउर वियाह हुवय के बाद सात साल अपने
मनई के साथे रहि पाइ रहय। 37वहु चौरासी साल
केर विधवा रहय अउर मंदिर का नाहीं छोड़त रहय
मगर उपवासु अउर पराथना करि कय रात दिन पूजा
करत रहय। 38अउर वह उइ घरी हुवां आयकय परभु
का धन्यवादु करय लागि अउर उइ सबन से जउन
यरुसलेम के छुटकारे केर रास्ता द्याखत रहय वहिके
बारे मां बातय करय लागि।

39अउर जब उइ परभु की बेवस्था के अनुसार सब
कुछ निपटाय चुकै तो गलील मां अपने नगर नासरत
का फिर लौटि गये। 40अउर बालक बाढ़त अउर
बलवानु हुवत अउर बुद्धि से परिपूरन होत गवा अउर
परमेसुर केर अनुगरह वहि पर रहय।

बालक यीसु मंदिर मां

41वहिके महतारी–बाप हर साल फसह के परब
मां यरुसलेम का जात रहय। 42जब वहु बारह साल
का भवा तब परब की रीति के मुताबिक यरुसलेम
मां गये। 43अउर जब उइ उन दिनन का पूरा करिकय
लौटय लागि तौ वहु बचुवा यीसु यरुसलेम मा रहि
गवा अउर यहु वहि के महतारी–बाप नाहीं जानत
रहय। 44उई यू समझि कय कि वहु अउर यातरीन के
साथै होई एकु दिन का पड़ाव निकरि आये अउर
वहिका अपने परिवारु अउर जान–पहचान मां ढूंढ़य
लागि। 45पर जब नाहीं मिला तौ ढूंढ़त–ढूंढ़त उइ
फिर यरुसलेम का लौटि गये। 46अउर तीन दिन बादे
वहिका उइ मंदिर मा उपदेसकन के बीच बइठ अउर
उनकय सुनत अउर परसन करत भये पाइन। 47अउर
जितने वहिकी सुनत रहय उइ सब वहिकी समझ
अउर जवाबु ते चकित रहय। 48तब उइ वहिका
देखिकय चकित भये अउर वहिकी महतारी वहिसे
कहिस ओ बचुवा तुम हमसे काहे अइसन व्यवहारु
किहेव देखव तुमार बाप अउर हम कुढ़त भये तुमका
ढूंढ़त रहय।

49ऊ वहिते कहिस तुम हमका काहे ढूंढ़त रहव का
नाहीं जानत रहव कि हम अपने बाप के घर मां हुआ
जरुर। 50मगर जउन बात वहिते कहिस उइ वहिका
नाहीं समझ पाइन।
51तब वहु उनके साथ गवा, अउर नासरत मा
आवा अउर उने वंस मां रहा अउर वहिकी महतारी
ई बातन अपने मन मां राखिस। 52अउर यीसु बुद्धि
अउर कद–काठी मां अउर परमेसुर अउर मनई केर
अनुगरह मां बढ़ति गवा।

यहुन्ना बपतिसमा दाता आऊर ओके सन्देसवा

3तिविरयुस कैसर के राज मां पंदरहवें साल मां
जब पुत्तियु पीलातुस यहूदिया केर हाकिम रहय
अउर गलील मां हेरोदेस नाम चौथाई का इतूरैया
अउर जखोनितिस मां उसका भाई फिलिप्पुस अउर
अविलेने लिसानियास चौथाई के राजा रहयं। 2अउर
जब हन्ना अउर कैफा महायाजक रहय उइ समय
परमेसुर का बचनु जंगलमा जकरयाह के बेटवा
यहुन्ना के पास पहुंचा। 3अउर ऊ यरदन के आस–पास
के सारे देस मां आय कय पापन की माफु के तई मन
फिराव का बपतिसमा का परचारु करय लाग। 4जइसन
यसायाह भविसवक्ता के कहे हुए बचनन की किताब
मां लिखा हय कि जंगल मां एक पुकारय वाले का
सबद हुवत है। कि परभु केर मारग तैयार करब
वहिकी सड़कय सीधी बनाउ।
5हर एकु घाटी भर दीन जाई अउर हर एकु पहारु
अउर टीला नी कीन जाई अउर जउन टेढ़ा है
सीधा अउर ऊँचा–नीचा है वहु समतल मारग बनी।
6अउर हर परानी परमेसुर के उद्धार का देखी।
7जो भीड़ की भीड़ वहि से बपतिसमा लियय
आवत रहय वहिसे ऊ कहत रहय कि हे सांपन के
बचुवों तुमका कउन बातय दिहिस हय कि आवय
वाले किरोधु से भागव। 8सो मन फिराव के जोग
फलु लाव, अउर अपने मन मां यहु न सोचउ कि
हमार बाप अबराम हैं, काहे ते हम तुमसे कहित है
कि परमेसुर इन पथरन ते अबराम की तई सन्तान पैदा
करि सकत है। 9अउर अब ही कुल्हाड़ा पेड़न की जड़
पर धरा है, ई की तई जउन पेड़ अच्छा फल नहीं
लावत है ऊ काटा अउर आग मां झोंका जात है।
10अउर लोगन ने पूछिस कि हम का करी।
11ऊ उनका जवाबु दिहिस कि जेहिके पास दुइ
कुरता है जेहिके पास नहीं है वहिका दै दियय अउर
जेहिके पास खाना हुवइ वहै अइसन करय।
12अउर महसूल लियय वाले भी बपतिसमा लियय
आये, अउर वहि ते पूछिन कि हे गुरुजी हम का करी।
13ऊ वहिते कहिस जउन तुमरे तई ठहरावा गवा
है वहिते ज्यादा न लिहेव। 14अउर सिपाही भी वहिते
यहु पूछिन हम का करी ऊ वहिते कहिन कोई पूर
उपदरव न किहेव, अउर न झूठ दोस लगायेव, अउर
अपनी मंजूरी पर सन्तोस किहेव।
15जब लोग आप लगाये रहयं अउर सब
अपने–अपने मन मां यहुन्ना के बारे में विचारु करत
रहय। कि कहूं यहै मसीह तो न आय। 16तौ यहुन्ना
उन सबते जवाबु मां कहिस कि हम तौ तुमका पानी
ते बपतिसमा देइत हैं, मगर ऊ आवय वाला है,
जउन हमते सक्तिसाली है। हम तौ ई लायक भी
नाहीं हन कि वहिके जूतन का बांधि खोलि सकीं ऊ
तुमका पवित्तर आतमा अउर आगि ते बपतिसमा देई।
17वहिका सूप वहिके हाथ मां है अउर ऊ आपन
खलिहान अच्छी तरह से साफ करी अउर गोहूं का
अपने खत्ते मां यकट्ठा करी मगर भूसा का उइ आग
मा जउन बुझी न जलाय देई। 18सो वहु बहुतेरी
सिच्छा दै–दै के लोगन का खुसखबरी सुनावत रहा।
19मुला उसने चौथाई के राजा हेरोदेस का वहिके
भाई फिलिप्पुस की बहुरिया हेरोदियास के बारे मां
अउर सब कुकरमन के बारे मां जउन उइ किहिन रहय
डांट–फटकार दिहिस। 20यही तई हेरोदेस उन सबते
बढ़कर यहु कुकरम किहिन कि यहुन्ना का जेल मा
डारि दिहिन।

यीसु केर बपतिसमा अउर बंसावली

21जब कुल मनई बपतिसमा लिहिन अउर यीसु
बपतिसमा लय कय पराथना करत रहय तौ आकास
खुलि गवा। 22अउर पवित्तर आतमा सारीरिक रूप मां
कबूतर की नाई वहि पर उतरा अउर यह आकासवानी
भय कि तुम हमार दुलरवा बेटवा आव हम परसन्न
हैं।
23जब यीसु उपदेसु करय लागि तौ लगभग तीस
साल का रहय, अउर यूसुफ क बेटवा रहय अउर
यूसुफ एलीकेर।
24अउर ऊ मतान्त का, अउर लेवी का, अउर ऊ
मलकी का, अउर ऊ मन्ना का, अउर ऊ यूसुफ का।
25अउर ऊ मतिन्याह का, अउर ऊ आमोस का,
अउर ऊ नहूम का, अउर ऊ असल्यास का, अउर
ऊ नोगह का।
26अउर ऊ मात का अउर ऊ अनिन्याह का, अउर
ऊ सिमी का, अउर ऊ योसेफ का, अउर ऊ योवाह
का।

27अउर ऊ यहुन्ना का अउर ऊ रेसा का, आर ऊ
जरुब्बाविल का, अउर ऊ सब्तियेल का, अउर ऊ
नेरी का।
28अउर ऊ मलकी का, अउर ऊ अद्दी का, अउर
ऊ कोसाम का, अउर ऊ इलगोदाम का अउर ऊ एरा
का।
29अउर ऊ यीसु का अउर ऊ इलाजार का, अउर
ऊ मन्तात का, अउर ऊ लेवी का।
30अउर ऊ समौन का, अउर ऊ यहूदाह का, अउर
ऊ यूसुफ का, अउर ऊ योनान का, अउर ऊ इलया
कीन का।
31अउर ऊ मलेसाह का, अउर ऊ अभिन्नाह का,
अउर ऊ मन्तता का, अउर ऊ नातान का, अउर ऊ
दाउद का। 32अउर ऊ यिसै का, अउर ऊ ओवेद का,
अउर ऊ बोअज का, अउर ऊ सुलेमान का, अउर
ऊ नहशौन का।
33अउर ऊ अम्मी नादाब का, अउर ऊ अरनी का,
अउर ऊ हिसरोन का, अउर ऊ फिरिस का, अउर ऊ
यहुदाह का। 34अउर ऊ याकूब का, अउर ऊ इसहाक
का, अउर ऊ अबराम का, अउर ऊ तिरह का, अउर
ऊ नाहोर का।
35अउर ऊ सरग का, अउर ऊ रउफ का, अउर ऊ
फिलिंग का, अउर ऊ एविर का, अउर ऊ सिलह का।
36अउर ऊ केनान का, अउर ऊ अरफजद का, अउर
ऊ सेम का, अउर ऊ नूह का, अउर ऊ लिमिक का।
37अउर ऊ यथूसिलह का अउर ऊ हनोक का,
अउर ऊ पिरिद का, अउर ऊ महलेल का, अउर ऊ
केनान का। 38अउर ऊ इनोस का, अउर ऊ सेत का,
अउर ऊ आदम का, अउर ऊ परमेसुर का रहय।

यीसु केर परिच्छा

4 फिर यीसु पवित्तर आतमा से भरा हुआ यरदन
ते लौटा अउर चालीस दिन आतमा के सिखावय
से जंगल मा फिरत रहा अउर सैतान वहिकी परिच्छा
करत रहय 2उइ दिनन मां ऊ कुछु नाही खइस अउर
जब उन दिन पूरे होइगे तौ वहिके भूख लगी।
3अउर सैतान वहिते कहिस यदि तुम परमेसुर के
बेटवा हय तौ ई पाथर से कहय कि रोटी बन जाय।
4यीसु वहिते कहिन कि लिखा हवै कि मनई
खाली रोटी ते जिन्दा न रही।
5तब सैतान ऊ का लै गवा अउर पलभर मां
वहिका सारे राज दे खाइस। 6अउर ऊ ते कहिस हम
यू सब अधिकार अउर इनका विभव तुमका द्यावै
काहे ते यहु हमका सौंपा गवा है अउर हम जेहिका
चाहित है वहिका देत है। 7यही तई अगर तुम हमका
परनाम करब तौ यू सब तुमार होय जाइ।
8यीसु वहिका जवाबु दिहिन लिखा है कि तुम
परभु परमेसुर का परनाम करव अउर खाली वही केर
उपासना करव।
9तब ऊ वहिका यरुसलेम लय जाय कय मंदिर
के सबसे ऊँचा चोटी पर खड़ा किहिस अउर वहिते
कहिस यदि तुम परमेसुर के बेटवा आव तब अपने
कइहां हियां से नीचे गिराय दियब। 10काहे ते लिखा
है कि ऊ तुमरे बारे मां सरग दूतन का आगया देइ
कि उइ तुमारि रक्छा करयं
11अउर उई तुमका हाथों हाथ उठाय लेहय अइसन
न होई कि कउनेउ पत्थर ते तुमरे पांव मा चोट
लागय।
12यीसु वहिका जवाबु दिहिन यहव कहा गवा है
कि तुम अपने परभु परमेसुर केर परिच्छा न किहेव।
13जब सैतान सब परिच्छा कय चुका तब कुछ देर
तई वहिके पास से चला गया।

नासरत यीसु केर अस्वीकार

14फिर यीसु आतमा की सामरथ से भरा भवा
गलीलन का लौटा अउर वहिकी बखान आस–पास
के सगरे देस मां फैलि गय। 15अउर ऊ उनकी
उपासना घरन मां उपदेसु करत रहय अउर सब
वहिकी बड़ाई करत रहय।
16अउर ऊ नासरत मां जहां पाला पोसा गवा रहय
अउर अपनी रीति के अनुसारु सत के दिन उपासना
घर मां जाय कय पढ़य के तई खड़ा भवा। 17यसायाह
भबिस्यवक्ता के किताब वहिका दीन गय अउर ऊ
उई किताब का खोलिकय वा जगह निकारिस जहां
पर लिखा रहय।
18कि परभु केर आतमा हम पर हवै यहि केर लिए
ऊ हमका कंगालन का खुसखबरी सुनावय के तई
अभिसेकु किहिस है। अउर हमका यही की भेजिस
है कि बन्धुअन का छुटकारे का अउर अंधरन का
दिरिस्टी पावय का खुसखबरी परचारु करी अउर
कुचले हुएन का छोड़ाइ।
19अउर परभु के परसन्न रहय केर साल का
परचारु करु।
20तब ऊ किताब बन्द करिकय सेवक क हाथे मां
दय दिहिस अउर बइठगा अउर आराधनालय की सब
लोगन कै नजर वहि पर लगी रहय। 21तब ऊ उनसे
कहय लाग कि आजय यू लोग तुमरे सामने पूरा भवा
हय।

22अउर सब वहिका सराहिन अउर जउन अनुगरह
केर बातय वहिके मुंहते निकरत रहय वहिते अचरज
किहिन अउर कहय लाग कि का यहु यूसुफ क्यार
बेटवा ना आय।
23ऊ वहिते कहस कि तुम हम पर या कहावत
जरूर कहिहव कि हे वैद्य अपने आय का नीक करब
जउन कछु हम सुने कि कफरनहूम मा कीन गवा है।
वहिका हियां अपने देस मां भी करब।
24अउर ऊ कहिस कि कोई भबिसवानी करै वाला
अपने देस मां मानु–सम्मानु नाही पावत है। 25अउर
हम तुम ते सांचि कहत है कि एलिय्याह के जमाने
मां जब साढ़े तीन साल का आकासु बन्द रहय, हियां
तक कि सगरे देस मां बड़ा अकाल परा तौ इसराएल
मां बहुत सारी विधवाएं रहय। 26मगर एलिय्याह
वहिमा ते कउनेउ के पास नाहीं भेजा गवा केव सैदा
के सारफत मां एक विधवा के पास। 27अउर इलीसा
भविसवकता के वखत इसराएल मां बहुत से कोढ़ी
रहय मगर नामान सुरयानी का दोड़िकय अउर काहू
का सुद्ध नाही कीन गवा।
28ई बातय सुनतय जेतने आराधनालय मां रहय
सब किरोधु ते भरि गय। 29अउर उठिकय वहिका
नगर ते बाहर निकारिन अउर पहारु पर उनका नगर
बसा रहय वहिकी चोटी पर लै चले कि वहिका हुआ
ते नीचे गिराय देवय। 30पर वहु उने बीच ते निकरि
कय चला गवा।

यीसु दुस्ट आतमा कइहन निकारात है

31फिर वहु गलील के कफरनहूम नगर मां गवा
अउर सबत के दिन लोगन का उपदेसु दियत रहय।
32उइ वहिका उपदेसु सुनिकय चकित भये काहे ते
वहिका बचनु अधिकारु सहित रहय।
33आराधनालय मा एकु मनई जेहिमा असुद्ध
आतमा रहय। 34ऊ ऊँचे सबद से चिल्लाय उठा हे
यीसु नासरी हमका तुमते कउन काम का तुम हमका
नास करय आय हव, हम तुमका जानित है कि तुम
कउन हो तुम परमेसुर का पवित्तर जन है।
35यीसु वहिका डपट कय कहिन चुप रहव अउर
वहिमा से निकरि जाव। तब दुस्ट आतमा वहिका
बीच मां पटकि कय बिना नुकसान किहे वहिमा ते
निकरि गय।
36ई पर सबका अचरजु भवा अउर उई आपस
मां बातय करिकय कहय लागि यू कइसन बचन
है कि ऊ अधिकारु अउर सामरथ के साथ दुस्ट
आतमन का आग्या दियत है। अउर उइ निकरि
जाती है। 37सो चारिउ तरफ हर जगह वहिका
धूम मचि गवा।

यीसु लोगन केर चंगा किहिन

38ऊ आराधनालय से उठिकय समौन के घर गवा
अउर समौन की सासु के बुखारु चढ़ा रहय, अउर
उइ वहिकी तई ऊ से विनती किहिन। 39ऊ वहिके
नेरे जायकय बुखारु का डांटिस अउर ऊ वहि पर से
उतरि गवा अउर वहु तुरन्तय उठिकय उनकय सेवा
टहल करय लागि।
40सूरज डूबत बखत जो–जो लोगन नाना परकार
की बीमारिन मा परे रहय उइ सब उनका ऊ के पास
लाये अउर ऊ एक–एक पर हाथ रखिकय उनका
चंगा किहिस। 41अउर दुस्ट आतमा चिल्लात अउर
यू कहत भय कि तु परमेसुर का बेटवा आय बहुतन
मइसे निकरि गय मगर ऊ उनका डांटत अउर बोलय
नाही दियत रहय काहे ते उइ जानत रहय कि यू
मसीह आय।
42जब दिन भवा तब वहु निकरिकय अगली जगह
गवा अउर भीड़ की भीड़ वहिका ढूंढ़ति हुइ वहिके
पास आई अउर ऊ का रोकय लागि कि हमरे पास
से जाव। 43मगर ऊ वहिते कहिस हमका अउर नगरन
मां भी परमेसुर के राज का खुसखबरी सुनाउब जरूरी
है काहे ते हम यहीं की तइ भेजे गयेन हैं। 44अउर
ऊ गलील के आराधनालय मां परचारु करत रहा।

पहिले चेलन केर बुलाइन

5 जब भीड़ वहि पर गिरि परत रहय अउर परमेसुर
का बचन सुनत रहय अउर ऊ गन्ने सरत की
झील के किनारे खड़ा रहय तौ अइसन भवा। 2कि
ऊ झील के किनारे पर दुइ नावें लागि देखिस अउर
मछेरे वहिते उतरि कय जलु धोवत रहय। 3उइ नावन
मइसे एकु पर जउन समौन केर रहय चढ़िकय ऊ
उससे बिनती किहिस किनारे से थोड़ा हटालइ चलय
तब ऊ नाव पर बैठिकय लोगन क उपदेसु दियय
लागि।
4जब ऊ बताय करि चुका तौ ऊ समौन से कहिस
गहिरे मां चलव अउर मछरी पकरय के तई आपन
जालु डारव।
5समौन वहिका जवाबु दिहिस हे सुवामी सारी रात
मेहनत कीन अउर कुछ नाहीं पकरि पायेन मगर तुमर
कहे से जाल डारव।
6जब ऊ अइसन किहिस तौ बहुत सारी मछरी घेरि
लाये अउर वहिका जालु फाटय लागि। 7यहि पर ऊ

अपने साथिन का जउन दूसरी नाव पै रहय इसारा किहिस कि आयकय हमारि मदद करव अउर उइ आयकय दूनौ नाव हियां तक भर लिहिन कि उइ डूबय लागी।

[8]यू देखिकय समौन पतरस यीसु के पावन पर गिरा अउर कहिस हे परभु हमरे पास से जाव काहे ते हम पापी मनई हन। [9]काहे ते यतनी मछरी के पकरे जाय से वहिका अउर वहिकै साथिन का अचरज भवा।

[10]अउर वइसन ही जबदी के लरिकन याकूब अउर यहुन्ना का भी जउन समौन के सहभागी रहय, अचरजु हुआ। तब यीसु समौन ते कहिन डेराव न अब ते तुम मनई का जिन्दा पकरिहव। [11]अउर उइ नावन का किनारे पर लाये अउर सब कुछ छोड़ि कय वहिके पीछे होई लिहिन।

कुस्ट रोगी कइहन नीक किहिन

[12]जब उइ कउनेउ नगर मा रहय तौ देखव अउर हुवां कोढ़ से भरा एकु मनई रहय। अउर ऊ यीसु का देखिकय मुंहि के बल गिरा अउर विनती किहिस कि हे परभु अगर तुम चाहव तौ हमका सुद्ध करि सकत हव।

[13]ऊ वहिका हाथ बढ़ाय क छुइस अउर कहिस हम चाहित है तुम सुद्ध हो जाव अउर वहिका कोढ़ तुरन्तय ठीक होइगा।

[14]तब ऊ वहिका चिताइस कि कोई से कहेव न मगर जाय कय अपने आपका याजक का दिखावउ अउर अपने सुद्ध हुवय के बारे मां जउन कुछ मूसा चढ़ावा ठहराइन रहय ऊ चढ़ावौ कि उन पर गवाही होय।

[15]मगर वहिकी चरचा अउर भी फैलि गय, अउर भीड़ कै भीड़ वहिकी सुनय के तई अउर बीमारी से चंगा हुवय के तई इकट्ठी हुइ गय। [16]मगर ऊ जंगलन मां जाय कय अलग पराथना कीन करत रहय।

यीसु अपाहिज केर चंगा किहिन

[17]अउर एकु दिन अइसन भवा कि ऊ उपदेसु दियत रहय अउर फरीसी अउर बेवस्था के आचार्य हुवां बइठे रहय जउन गलील अउर यहूदिया के हर गांव ते अउर यरुसलेम से लाये रहन अउर चंगा करय के तई परभु के सामरथ उनके साथ रहय। [18]अउर देखव कइ मनई एकु मनई का जउन लकवा का मारा रहय खटिया पर लाये अउर उइ वहिका भीतर लय जाय अउर यीसु के सामने लय जाय क उपाय ढूंढ़त रहय। [19]अउर जब भीड़ कै कारन वहिका भीतर नाहीं लै जाय पाइन तौ उइ कोठे पर चढ़िकय अउर खपरैल हटाय कय वहिका खटिया सहित बीच मां यीसु के सामने उतार दिहिन।

[20]वहु वहिका विसवासु देखिकय वहिते कहिस हे मानव तुमार पाप माफु भये।

[21]तब सास्तरी अउर फरीसी विवाद करय लागि कि यहु कउन हय जउन परमेसुर केर बुराई करत हैं। परमेसुर का छोड़ि कउन पापन का माफु करा सकत है।

[22]यीसु उनके मन की बातय जानि कय वहिते कहिन कि तुम अपने मन का विवादु करत हव। [23]सहज का है का यू कहव कि तुमार पाप माफु हुइगै या यू कहव कि उठव अउर चलव–फिरव। [24]मगर ई की तई तुम जानव कि मनई के बेटवा का धरती पर पाप माफु करय का अधिकारु है। उसने लकवा के मारे हुए मनई से कहिस। हम तुमते कहित है उठव, अउर आपनि खटिया उठाय कय अपने घर केर चले जाव। [25]वहु तुरंत उइके समूहे उठा अउर जेहि पर ऊ परा रहय वहिका उठाय कय परमेसुर की बड़ाई करत अपने घर चला गवा। [26]तब सब चकित भये अउर परमेसुर के बड़ाई करै लाग अउर बहुत डेराय कय कहय लागि कि आजु हम अनोखी बातय देखेन हैं।

लेवी केर बुलउव्वा

[27]अउर यहिके बाद ऊ बाहर गवा अउर लेवी नाम एकु चुंगी लियय वाले का चुंगी की चौकी पर बइठ देखिस अउर वहिते कहिस कि हमरे पीछे होय लियव। [28]तब वहु सब कुछ छोड़ि कय उठा अउर उइके पीछे हुइ लिहिस।

[29]अउर लेवी वहिके तई अपने घर मा बड़ी जेवनार किहिस अउर चुंगी लियय वालेन की अउर औरन की जउन वहिक साथ भोजन करय बइठ रहय एक बड़ी भीड़ रहय। [30]अउर फरीसी अउर उनके सास्त्री वहिके चेलन से यू कहिकय कुड़कुड़ाय लागि कि तुम चुंगी लियय वालेन अउर पापिन के साथे काहे खात पियत हौ।

[31]यीसु उनका जवाबु दिहिन कि वहु भले अउर चंगन का नाहीं है मगर बीमारन के तई जरूर है। [32]हम धरमिन का नाहीं मगर पापिन का मन फिरावय केर तई बुलावय आयेन हैं।

उपवास केर परसन

[33]अउर उइ उससे कहिन कि यहुन्ना केर चेला तौ
बेर–बेर कहत अउर पराथना कीन करत रहय अउर
वइसनय फरीसियन के भी। मगर, तुमार चेला तौ
खात–पियत है।
[34]यीसु वहिते कहिन का तुम बरातियन ते जब तक
तुम दुलहा उनके साथ रहय उपवासु करवाय सकत
है। [35]मगर उइ दिन अइहयं जिनमां दुलहा वहिते
अलग कीन जाई तब उइ उन दिनन मां उपवासु
करिहय।
[36]ऊ वहिते एकु अउर मसल कहिस क उनद मनई
नये पहिरावन मइ से फारि कय पुराने पहिरावन मां
चकत्ती नाहीं लगावत हय नाहीं तो नवा फटि जाई
अउर ऊ चकत्ती पुराने मा मेल नाहीं खात है। [37]अउर
कोई नवा दाखरस पुरान मसकन मा नाहीं भरत है।
नाहीं तो नया दाखरस मसकन का फाड़ि कय बहि
जाई अउर मसकय भी नासु हुइ जइ हैं। [38]मगर नवा
दाखरस नई मसकन मा भरय का चाहीं। [39]कउनउ
मनई पुरान दाखरस पी कय नवा नाहीं चाहत है काहे
ते ऊ कहत है कि पुरानय नीक है।

बिसराम दिनवा केर परभु

6 फिर सबत के दिन वहु खेतन मा होइ कय जात
रहय अउर वहिके चेले वाली तूरि–तूरि कय
अउर हाथन मां मलिकय खात रहय। [2]तब फरीसिन
मइ से कई एक कहय लाग तुम वहु काम काहे करत
हव जउन सबत के दिन करब नीक नाहीं है।
[3]यीसु उनका जवाबु दिहिन का तुम यू नाहीं पढ़ेव
कि दाउद ने जब ऊ अउर उनके साथी भूखे रहय तौ
का किहिन। [4]ऊ काहे के तई परमेसुर के घर गवा
अउर भेंट केर रोटी लय कय खाइस जउन खाना
याजकन केर छोड़ि अउर कोई का उचित नाहीं है।
अउर अपने साथिन का भी दिहिन। [5]अउर ऊ वहिते
कहिस कि मनई का बेटवा सबत केर दिन का भी
परभु है। [6]अउर अइसन भवा कि कउनेउ अउर सबत
केर दिन ऊ आराधनालय का जाय कै उपदेसु दियय
लाग अउर हुवां एक मनई रहय जेहिका दहिना हाथ
सूखा रहय। [7]सास्त्री अउर फरीसी वहि पर दोसु
लगावय के तई वहिकी ताक मा रहय कि देखव ऊ
सबत के दिन चंगा करत हय कि नाहीं। [8]मगर ऊ
उनके विचारु जानत रहय यही तई ऊ सूखे हाथ
वाले मनई ते कहिस उठव बीच मां खड़े हुवय ऊ
उठि खड़ा भवा।
[9]भीर उससे कहिन हम तुमते यहु पूछित है कि
सबत केर दिन का उचित है भला करब या बुरा करब
परान का बचाउव या नासु करब।
[10]अउर ऊ चारिउ ओर देखि कय उन सबन केर
ऊ मनई से कहिस आपन हाथ बढ़ाउ ऊ अइसन
कहिस अउर वहिका हाथ फिर चंगा होइगा। [11]मगर
उइ आपे से बाहर होइ कय आपस मां बहसे लागय
कि हम यीसु के साथ का करीं।

बारह चेलवन केर नमवा

[12]अउर उई दिनन मां ऊ पहारु पर पराथना करय
के तई निकरा अउर परमेसुर से पराथना करय मा सारी
रात बिता दिहिस। [13]जब दिन भवा तव ऊ अपने
चेलन का बुलायकय बारह उनमा ते चुनि लिहिस
अउर उनका परेरितन कहिस। [14]अउर उइ ई आय
समौन जेहिका नाम ऊ पतरस रखिस अउर वहिका
भाई अन्द्रियास अउर याकूब अउर यहुन्ना अउर
फिलिप्पुस अउर बरतुलमै। [15]अउर मत्ती अउर थोमा
अउर हलफई केर बेटवा याकूब अउर समौन जउन
जेलोतेश कहावत रहय। [16]अउर याकूब का बेटवा
अउर यहूदा इस करियोती जउन वहिका पकरावत
वाला बना।

आसीस अउर अभिसाप

[17]तब ऊ उनके साथे उतरिकय चौरस जगह मा
खड़ा भवा अउर वहिके चेलन केर बड़ी भीड़ अउर
सारे यहूदिया अउर यरुसलेम अउर सूर अउर सैदा
के समुंदर के किनारे के लोग जउन वहिकी सुनय
अउर अपनी बीमारिन से चंगा हुवय के तई आये
रहय हुवां रहय। [18]अउर दुस्ट आतमन केर सताये
लोग भी अच्छे कीन जात रहय। [19]अउर सब वहिका
छुवय का चाहिन काहे ते वहिमा से सामरथ निकरि
कय सब का चंगा करत रहय।
[20]जब ऊ अपने चेलन की तरफ देखिकय कहिस
धन्य हौ तुम जउन दीन हैं काहे ते परमेसुर का राज
तुरतय आय।
[21]धन्य हौ तुम जउन अब भूखे हैं काहे ते तिरप्त
कीन जइहैं धन्य है तुम जउन अब रोवत है हाके ते
हसि हव।
[22]धन्य हौ तुम जउन मनई के बेटवा के कारन
लोग तुमते बैर करिहय अउर तुमका निकारि देहयं
अउर तुमरी निन्दा करि हयं अउर तुमरा नाम बुरा
जानिकय काटि देहयं।
[23]उइ दिन खुसी होइ कय उछलेव काहे ते देखव
तुमरे तई सरग मा बड़ा परतिफल है। उनके बाप–दादे

भविसवकतन के साधे वइसन कीन करत रहय।
24मगर हाय तुम पर जउन धनवान होय काहे ते
तुम अपनी सान्ती पाय चुके हव।
25हाय तुम पर जउन अब तिरपत हव काहे ते भूखे
होइहव, हाय तुम पर जउन हंसत हव काहे ते सोक
करिहव अउर रोईहव।
26हाय तुम पर जब सब मनई तुमका भला कहयं
काहे ते उनके बाप–दादे झूठे भविसावकतन के साथे
अइसनय कीन करत रहय।

दुसमनों ते पियार

27मगर हम तुम सुनय वालेन से कहित है कि
अपने बैरिन ते पिरेम रखव जउन तुमको बैर करय
वहिका भला करव। 28जउन तुमका सराय दियय
वहिका असीसु दियय, जउन तुमार आपमानु करय
वहिकी तई पराथना करव। 29जउन तुमरे एक गाल पर
थप्पर मारय वहिकी तरफ दुसरौ कयि दियव अउर
जउन तुमारि दोहर छीन लियय वहिका कुरता लियय
से भी न रोकब। 30जो कोई तुमते मांगय वहिका
दियव अउर जउन तुमते वस्तु छीन लियय वहिते न
मांग। 31अउर जइसन चाहत हौ कि मनई तुमरे साथे
करय वइसनय तुम उनके साथे करव।
32अगर तुम अपने पिरेम रखय वालेन ते पिरेम
किहेव तौका बड़ाई काहे ते पापी भी अपने पिरेम
रक्खै वालेन से पिरेम रखत हय। 33अउर अगर तुम
आपनि भलाई करय वालेन का भला करत हव तौ
तुमारि का बड़ाई काहे ते पापी भी अइसनय करत है।
34अउर अगर तुम उनका उधार दियव जिनसे पावय
केर आसा राखत हौ तौ तुम्हारि का बड़ाई काहे से
पानी पापियन का उधार दियत है काहे ते वतनय फिर
पावय। 35वरन अपने सतरुअन ते पिरेम रखय अउर
भलाई करव, अउर फिर पावय की आस न रखिकय
उधार दियव अउर तुमरे तई बड़ा फल होई अउर तुम
परम परधान केर सन्तान ठहरिहव काहे ते ऊ पर
जउन धन्यवादु नाहीं करत है। अउर बुरन पर भी
किरपालु हय। 36जइसन तुमार बाप दयावान है
वइसनय तुमहूं दयावान बनव।

दूसर परे आरोप

37दोसु मत लगाऊ तौ तुम पर दोसु न लगाव जाई
दोसी न ठहराऊ तौ तुमहूं दोसी न ठहराये जइहौं
माफु करव तौ तुमहूं माफु कीन जइहौं। 38दीन करब
तौ तुमहूं का दीन जाई लोग पूरा नाप दबाय–दबाय
कय अउर हिलाय–हिलाय कय अउर उमरता हुआ
तुमरी गोद मां डारय काहे ते जउन नाप से तुम नापत
हव वहिते तुमरी तई नापा जाई।
39फिर ऊ उनसे एक दिरिस्टान्त कहिस का अन्धा
अन्धे का मारगु बताय सकत है? का दुनव गड़हा मा
न गिरिहय? 40चेला अपयं गुरु ते बड़ा नाहीं मगर
जो कोई सिद्ध होई ऊ अपने गुरु के समान होई।
41तुम अपने भाई की आंख का तिनका काहे
देखत हव अउर अपरी आंख का लट्ठा तुमका नाहीं
सूझत हय? 42जब तुमका अपनी आंख का लट्ठा
नाहीं सूझत है तो अपने भाई ते काहे कहत हौ कि
हे भाई ठहर जाव तुमरी आंख कै तिनका निकारि देई।
हे कपटी पहिले अपनी आंख से लट्ठा निकाल तौ
जउन तिनका तुमरे भाई की आंख मां हवैं अच्छी
देखिकय निकारि पइहव।

एक बिरवा अउर उईके फल

43कोई अच्छा बिरवा नाहीं जउन बुरा फलु लावय
अउर न तो कोई निकम्मा बिरवा है जउन अच्छा फल
लावय। 44हर एकु बिरवा अपने फल ते पहिचाना
जात है काहे ते लोगु झाड़िन ते अंजीर नाहीं तूरत
अउर न झरबेरी ते अंगूर। 45भलामानुस अपने भले
मन के भन्डार ते भली बातय निकारत है काहे ते
जउन मन मा भरा हवै वहे मुंह पर आवत हय।

बुद्धिमान अउर बेवकूफ घरवा केर बनावै वाला

46जब तुम हमार कहा नाहीं मानत हव तौ काहे
हमका हे परभु हे परभु कहत हव। 47जऊन कउनों
हमरे पास आवत है अउर हमरी बातय सुनिकय
उनका मानत है हम तुमका बताइत है ऊ केहिके
समान हवै। 48ऊ उइ मनई केर समान है जउन घर
बनावत बखत गहरी जमीन खोदि कय चट्टान पर
नींव डारिस अउर जब बाढ़ आई तौ धारा उइ घर
से लागि मगर हिलाय नाहीं पाइस काहे ते ऊ
पक्का बना रहय। 49मगर जउन सुनि केर नाही
मानत है ऊ उई मनई केर समान है जउन माटी
पर बिना नींव केर घर बनाइस जब वहि पर धारा
लागि तौ ऊ तुरन्तय गिर परा। अउर ऊ गिरकय
सत्यानासु होइगा।

सूबेदारन केर बिसवासु

7 जब ऊ लोगन का अपनी सगरी बातय सुनाय
चुका तब ऊ कफरन हूम मां आवा। 2अउर
कउनउ सैनिक अधिकारी जउन वहिका दासु जउन
पिरिय रहय बीमारी ते मरय पर रहय। 3ऊ यीसु केर

चरचा सुनिकय यहूदिन केर कई पुरनियन का वहितै यह विनती करय ऊ केर पास भेजिस आय कै हमरे दास का चंगा करय। 4उइ इसू के पास आयकय बड़ी विनती किहिन अउर कहय लाग कि ऊई योग्य है कि तुम वहिके तई यहु करव। 5काहे ते ऊ हमरी जाति से पिरेम रखत है अउर बहय हमरे आराधनालय का बनवाइस हय। 6यीसु उनके साथे चला पर जब ऊ उइ घर से दूरि नाहीं रहय तौ सैनिक केर सूबेदार अपने दोस्तन से वहिका कहलाय भेजिन कि हे परभु दुख न उठाउ काहे ते हम ई जोगु नाहीं हन कि तुम हमरी छत के नीचे आऊ। 7यही कारन हम अपने आप का ई लायक भी नाहीं समझेन कि तुमरे पार आई। पर वचन ही कहि दियव तौ हमार सेवकु चंगा होई जाइ। 8हमहूं पराधीन मनई हइँ अउर सिपाही हमरे हाथ मां हैं। अउर जब एक का कहित है कि जाव तौ ऊ जात है अउर दूसरे से कहित है कि आउ तो ऊ वहिका करत है।

9यू सुनिकय यीसु अचरज किहिन अउर उसने मुंह फेरि कय उइ भीड़ ते जउन उनके पीछे आवत रहय कहिन हम तुमते कहित है कि हम इसराएल मा भी अइसन विसवासु नाहीं पायेन। 10अउर भेज भये लोग घर लौटि कय उइ दास का चंगा पायेन।

यीसु विधवा औरत केर बेटावा कइसेनि किहिन जीवित

11थोड़े दिन के बाद ऊ नईम नाम के एक नगर मा गवा अउर वहिके चेले अउर भीड़ वहिके साथ मा जात रहय। 12जब ऊ नगर के फाटक के पास पहुंचा तो देखव लोग एक मुरदे का बाहर लिहे जात रहय जउन अपनी महतारी का इकलौता बेटवा रहय अउर वह विधवा रहय अउर नगर के बहुत लोग वहिके साथे रहय। 13वहिका देखि कय परभु का बड़ा तरस आवा अउर उहिसे कहिन कि मत रोउ। 14तब ऊ नेरे आयकय अरथी क छुइस अउर उठावय वाले रुकि गै तब ऊ कहिस हे जवान हम तुमते कहित है कि उठव। 15तब ऊ मुरदा उठि कय बइठा अउर बोलय लाग अउर ऊ वहिका उनकी महतारी का सौंप दिहिस।

16यहिते सब डेराय गे अउर उइ परमेसुर के बड़ाई करिकै कहय लाग कि हमरे बीच मां एक बड़ा भविसवकता उठा है अउर परमेसुर अपने लोगन पर बड़ी किरपा दिरिस्टि किहिन। 17अउर वहिके बारे में यह बात सारे यहूदिय अउर आस–पास के सगरे देस मां फैलि गवा।

यीसु अउर यहुन्ना बपतिसमा देवे वाला

18अउर यहुन्ना का वहिके चलेन नेई सब बातन का समाचारु दिहिन। 19तब यहुन्ना अपने चेलन मइ से दुइ का बुलाय कय परभु के यू पूछय केतई भेजिस कि का आवय वाल तुमहिन अव या हम दुसरै केर बाट जोखी।

20उई ऊ के पास आयकय कहिन यहुन्ना बपतिसमा दियय वाले हमका तुमरे पासे यू पूछय के तई पढ़ाइन हैं कि का आवय वाले तुम ही हो या दुसरे के रासता देखयं।

21वही घरी ऊ बहुतन की बीमारी अउर पीड़ा अउर दुस्ट आतमन से छुड़ाइस अउर बहुत से अन्धन का आंखी दिहिस। 22अउर ऊ वहिते कहिस जउन कुछ तुम देखेव अउर सुनेव है जाय कय यहुन्ना से कहि दियव कि आंधर देखत हैं लंगड़ा चलत है कोढ़ी सुद्ध कीन जात है बहिरे सुनत हैं मुरदा जिन्दा कीन जात है अउर कंगालन का खुसखबरी सुनावा जात है। 23अउर धन्य है ऊ जउन हमरे कारन ठोकर न खाय।

24जब यहुन्ना के भेजे गये लोग चल दिहिन तौ यीसु यहुन्ना के बारे मां कहय लाग कि तुम जंगल मां का देखय गये रहव का हवा से हालत हुए सरकन्डेन का। 25तौ फिर तुम का देखय गये रहव का कोमल कपड़ा पहिने भये मनइन का देखव जउन भड़कीला कपड़ा पहिनत है अउर सुख–विकास ते रहत है उइ राज भवनन मां रहत हैं। 26तौ फिर का देखय गये रहेव का कउनेउ भविसवकता का हां हम तुमते कहित है वरन भविसवकता से भी बड़े को। 27यू वहय हय, जेहिके बारे मा लिखा हवै कि देखव हम आपन दूत कइहन आगे–आगे भेजित है जउन तुमरे आगे मारगवा सीध करी। 28हम तुमते कहित आय जउन औरतन सइहन से जनमें है उनमा ते यहुन्ना से बड़ा कउनऊ नाहीं पर जउन परमेसुर के राज मां छोटे से छोट है ऊ वहिते भी बड़ा है।

29अउर सब साधारन मनइ सुनिकय अउर चुंगी लियय वाले यहुन्ना केर बपतिसमा लय कब परमेसुर के मान लिहिन। 30पर फरीसी अउर, बेवस्थापकन ने वहि से बपतिसमा न लयकय परमेसुर केर मनसा का अपने बारे मां बेकार कर दिहिन।

31तौ हमई जुग के लोगन की उपमा केहिते देई कि उइ केहिके समान हवै। 32उई उन बालकन केर समान हवै जउन बाजार मा बइठे हैं अउर कहत हैं।

कि हम तुमरे तई बांसुरी बजायेन अउर तुम ना नाचेव हम विलाप किहेन अउर तुम ना रोयेव।

33काहे ते यहुन्ना बपतिसमा दियय वाला न रोटी
खात आवा न दाख रस पियत आवा अउर तुम कहत
हौ कि वहिमा दुस्ट आतमा हवै। 34मनई का बेटवा
खात–पियत आवा है अउर तुम कहत हौ देखव पेटू
अउर पियक्कड़ मनई चुंगी लियय वालेन का अउर
पापिन का दोस्त हवै। 35पर ज्ञान अपनी सब सन्तानन
से सांचु ठहरावा गवा है।

यीसु पापिन औरत कइहन माफु दीन

36फिर कउनउ फरीसी वहिते विनती किहिस कि
हमरे साथे भोजन करै सो वहु ऊ फरीसी के घर जाय
कय भोजन करय बइठ। 37अउर देखव उइ नगर कै
एकु पापिन औरत यू जानिकय कि ऊ फरीसी केर घर
मा भोजन करय बइठ है, संगमरमर के बरतन मां इतर
लाई। 38अउर वहिके पावन केर पासे पीछे ठार होइकै
रोवत भये वहिके पावन का आंसू बन सइहन से
भिगोवय अउर अपने सिर के बारन से पोछय लागि
अउर वहिके पांव बार–बार चूमि कय वहि पर इतर
मलिसि।

39यहु देखि कय बहुते फरीसी अउर वहिका
बुलाइस रहय अपने मन मा सोंचइ लाग यदि यहु
भविसावकता हुवत तौ जान जात कि यहु जउन
वहिका छुवत हवै वह कउन अउर कइसन औरत हवै
काहे ते वह तौ पापनि आय।

40यू सुनिकय यीसु वहिके जवाबु मा कहिन कि
हे समौन हमका कुछ तुमते कहय का है, ऊ बोला
हे गुरू कहव।

41कउनउ महाजन केर दुइ देनदार रहय एक पांच
सौ अउर दूसर पचास दीनार धरता रहय। 42जबकि
उनकेर पास लौटावय तई कछू नाहीं रहय, तौ ऊ दूनौ
कइहन माफु कर दिहिस, सौ उनका से कउन अधिक
पिरेम रखी?

43समौन जबाबु दिहिन हमरी समझ मा ऊ जेहिका
ऊ अधिक छोड़ि दिहिस ऊ औसे कहिस तुम ठीक
विचार किहेव हे।

44अउर उई औरत की तरफ फिर मय ऊ समौन
से कहिस का तुम ई औरत का देखत हव हम तुमरे
घरमा आयेन मगर तुम हमरे पांव धोवय का पानी
नाहीं दिहेव पर यहु हमरे पांव आंसुवन ते भिगोइस
अउर अपने बारन ते पोंछिस। 45तुम हमका चूमा
नाहीं दिहेव मगर जबते हम आयेन हैं तब ते यह हमरे
पांवन का चूमय नाहीं छोड़िस। 46तुम हमरे सिर पर
तेल नहीं मलेव मगर यह हमरे गोड़वा पर इतर
मलिसि है। 47यही तई हम तुमते कहित है कि कह
यहिके पाप जउन बहुत रहय माफु होइगे काहे ते यह
बहुतय पिरेम किहिस पर जेहिका थोड़ा माफु भवा है
ऊ थोड़ा पिरेम करत हवै।

48अउर ऊ औरत ते कहिस कि तुमरे पाप माफु
भवा है ऊ थोड़ा पिरेमे करत हवै।

49तब जउन लोग वहिके साथे भोजन करय बइठ
रहय उइ अपने मन मां सोचय लागि कि यू कउन हवै
जउन पापिन का भी माफु करत हवैं।

50पर ऊ औरत ते कहिस तुमरे विसवासु ने तुमका
बचाय लिहिस कुसल से चली जाव।

बीज बोने वालेन केर दिरिस्तान्त

8यहि के बाद ऊ नगर–नगर अउर गांव–गांव
परचारु करत अउर परमेसुर के राज का खुसखबरी
सुनावय लाग। 2अउर उइ बारह वहिके साथे रहय
अउर केतानिउ औरतें जउन दुस्ट आतमन से अउर
बीमारिन ते छुड़ाई गई रहय अउर उई ई आय मरियम
जउन मगदलीनी कहावत रहय जेहिमा ते सात दुस्ट
आतमाएं निकरी रहय। 3अउर हेरोदेस केर भन्डारी
खोजा केर मेहरिया यहुन्ना अउर यहुन्ना अउर बहुत
सारी मेहरिया ई तौ अपनी सम्पत्ति से वहिकी सेवा
करति रहय।

4जब बहुत भीड़ इकट्ठी भई अउर नगर–नगर केर
लोग वहिके पास आवत रहय तौ ऊ एकु उदाहरनु
मा कहिस। 5कि एक बोवय वाला बीज बोवय
निकरा बोवत भये कुछ बीज मारग केर किनारे गिरे
अउर रौंदा गवा अउर आकास केर पंछी लोग वहिका
चुन लिहिन। 6अउर कुछ चट्टान पर गिरा अउर
उपजा मगर तरी न पावय से सूखि गवा। 7कुछ
झाड़िन केर बीच मां गिरा अउर झाड़ी साथ–साथ
बढ़िकय वहिका दवाय लिहिन। 8अउर कुछ अच्छी
जमीन पै गिरा, उगिकय सौगुना फल पाइस यु
कहिकय ऊ ऊंचे सब्दन मा कहिस जेहिक कान हुवय
वहु सुन लियय।

9वहिके चेला उहिते पूछिन यहु दिरिस्टान्त का है
ऊ कहिस। 10तुमका परमेसुर केर राज केर भेदन केर
समझ दीन गय है पर औरन का दृस्टान्तन मां सुनावा
जात हे यहिकी तई कि उई देखत भये नाहीं देखत
हे अउर सुनत भये नाहीं समझत हवै।

11दिरिस्टान्त ई है बीजु तौ परमेसुर केर बचनु
आय। 12मारग केर किनारे उई आय जउन सुनिन तव
सैतान आयकय इनके मन ते बचन उठाय लय जात
है कि कहूं अइसन न हुवय कि उइ बिसवासु करिकय
उद्धार पावइ। 13चट्टान पर केर उई अहीं कि जब उई

सुनत है तौ आनन्द से बचन का गरहन करत हैं मगर जड़न पकरे तो उई थोड़ी देर बिसवासु करत है अउर परिच्छा केर समय वहकी जात है। 14जउन झाड़िन मा गिरा तउन की अही जउन सुनत है मगर दुवत–दुवत चिन्ता अउर धन अउर जीवन केर सुख अउर बिसवासु मां फसि जात है। 15पर अच्छी जमीन मइके उइ है जउन वचन सुनिकय भले अउर उत्तम मन मां सम्हारे रहत है अउर धीरज से फल लावत है।

दिया दिवट पै

16कोई दिया बारि केर बरतन से नाहीं छिपावत है, अउर न खटिया केर नीचे रखत है। मगर डीवट पै रखत है कि भीतर आवय वाले परकास पावय। 17कुछ छिपा नाहीं जउन परगट न हुवय अउर न कुछ गुप्त है जउन जाना न जाय अउर परगट न हुवय। 18यहिते चौकस रहेव कि तुम कउनी रीति ते सुनत हौ काहे ते जेहिके पास हवै वही का अउर दीन जाई अउर जेहिके पास नाहीं है वहिते बहव लै लीन जेहिका ऊ आपन समझत है।

यीसु केर भाई अउर महतारी

19वहिकी महतारी अउर भाई वही केर पास आए मगर भीड़ केर कारन वहिते भेंटे नाहीं करि सकय। 20अउर वहिते कहा गवा कि तुम्हारि महतारी अउर तुमार भाई बाहर खड़े हवैं, उई तुमते मिला चाहत हवं।

21ऊ वहिके जवाबु में वहिते कहिस कि हमार महतारी अउर हमार भाई इनहिन आप जउन परमेसुर क वचन सुनत अउर मानत है।

यीसु तूफान कइहन सान्त किहिन

22फिर एक दिन ऊ अउर वहिके चेला नाव पर चढ़े अउर ऊ वहिते कहिस कि आऊ झील केर पार चलें सो उइ नावै खोलि दिहिन। 23पर जब नाव चलत रहय तब वहु सोइ गवा, अउर झील पर आंधी आई अउर नाव पानी ते भरे लागि, अउर उइ जोखिम मा रहय।

24तब उइ नेरे आइकय वहिका जगाइन अउर कहिन सुवामी हम नासु हुंवे जाइत है।

तब उई उठिकय पानी की लहरन का डांटिस अउर ऊ थमि गै अउर चैन हुइ गै। 25अउर उई वहिते कहिस तुमार विसवासु कहां रहय, पर उई डेराय गय अउर अचम्भित होइकै आपसु मा कहै लागि। यु कउन हवै कि जउन अचरज आंधी अउर पानी का भी आग्या दियत हवै। अउर उई वहिकै मानत है।

दुस्ट आतमवा सइहन यक मनइ कइहन नीक किहिन

26फिर ऊ गिरा सोनियों केर देस मां पहुंचे, जउन उई पार गलील केर सामने रहय, 27जब उई किनारे पर उतरा तब उई नगर का एक मनई वहिका मिला जेहिमा दुस्ट आतमाएं रहयं। अउर बहुत दिन से न कपड़ा पहिनत रहय न घर मा रहत रहय। वरन् कबरन मा रहा करत रहय। 28वहु यीसु का देखि कय चिल्लानु अउर वहिके सामने गिरि कय ऊंचे सबदन मां कहिस, हे परम परधान परमेसुर केर बेटवा, यीसु हमका तुमते कउन काम हम तुम्हार विनती करित है कि हमका पीरा न दिहेव। 29काहे ते उई दुस्ट आतमा का उई मनइन मा ते निकरय केर आग्या दियत रहय, ई की तई ऊ बार–बार वहिके ऊपर परबल हुवत रहय।

30यीसु वहिते पूछिन तुमार का नाम है ऊ कहिस सेना काहे से दुस्ट आतमाएं उहिमा पैठि गये रहयं। 31अउर उई उससे विनती किहिस कि हमका अथाह गड़हा मां जाये का आग्या न दिहेव।

32हुवां पहारु पर सुअरन केर एक बिसाल झुन्ड चरत रहय, सो उइ विनती किहिन कि हमका उनका पैठे दियव ऊ उनका जाए दिहिस।

33तब दुस्ट आतमांए उइ मनई ते निकरि कय सुअरन मां गई अउर ऊ झुंड करारे पर ते झपट केर झील मे जाय गिरा।

34चरवाहे यू जउन भवा देखिकय भागे, अउर नगर मां गांवन मा जायकै वहिका समाचार कहिस। 35अउर लोग जउन भवा रहै वहिका देखिकय निकरे अउर यीसु केर पास आय कय जउन मनई ते दुस्ट आतमांए वहिका यीसु केर पांवन केर नेरे कपड़ा पहिने अउर सचेत बैठ पय केर डेराय गये। 36अउर देखय वाले उनका बताइन कि ऊ दुस्ट आतमा का सतावा गवा मनई की मेर अच्छा भवा हय। 37तब गिरासेनियों केर आसपास केर सब लोग यीसु ते विनती किहिन कि हमरे हियां ते चले जाओं, काहे ते ऊ बहुतै डेराय गय सो उइ नाव पर चढ़िकय लौटि गवा।

38जउन मनई से दुस्ट आतमांए निकरी रहै ऊ वहिते विनती किहिस कि हमका अपने साथ रहय दियेव, मगर यीसु वहिका विदा करकिय कहिन। 39अपने घर का लौटि जाव, अउर लोगन ते कहि दियव कि परमेसुर तुमरे तई कितने बड़े–बड़े काम किहिन हयं, ऊ जाय कय सारे नगर मां परचार करै

लागि। कि यीसु हमरे तइ कितने बड़े–बड़े काम किहिन।

बीमार औरत अउर मरी हुयी लड़की कइहन नीक किहिन

40जब यीसु लौटत रहै तब लोग वहिते आनन्द से मिले, काहै से ऊ सब वहिकी रास्ता देखत रहयं। 41 अउर देखव याईर नाम का एकु मनई जउन आराध नालय का सरदार रहय आवा, अउर यीसु केर पावन पर गिरि कय विनती करय लागि कि हमरे घर चलव। 42काहे ते वहिके बारह बरस कै एक बिटिया रहय अउर वह मरय पर रहय जब ऊ जात रहय, तब लोग वहि पर गिरै परत रहय। 43अउर एक औरत जेहिके बारह बरस ते लोहू बहे केर बीमारी रहय अउर जउन अपनी सारी जीविका वैदन केर पीछे खरच कर चुकी हरय। तवौ कउनेउ हाथन से चंगी नाई भय। 44पीछे से आय कय वहिके कपड़ा का आंचरू छुइसि अउर तुरंतय वहिका लोहू बन्द होइगै।

45यहि पर यीसु कहिन हमका को छुवा जब सब मुकरै लाग तौ पतरस अउर वहिके साथी कहिन हे सुवामी तुमका तौ भीड़ दबाय रही हय अउर तुम पर गिरि परत हय।

46मगर यीसु कहिन कोई हमका छुइस है काहे ते हम जानि लिहिन है कि हममा से सामरथ निकरी हय।

47जब औरत देखिस कि हम छिप न पइबै कापति भय आई अउर वहिके पावन पर गिर कय सब लोगन के सामने बताइस कि हम कउनके कारन से तुमका छुएन कैसन तुरंतय ठीक होइगै। 48ऊ उससे कहिस बेटी तोहार विसवासु तुमका चंगा किहिस। कुसल से चली जाओ।

49यहु कहतय रहय कि कउनउ आयकय आराधनालय केर सरदार केर हियां आय कय कहिस तुमार बिटिया मरि गय, गुरु का दुख न दियव।

50यीसु यहु सुनिकय वहिका जवाबु दिहिन मत डेराव केवल विसवासु रखव तब वह बचि जाई।

51घर मा आय कय ऊ पतरस अउर यहुन्ना अउर याकूब अउर लड़की केर महतारी बाप को छोड़ि कय अउर कोई का अपने साथे भीतर आवे नाहीं दिहिस। 52अउर ऊ सब वहिकी तई रोवत पीटत रहय मगर वहु कहिस रोवउ न वा मरी नाहीं हय वा सोवत है।

53उई यू जानिकय कि मरि गई है वहिकी हंसी करन लागि। 54मगर ऊ वहिका हाथ पकरिस अउर पुकारि कय कहिस हे लड़की उठ। 55तब वहिके परान फिर आए अउर वा तुरन्तय उठि गय। फिर ऊ आग्या दिहिन कि ईका कुछ खाये का दीन जाय। 56वहिके महतारी बाप चकित भये। मगर ऊ उनका चिताइस कि यू जउन भवा हे कहू ते कहेव ना।

यीसु बारह चेलवन कईहन भेजिन

9फिर उइ बारहौं का बुलाई कय उनका सब दुस्ट आतमा अउर बीमारी दुर करय की सामरथ अउर अधिकार दिहिन। 2अउर उनका परमेसुर की राज का परचार करे अउर रोगी बीमारन का अच्छा करय केतई भेजिन। 3अउर ऊ उनसे कहिस कि मारग तई कुछ न लिहेव न लाठी न झोरी न रोटी न दुई–हुई कुरता। 4अउर जउने घर मा उतरेव हुवयं रहेव, अउर हुंवय से विदा हुएव। 5जो कोई तुमका गरहन न करै उइ नगर से निकरत भय अपने पावन क धूरि झार डारवे काहें ते उन पर गवाही होय। 6सो उइ निकरि कय गांव–गांव खुसखबरी सुनावत अउर हर कहूं लोगन का चंगा करत फिरत रहय।

7अउर देस की चौथाई का राजा हेरोदेस यू सब सुनि कय घबराय गवा। काहे ते कितनेव कहिन कि यहुन्ना मरे हुएन मई से जी उठा हय। 8अउर कितने यू कि एलियाह दिखाई दीन है अउर अउरन यूं कि पुराने भविसवकतन मइ से कउनउ जी उठा हय। 9मगर हेरोदेस कहिन कि यहुन्ना का सिर तो हम कटवायेन रहय अब यू कउन है। जेहिके बारे मा अइसन बातय सुनित हय अउर ऊ वाटिका देखय की इच्छा किहिस।

यीसु पांच हजार मनइन कइहन भोजन खिलाइन

10फिर न परेरित लौटिन आऊर जउन कछु उई किहिन रहय वहिका बताएन अउर ऊ उइ का अलग करि कय वैतसैदा नाम एक नगर मा चलगे। 11यू जानिकय भीड़ वहिके पीछे हुइ लिहिस। अउर ऊ आनन्द केर साथ वहिते मिला अउर उनसे परमेसुर केर राजकी बातय करै लाग अउर जउन चंगे हुआ चाहत रहय उनका चंगा किहिस।

12जब दिन ढलै लाग तब बारहौ आयकय वहिते कहिन की भीड़ का विदा करौ कि चारेव ओर गांव मां जायके टिकय अउर भोजन केर बेवस्था करय काहे ते हम इहां सुनसान जगह मा हन।

13ऊ वहिते कहिस तुमहिन इनका खायका दियउ, उई कहिन हमरे पास पांच रोटी अउर दुई मछरी का छोड़ि कय अउर कुछ नाहीं, यदि हम जायकय इन सब लोगन तई भोजन मोल लेई मा हुई सकत है।

उइ लोग तौ पांच हजार पुरुसन केर लगभग रहयं।
14तब ऊ अपने चेलन से कहिन उनका पचास—पचास
करिककय पांती—पांती बैठा दियउ। 15उइ अइसनय
किहिन, अउर सबका बैठाइ दिहिन। 16तब ऊ पांच
रोटी अउर दुई मछरी लिहिस अउर सरग की तरफ
देखि कय धन्यवादु किहिस, अउर तूरि—तूरिकय
चेलन का दियय लागि कि लोगन का परसव। 17सो
सब खाइकय तिरपत होई गय। अउर बचे भये टुकरन
से बारह टोकरी भरि कय उठाइन।

परतरस केर परभु कइहन मसीह मानीन

18जब ऊ एकान्त मा पराथना करत रहय अउर
चेला वहिके साथे रहयं तौ ऊ उनसे पूछिस कि लोग
हमका का कहत है।

19उइ उतर दिहिन यहुन्ना बपतिसमा दियय वाला
अउर कोई—कोई एलिय्याह और कोऊ यू की पुराने
भविसवकतन मई से कउनउ जी उठा।

20ऊ वहिते पूछिस मगर तुम हमका का कहत हौ,
पतरस जवाबु दिहिस परमेसुर का मसीह।

21तब ऊ उनका जिलाय केर कहिस कि यू कोई
से न कहय। 22अउर ऊ कहिस मानव बेटवन की तई
जरूरी हवै कि ऊ बहुत दुख उठावै अउ पुरनिया
अउर महायाजक अउर सास्त्री वहिका तुच्छ समझ
कय मार डारय अउर ऊ तिसरे दिन जी उठय।

23ऊ सबते कहिस अगर कोई हमरे पीछे होई
लिए। 24काहे ते जो कोई आपन परान बचाई ऊ
वहिका खोई, अउर जो कोई हमरे तई आपन परान
खोई ऊ वहिका पाई। 25यदि मनई सारे संसार का
पाय जाय अउर आपन परान खोई दिये या
वहिकी हानि उठावै तौ वहिका लाभु हवै। 26जो
कोई हमसे अउर हमरे बातन से लजाई मनई का
बेटवा भी जउन अपनी अउर अपने बाप की अउर
पवित्तर सरग दूतन की महिमा सहित आई तौ
वहिसे लजाई। 27हम तुमते सांचु कहित हय कि
जब तक परमेसुर का राज देख न लियव तब तक
मिरतू को पराप्त न होईहौ।

आतमिक बदलाव

28इन बातन केर कोई आठ दिन बाद ऊ पतरस
अउर यहुन्ना अउर याकूब का साथे लइकै पराथना
करय केर तई पहारु पर गवा। 29जब ऊ पराथना करत
रहय तौ वहिके चेहरे का रूप बदलि गवा, अउर
वहिका कपड़ा उज्जर होइके चमकै लागि। 30अउर
देखव मूसा और एलिय्याह ई दुइ मनई वहके साथे
बातै करत रहय। 31उई महिमा सहित दिखाई दिहिन
अउर वहिके मरय की चरचा करत रहय जउन
यरुसलेम मा हुवय वाला है। 32पतरस अउर वहिके
साथी नींद से भरे रहय अउर जब अच्छी तरह सचेत
भये तौ वहिकी महिमा अउर उई दुई मनई का जउन
उ साथे खड़े रहय देखिन। 33जब उइ वहिके पास
से जाय लागि तौ पतरस यीसु ते कहिन है सुवामी
हमार हियां रहय भला हवै सो हम तीन झोपड़ी
बनाइत हवय एक तुमरी तई एक मूसा तई अउर एक
एलिय्याह तई ऊ जानत नहीं रहय कि का कहत है।

34ऊ यू कहतय रहय कि एक बादल आय कय
उनका छाय लिहिस अउर जब उइ बादर से घिरय
लागि तौ डेराय गै। 35अउर उइ बादर मइते यहु सब्द
निकरा कि हमार बेटवा अउर हमार चुना हुवा है यहि
की सुनव। 36ई सब्द होतय यीसु अकेले पाए गये
अउर उइ चुप रहे अउर जउन कुछ देखिन रहय
वहिकी कोई बात उइ दिन कोई ते नाहीं किहिन। यक
लइकवा कइहन नीक किहिन बुरी आतमा सइहन।

एकु लइका म ते दुस्टआतमा ते चंगाई

37अउर दुसरे दिन जब उइ पहारु ते उतरे तौ एकु
बड़ी भीड़ वहिते आय मिली। 38अउर देखव भीड़
मइ ते एक मनई चिल्लाय कय कहिस हे गुरू हम
तुमते विनती करित है कि हमरे बेटवा पर किरपा करव
काहे ते ऊ हमार इकलौता है। 39अउर देखव एक
दुस्ट आतमा वहिका पकरत है अउर ऊ एका एक
चिल्ला उठत है अउर ऊ वहिका अइसन मरोड़त है
कि ऊ मुंहि मा फेन भर जावत है अउर वहिका
कुचलि कय कठिनाई से छोड़त हय। 40अउर हम
तुमरे चेलन ते विनती किहेन कि वहिका निकारय
मगर उई नाहीं निकारि पाइन।

41यीसु जवाबु दिहिन अविसवासी अउर हठीले
लोगन हम कब तक तुमरे साथे रहब अउर कब तक
तुमारि सहब अपने बेटवा का हिंया लै आव।

42ऊ अउतय रहय कि दुस्ट आतमा वहिका पटकि
कय मरोरिस मगर यीसु दुस्ट आतमा का डांटिन अउर
बेटवा का अच्छा करिकय वहिके बाप का सौप
दिहिन। 43तब सब लोग परमेसुर की महा सामरथ ते
चकित भये। 44मगर जब सब लोग उई सब कामन
ते जउन ऊ करत रहय अचरज करत रहय तौ ऊ
अपने चेलन ते कहिस ई बातय तुमरे कानन मा पूरी
रहय काहे ते मनई का बेटवा मनई केर हाथ मा
पकरावा जाय का है। 45मगर उइ ई बात का नाहीं
समझत रहय यह उनसे छिपी रहय कि उइ वहिका

जानय न पावय अउर उइ ई बात केर बारे मां वहि से पूछत डेरात रहय।

कौनु बड़ा होये

[46]फिर उनका यू विवाद होय लाग कि हममा से बड़ा कउन है। [47]पर यीसु उनके मन केर विचारु जानि लिहिन अउर एकु बालक का लइकय अपने पास खड़ा किहिन। [48]अउर उनसे कहिन जो कोऊ बालक का गरहन करत है ऊ हमका ग्रहन करत है अउर जो कोई हमका गरहन करत है ऊ हमरे भेजय वालेन का गरहन करत है काहे ते जउन तुममें सबसे छोटू है वहै बड़ा है।

[49]तब यहुन्ना कहिन हे सुवामी! हम एकु मनई का तोहरे नाम से इनह दुस्ट आतमा निकारत देखेन अउर हम वहिका मना कीन काहे ते ऊ हमरे साथे होय कय तुमरे पीछे नाहीं होय लियत।

[50]यीसु उनसे कहिन वहिका मना मत करव काहे ते जउन तुमरे विरोध मा नाहीं ऊ तुमरी तरफ है।

समरियन केर विरोधु

[51]जब वहिके ऊपर उठावै जाय केर दिन हुवय पर रहय तौ ऊ यरुसलेम जाय कय विचारु पक्का किहिस। [52]अउर ऊ अपने आगे दूत में जिसवे सामरियों केर यक गांव मा गये कि वहिकी तई जगह तैयार करय। [53]मगर उइ लोग वहिका उतरय नाहीं दिहिन काहे ते ऊ यरुसलेम का जात रहय। [54]यू देखि कय वहिके चेला याकूब अउर यहुन्ना कहिन हे परभु का तुम चाहत है कि हम आग्या देई कि आकास से आग गिरकय उनका भसम कर दियय। [55]मगर उइ फिर कय डांटिन अउर कहिन का तुम नाहीं जानत हौ कि तुम कइसन आतमा केर हौ। [56]काहे ते मनई का बेटवा लोगन केर परान का नासु करय का नाहीं वरन बचावय केर तई आवाहै। अउर उइ कउनउ अउर गांव मां चले गये।

यीसु केर पाछे होये केर कीमत

[57]जब उइ मारग म जात रहय तौ कउनव वहिते कहिस कि जहां जहां जइहव हम तुमरे पीछे होय लेब।

[58]यीसु वहिते कहिन लोमड़ीन केर अउर आकास केर पंछिन का बसेरा हुवत है मगर मनई केर बेटवा का सिर धरय का भी जगह नाही है।

[59]ऊ दूसरे से कहिस हमरे पीछे होय लियव ऊ कहिस हे परभु हमका पहिले जाय दियव हम अपने बाप का गाड़ देई।

[60]ऊ वहिते कहिस मरे हुअन का आपन मुरदा गाड़य दियव पर तुम जाय कय परमेसुर केर कथा सुनाऊ।

[61]एकु अउर कहिस हे परभु हम तुमरे पीछे होय लेयब पर पहिले हमका जाय दियव कि अपने घर केर लोगन ते विदा होई आई।

[62]यीसु वहिते कहिन जो कोई आपन हाथ हम पै राखिकय पाछे देखत हय ऊ परमेसुर केर राज केर लायक नाहीं।

बहत्तर लोगन कौ यीसु भेजिस

10 अउर ई बातन केर बाद परभु बहत्तर अउर मनई ठीक किहिन अउर जउन नगर अउर जगह केर उका जाय का रहय हुओ उनका दुई–दुई करिकय अपने आगे भेजिस। [2]अउर उ वहिते कहिस पक्के खेत बहुत है मगर मंजूर थोरे है यही तई खेत कि मालिक से विनती करव कि उ आपन खेत काटय केर तई मजूर भेज दियय। [3]जाव दोव हम तुमक भेड़न की नाई भेड़ियन केर बीच भेजित ह। [4]ई लिए न बटुआ न झोली न जूते लिहेव अउर न मारग मा कोई का नमस्कार किहेव।

[5]जउनेक घरमा जायेव पहिले कहेव कि ई घर पर कल्यान होय। [6]यदि हुआ कोई कल्यान केर योग्य होई तो तुम्हार कल्यान वहि पर ठहरी नहीं तौ तुम्हारे पास लौटि आई। [7]बही घर मा रहव अउर जउन कुछ उनसे मिलय वहय खाव–पियव काहे से मंजूर का आपनि मंजूरी मिलय का चाही घर–घर न फिरेव।

[8]अउर जउन नगर मां जाये व अउर हुंवा केर लोग तुमका उतारय तौ जउन कुछ तुमरे सामने रखा। जाय वहय खाव। [9]हुवां के विमारन का चंगा करब अउर उनसे कहव कि परमेसुर का राज तुमरे नेरे आय पहुंचा है। [10]मगर जउन नगर मा जाव अउर हुंवा केर लोग तुमका गरहन न करय तौ बाजारन मां जाय कय कहव। [11]कि तुमरे नगर कि धूल भी जउन मेरे पावन मां लागि है हम झारे देइत है तबव यू सुनि लियत कि परमेसुर का राज तुमरे नेरे आय पहुंचा है। [12]हम तुमसे कहत है कि उई नगर की दसा सदोम कै दसा सहय लाक होई।

[13]हाय खुराजीन हाय वैतसैदा जउन सामरथ केर काम तुममा कीन गये यदि उई सूर अउर सैदा मा कीन जाती तौ टाट ओढ़ि कय अउर राख मा बैठिकय उई कब का मन फिरावत। [14]मगर न्याय केर दिन तुमरी दसा से सूर अउर सैदा केर दसा सहे योग्य होई। [15]अउर हे कफरनहूम का तुम सरग तक ऊँचे

कीन जइहव तुम तो अधोलोक तक नीचे जइहव।
16जउन तुमरि सुनत है ऊ हमरि सुनत है अउर
जउन तुम का तुच्छ जानत है ऊ हमका तुच्छ मानत
है अउर जउन हमका तुच्छ जानत है उई हमरो भेजय
वाले का तुच्छ जानत है।
17उई बहत्तर फिर आनन्द केर साथ आय कै कहय
लागि हे परभु तुमरे नाम से दुस्ट आतमा भी हमरे
वस मा है।
18वहु उनसे कहिस हम सैतान का बिजली की
नाई सरग से गिरा देख रहेन हय। 19देखव हम तुमका
साँपन अउर बिछुवन रौदय अउर दुसमन की सारी
सामरथ पर अधिकार दिहेन है। अउर कउनिउ वस्तु
से तुमका कुछू हानि न होई। 20तवौ यहिते खुसी न
हुवव कि आतमा तुमरे वस मा है मुला यहि से खुसी
हुवव कि तुमार नाम सरग मा लिखे हय।
21वही घड़ी उ पवित्तर आतमा मा होइ कय अनन्दु
से भरि गवा अउर कहिस हे वापु सरगु अउर धरती
केर परभु हम तुमार धन्यवादु करित है कि तुम इन
बातन का ग्यानिन अउर समझदारन से छिपाय रखेव
अउर बालक पर परगट किहेव हाँ हे बापन काहे से
तुमका यहय अच्छा लाग।
22हमरे बाप हमका सब कुछ सौंपि दिहिन अउर
कोई नाहीं जानत है केवल बेटवा केर अउर ऊ जेहि
पर बेटवा परगट करय चाहय।
23अउर चेतन की तरफ फिरकय निराले मा कहिस
धनि है उई आंखी जउन ई बातय जउन तुम द्याखत
ह देखती हय। 24काहे ते हम तुमसे कहित है कि
बहुत सारे कवि अउर राजा चाहिन कि जउन बातय
तुम देखत है देखय पर नाहीं देखिन अउर जउन
बातय तुम सुनत है सुनिन पर नाहीं सुनिन।

अनन्त जीवन केर परापति

25अउर देखव एक बेवस्थापक उठा अउर यू
कहिकय वहि की परिच्छा करय लाग कि हे गुरु
अनन्त जीवन का वारिस हुवय की तई हम का करी।
26वहु वहिसे कहिस कि बेवस्था म का लिखा है
तुम कइसन पढ़त है।
27वहु जवाबु दिहिस कि तुम परभु परमेसुर से
आपन सारे मन अउर सारे परान अउर आपन सारी
सक्ति केर साथे परेम रखव अउर अपने परोसी से
अपने समान परेम रखव।
28ऊ उससे कहिस तुम ठीक जवाबु दिहेव यहव
करव तौ तुम जीवित रहिहव।
29मगर उ अपनी तई धरमी ठहरावय की इच्छा से
यीसु से पूछिस तौ हमार कउन हे।
30यीसु जवाबु दिहिन कि एक मनई यरुसलेम से
यरीहो का जात रहय कि डाकू वहिका घेरिकय वहिके
कपड़ा उतरवाय लिहिन अउर मारपीट कय वहिका
अधमरा छोड़िकय चले गये। 31अउर अइसन भवा
कि वही मारग से एक याजक जात रहय मगर वहिका
देखिकय कतराय कय चला गवा। 32यही रीति से
एक लेवी वहि जगह पर आवा वहव देखिकय
कतरय कय चला गवा। 33मगर एक सामरी याली
हुआ आय निकरा अउरु वहिका देखिकय तरस
खाइस। 34अउर वहिके पास आय कय अउर वहि
केर धावन तेल अउर दाखरस ढालिकय पट्टी
बांधिसि अउर अपनी सवारी पर चढ़ाय कय सराय
मां लय गवा अउर वहि कय सेवा टहल किहिस।
35दूसरे दिन ऊ दुई दीनार निकारि कय भटियारे केर
दिहिस अउर कहिस यहि की सेवा टहल करव अउर
जउन कुछ अउर तुमार लागी ऊ हम लौटिकय दै
देवय।
36अब तुमरी समझ मां जउन डाकुन मा घिर गवा
रहइ तीनिव मइ ते वहिका परोसी कउन ठहरा। 37ऊ
कहिस वहय जउन वहि पै तरस खाइस यीसु वहिते
कहिन जा तुमहूँ अइसन करव।

मारथा अउर मरियम केर घर मां

38फिर जब उइ जात रहय तौ उ एक गांव मा गवा
अउर मारथा नाम केर एक औरत वहिका अपने घर
मा उतारिस। 39अउर मरियम नाम केर वहिकय एकु
वहिन रहय वह परभु केर पावन केर पास बइठ कय
वहिका वचन सुनत रहय। 40पर मारथा वहिका सेवा
करत–करत घबराय गय अउर वहिके पास आयकय
कहय लागि हे परभु का तुम कुछू नाहीं स्वांचत हव
कि हमरि वहिन हमका सेवा करय केर तई अकेले
छोड़ि दिहिस। सो वहि से कहव कि हमारि मदद
करय।
41परभु वहिका जवाबु दिहिन मारथा हे मारथा तुम
बहुत बातन केर तई चिन्ता करत अउर घबरात है।
42मगर एक बात जरूर है अउर उई उत्तम भाग का
मरियम चुन लिहिस जउन वहि से छीना ना जाई।

पराथना दवारा सिच्छा

11 फिरि ऊ कउनिउ जगह पराथना करत रहै।
अउर जब ऊ पराथना करि भवा तौ वहिके
चेलन मइ से एक वहिसे कहिसि ''हे परभु जइसे
यहुन्ना अपने चेलन कइहां पराथना करइ का सिखाइन

वइसेन तुम हमका सिखाय देव।

2तब वहु कहिसि कि जब तुम पराथना करौ तो कहौ। ''हे बाप तुमार नाम पवित्तर माना जाय। तुमार राजु आवै''। 3हमार दिन भरे कइ रोटी हमका दीन करौ। 4अउर हमरे पापन का माफु करौ काहे ते हमहूँ अपने सव अपराधिन कइहा माफु करिति है। अउर हमका परीच्छा मइहां न लाऊ।

5अउर ऊ वहिते कहिसि कि तुममाते को है जेहि केर एकु साथी हुवई अउर ऊ आधी रात कइहां वहिते जाइ कइवां हे मित्तर मोहिका तीन रोटी दियउ। 6काहे ते एकु मुसाफिर मित्तर हमरे लगे आवा है अउर हमरे लगे वहिके आगे धरइ कि तई कुछौ नाहीं है।

7अउर ऊ भीतर ते जवाबु दियइ कि हमका परेसान न करौ, अव तौ दुआर बन्द है अउर हमरे लरका हमेर लगे विछउना पर पहुरे हैं। यहि मारे हम उठि कै तुमका दइ नाहीं सकित। 8हम तुमते कहिति है कि जौ वहिके मित्तर होय केर नाते वहिका नाहिउ देयतौ सरम–लिहाज छोड़िके वहिते मांगे बदे वहिका जेतनी जरूरत होई ओतना उठि केर देई।

9अउर हम तुमते कहिति है कि मांगौ तो तुमका दीन जाई, ढूँढिहौ तो पहि हौ। खटखटइहौ तो दुआर ख्वाला जाई। 10काहे ते जो कोउ माँगत है वहिका मिलत है जउन ढूंढ़त है ऊ पावति है जउन खटखटावत है वहिकी तई दुआरु ख्वाला जात है।

11तुममा ते अइस बाप कउन है कि वहि केर बेटवा रोटी मांगे तो वहिका पाथर मारे। मछरी मांगे तो मछरी केर बदले वहिका साँपु देई। 12कि अन्डा मांगइ तो वहिका बीछी देइ। 13यहि मारे जब तुम खराब होइके अपने लरका बच्चन का नीकि चीजें दीन चाहत हौ तौ सुरगीय बाप अपने मांगे वरेन कइहां पवित्तर आतमा काहे न देई।

दुस्ट आतमा अउर यीसु

14फिर ऊ एक गूँगी दुस्ट आतमा कइहाँ निकारिस जब दुस्ट आतमा निकरिगै तौ गूँगा वालइ लोगन कइहा बड़ा ताजुब भवा। 15मुला उनमा ते केतनेउ कहिनि कि इौ कि ई तौ सइतान नाम दुस्ट आतमन कइ मदद लइके दुस्ट आतमन कइहाँ निकारति है। 16अउर लोग वहिके परिच्छा करइ कि तई वहिते आसमाने कइ एक चीन्हु माँगिनि।

17मुला जब ऊ उनके घरे मा फूटि परति है ऊ राज उजरि जात है। अउर जउने घरे मा फूटि परति है ऊ नास होइ जात है। 18अउर जो सैतान अपनेन खिलाफ होइ जाय तो वहि केर राज कइसे बना रही काहे ते तुम हमरे बारे मइहां कहत हौ कि यू सइतानर केर मदद से दुस्ट आतमन कइहाँ निकारति है। 19भला जो हम सइताने केर मदद से दुस्ट आतमन कइहाँ निकारति है तो तुमरी औलादे केहिकी मदद से निकरती है ? ई मारे उन दिनि तुमार नियाव करि है। 20मुला जो इन परमेसुर केर पौरुख ते दुस्ट आतमन कइहां निकरति है तौ परमेसुर कइ राजु तुमते तीर आय पहुँचा।

21जब ताकतवर मनइ हथियार बान्धि कइ अपने घर कइ रखवारी करति है तौ वहिके जायदाद बची रहति है। 22मुला जब वहिते बढ़िके कउनउ अउर ताकत मनई चढ़ाई कइके वहिका जीति लेत है तो उके उई हथियार जिन पर वहिका भरोसा रहा छीनि लेति है अउर वहिके जायदाद लूटि कई बाटि देति है।

23जो कोई हमरे साथे नाही है ऊ हमरे खिलाफ है अउर जो कोई हमरे साथे बटोरिना उ विथरि जात है।

24जब दुस्ट आतमा मनई मइसे निकरि जात है तौ दूसरी जगहन पइहां ठेकाना ढूंढ़ति है अउर जब नाहीं पाव है तौ कहत है कि हम अपने वही घर लउटि जाबैं जेहिते निकरे रहेन। 25औ आइके वहिका बहारा झारा, सजा सजावा पावति है। 26तौ वा जाइके अपनेउ ते बद्तर सात अउर आतमन का लइ आवत है अउर उइ वही मइहां रहती हैं। अउर उइ मनई कइ पाछिन दसा पहिलेव ते खराब होइ जात है।

27जब ऊ ई बातें कहते रहा तौ भीड़ मइहांते कउनिउ मेहरुआ जोर ते कहिस धन्नि–धन्नि वा कोखि जेहिमा तुम रहेव औ ऊ दूध जेहिका तुम पियेव।

28वहु कहिस हां मुला धन्नि उइ हैं जउन परमेसुर कइ बाते सुनत अउर मानत है।

जोना नबी केर निसान

29जब भीड़ इकट्ठी होय लागि तउ ऊ कहय लागि ई जुग केर मनई खराब हैं, उइ चीन्ह ढूंढ़त हैं मुला यूनुस केर चीन्ह का छोड़ि कय अउर चीन्ह ऊ का नहिन दीन जाई। 30जइस यूनुस जुग नीनवे केर मनइन की तई चीन्ह रहा तइसेन मनई कै बेटवा यहि जुग केर मनइन की तई होई। 31दक्खिन केर रानी नियाव केर दिन ई वखत केर मनइन केर साथे उठि कै उनका दोखु लगाई, काहे ते वा सुलेमान कई गियान तुनइ की तई दुनियां केर उइ पार ते आई। अउर देखौ! हियां तो ऊ है, जउन सुलेमान ते बड़ा है। 32नीनवे केर नियाव केर दिन ई बखत केर लोगन केर

साथे ठाढ़ होइकै उनका दोखु लगई हैं। काहे ते उइ यूनुस केर परचारु सुनि केर अपन मन फिराइन और देखौ हियां ऊ है जउन यूनुस ते बड़ा है।

सरीर केर दिया

33कउनउ मनई दिया वारि कै तल घरे मां या तो पैमाना ते नीचे नाहीं रहत बल्कि दीप दान पर दिया धरत हैं, जेहिते आवै वाले उजेरु पावैं 34तोरी देहीं कै दिया तोरी आंखें हैं येहिते जौ तुमरी आंखी सुद्ध हैं तो तुमारि देहिउं उजेर होई। मुला जौ उइ नीकी नाहीं हैं, तौ तुमारि देहिउ अंधेरी होई। 35यहिते चौकस रहेउ कि जउब उजेरु तुमरे भीतर है, ऊ अंधे न होइ जाइ। 36येहिते जौ तुमरि सगरिउ देहीं उजेरि होइ ओ वहिकै कउनिउ हिस्सा अंधेर न रहै, तौ सबके सब अइस उजेर होई जइस वहि बखत होत है जब चिराग अपनी चमक ते तुमका उज्यार द्यात है।

छः सपथ

37जब ऊ बातें करत रहा तौ कउनो फरीसी वहिते विनती किहिस कि हमरे हियां भोजन करौ औ भीतर जाइके भोजन करै का बइठा। 38फरीसी ई देखि कै ताजुब भवा कि ऊ भोजन करै ते पहिले असनान नाहीं किहिस।

39परभु वहिते कहिन हे फरीसियों, तुम कटोरा और थरिया लइकै ऊपर–ऊपर तो माजत हौ, मुला तुमरे भीतर अंधेर और दुस्टता भरी है। 40बे अकिलों, जउन ऊपर केर हिस्सा बनाइस है का ऊ भीतरि केर हिस्सा नाहीं बनाइस है। 41मुला हो भीतर वाली चीजन केर दान कइ देव तौ द्याखीं तुमरो खातिर सब कुछ सुद्ध होई जाई।

42मुला हे फरीसियों तुमरे ऊपर हाय! तुम पुदीना अउर सुदाब कै अउर सब तना केर साग पान क्यार दसवां हिस्सा द्यात हौ, मुला नियाव का अउर परमेसुर केर पिरेम का टारि देत हौ। तुमका चाहत यू है कि इन सबका करत रहौ अउर वहू कइहां न छोड़ौ।

43हे फरीसियों तुम ऊपर हाय! तुम सभाघरों मां खास खास जगहओं वंजारन म नमस्कार करत हौ।

44तुमरे ऊपर हाय! काहे ते तुम उइ लुकी छिपी कबरन जइस हौ, जिन पर लोग चलत हैं, मुला जानत नाहीं है।

45तब एकु इन्तिजाम करै वाला वहिका जवाबु दिहिस कि हे गुरु ई बातैं कहिकै तुम हमार निन्दा करत हौ।

46ऊ कहिस कि हे इन्तिजाम करै वालेव तुम अइस बोझ मनइन पर लादत हौ, जेहिका उठावै का कठिन है, मुला तुम उइ बोझन केर अपनी अंगुरिन ते नाहीं छुवत हौ।

47तुमरे ऊपर हाय! तुम उइ ज्योतिसिन की कबरैं बनावत है जिनका तुमरे न बाप दादा मारि डारिन रहै। 48येहिते तुम गवाह हौ अउर अपने बाप दादन केर कामन मइहां सामिल हौ, काहे ते उइ तौ उनका मारि डारिन अउर तुम उनकी कबरैं बनावत हौं। 49यहिते परमेसुरौ कइ अकिलि कहिस है कि हम उनके लगे ज्योतिसिन का अउर परेरितन का पठउब, अउर उइ उनमा ते केतनेउ का मारि डारि हैं अउर केतनेउ का सतइहैं। 50जेहिते जेतने ज्योतिसिन कइ खून दुनिया केर बनै मां बहावा गवा है, सबकै हिसाब ई जमाने केर लोगन ते लीन जाय। 51हबिबल केर कतल ते लइके जकरयाह केर कतल तक जउन बेदी अउर मंदिर केर बची मां घात कीन गवा, हम तुमते सही कहित है वहिके हिसाब यही जमाने केर लोगन ते लीन जाई।

52तुम इन्तजाम करै वालन पर हय। काहे ते तुम गियान केर कुन्जी तो लेइ लिहेव, मुला तुम खुदै भीतर नाहीं गये अउर भीतर जाय वालेन कइहां रोकि दिहेव।

53जब ऊ हंवा ते निकरा तौ सास्त्री अउर फरीसी बहुत पीछे परिगै अउर छ्वाड़य लागि कि ऊ तमाम बातन पर चरचा करैं। 54अउर घात मा लागि रहे कि वहिके मुंह केर कउनिउ बात पकरैं।

चेतावनी अउर पाखन्ड केर विरुद्ध मा सिच्छा

12 यतने मा हजारन कै भीड़ लागि गै हियां तक कि एक दूसरे पर गिरे पतर रहय, तौ ऊ सबते पहिले अपने चेलन ते कहै लागि की फरीसियों केर कपट जइस खमीर ते हुंसियार रहेव। 2कुछौ मूंदा नाहीं है, जउन खोला न जाई अउर न कुछ लुका छिपा है जउन जान न पाई। 3यहिते जउन कुछ तुम अंधेरे मां कहत हौ, तउन ऊजेरे मां सुना जाई। अउर जउन तुम कोठरिन मां काने मां कहत हौ तउन कोठन पर परचार कीन जाई।

4मुला हम तुमते जउन हमार मितर हौं, कहत है कि जउन लोग देहिन पर घात करत हैं अउर वहिके पीछे कुछ नाहीं करि सकत, वहिते न डेराव। 5हम तुमका चेताइति है कि केहिते डेराय का चाहीं घात करै केर बाद जेहिका नरक मां डारै केर हक है, वहिते डेराव हम तुमते कहित है कि वही ते डेराव। 6का दुइ पइसा की पांच गउरइया नाहीं बिकती? तकौ परमेसुर

उनमां ते एकौ का भुलात नाहीं है। [7]हिया तक कि तुमरे मूंडे पर केर सगरेउ बार तक गिने भये हैं, यहिते तुम डेराव ना, काहे ते तुम गउरइयन ते बढ़िकै तौ हइयै हौ।

[8]हम तुमते कहित है कि जो कोई सबके सामने हमका मानि लेई, वहिका मनइन केर बेटवा परमेसुर केर सरगदूतन केर सामने मानि लेई। [9]मुला जो कोई मनइन केर समूहे हमते इनकार करी वहिके परमेसुर केर सरग दूतन केर सामने इनकार कीन जाई। [10]जउन कोई मनइ केर बेटवा केर खिलाफ कउनिउ कात कही, वहिकै ऊ अपराध छिपाय लीन जाई, मुला जउन कोई पवित्तर आतमा केर निन्दा करी, वहिके अपराधु माफु न कीन जाई।

[11]जौ लोग तुमका समा अउर हाकिम अउर अधिकारी लोगन केर सामने लइ जायँ तौ चिन्ता न कहेउ कि हम कउनी विधी ते का जवाबु देई या का काहीं। [12]काहे ते पवित्तर आतमा वही बखत तुमका सिखाइ देई कि का कहै क है।

मूरख धनवान केर उदाहरन

[13]फिर भीड़ मां ते एकु वहिते कहिस हे गुरु, हमरे भाई ते कहउ कि बाप की जायदाद मइहां ते हमका बांटि दें।

[14]ऊ वहिते कहिस कि हे मनई हमका तुमार नियाव करै वाला या बांटै वाला केर तैनात किहिस है। [15]अउर ऊ वहिते कहिस कि चौकस रहौ हर तना केर लालच से अपने का बचाए राखौ। काहे ते कोई कै जिन्दगी, वहिकै जायदाद अदा हुवै ते नाहीं होत।

[16]ऊ वहिते एकु किस्सा कहिसि कि एक धनवान केर जमीन मइहां बहुत पइदावार होत रही। [17]तब ऊ अपने मन मां सोचै लागि कि हम का करीं। काहे ते हमरे हिंया जगह नाहीं है जहां आपन पैदावार राखी।

[18]अउर ऊ कहिस कि हम ई करब कि अपनी बखरिन का तोरिकै वहिते बड़ी बनाउबै। [19]वो हुआं आपन सब अनाज अउर जायदाद राखव अउर अपने परान ते कहब कि हे परान तोरे पास बहुते बरसन की तई बहुत जायदाद धरी है। चैन ते खाव, पियौ, अउर सुख से रहौ।

[20]मुला परमेसुर वहिते कहिस कि हे मूरख आजै राति केर तोर परान तोहि ते लइलीन जाई तब जउन तुइ यकट्ठा किहे हैं ऊ केहि कै होई।

[21]अइसेन ऊ मनई हैं जउन अपनी तई धन यकट्ठा करत हैं, मुला परमेसुर की निगाह मां धनी नाहीं हैं।

चिन्ता सइहन मुक्त होके चाहि

[22]फिरि ऊ आपन च्यालन ते कहिस यही मारे हम तुमते कहित है कि अपने परान केर चिन्ता ना करौ कि हमका खइबै, न अपई द्यांह केर चिन्ता करौ कि का पहिबै। [23]काहे ते भोजन ते परान अउर कपड़न ते बढ़िकै देहीं है। [24]कउनव का देखौ, उइ बोवत हैं, न काटत हैं, न उनके भंडार अउर न खन्ता होत है तबौ परमेसुर उनका पालत है। कीमत चिरइयन ते ज्यादा है। [25]तुममा ते अइस कउन है जउन चिन्ता कइकै अपनी उमरि का एकौ घड़ी बढ़ाय सकत हैं। [26]यहि मारे जौ तुम सबतें छोट काय नाहीं कइ सकत हौ, तौ अउर बातन केर चिन्ता काहे करत हौ?

[27]सोसनन केर बिरवन का ख्याल करौ कि उइ कइसे बढ़त हैं, तबौ हम तुमते कहित है कि सुलेमनौं, अपनी तमाम धन दौलत केर बावजूद उनमा ते एकौ केर बराबरी करै वाले कपड़ा नाहीं पहिरे रहा। [28]यहि मारे मैदाने कइ घास जउन आज है अउर काल्हि भार मइहां झोंकी जाई वहू कइहां परमेसुर जब अइस कपड़ा पहिरावत है, तो हे कम भरोसा करै वाले ओं ऊ तुमका काहे ना पहिराई? [29]तुम ई बात की तलास मा ना रहौ कि का खइबैं अउर का पहिरिवै ओ सब न करौ। [30]काहे ते दुनियां की जाती ई सब चीजन की तलास मा रहती है अउर तुमार बापु जानत है कि तुमका ई चीजन केर जरूरत है। [31]मुला वहिकै राज की तलास करौ तौ सबई चीजै तुमकामिलि जइहैं।

[32]हे छोटि झुंड डेराव ना, काहे ते तुमरे बाप कइहां नीक लागत है कि तुमका राज दियस। [33]आपनि जायदाद बेंचि केर दान कइ दियउ अउर अपनी तई अइस बटुआ बनाव जउन पुरान नाहीं होत। ई का मतलब सरग मां अइ धन यकट्ठा करौ जउन घटत नाहीं अउर जेहिके लगे च्वार नाहीं जात अउर जेहिमां किरवा नाहीं लागव। [34]काहे ते जहां तुमार धन है हुआं तुमार मनौ लाग रही।

सचेत रहि हौ

[35]तुमरे करि हांव बंधे रहैं अउर तुमारि चिराग जलत रहैं। [36]अउर तुम उइ मनइन की तना कबौ जउन अपने मालिक केर राह द्याखत रहये कि ऊ बियाहते कब लउटी, कि जब ऊ आय केर दुआर खट खटावै तौ तुरन्तै दुआर खोलि देई। [37]धन्नि है उइ दास! जिनके मालिक आय केर उनका जगत पावैं हम तुमते सांच कहित है कि ऊ कमर बांधि केर उनका भोजन करै का बइठाई अउर मेरे आय केर उनके सेवा करी। [38]जौ ऊ राति केर दूसरे या तिसरे

पहर मां उनका जागत पावैं तो उइ दास धन्न हयं।
39मुला तुम ई जानि राखै कि जो घर केर मालिक
जानत कि चोरु कउनी घड़ी अइहैं तो जागत रहब
अउर अपने घर मां सेंधि ना लागै देब। 40तुमहूं तैयार
रहौ काहे ते जउन घरी तुम सोचबौ ना करि हौ वही
घरी मनई केर बेटवा आय परी।

41तब पतरस कहिन कि हे परभु! का यहु मिसाल
तुम हमहिन या सबते कहत हौ।

42परभु कहिस की ऊ बिसवास केर लायक अउर
अकिलमन्द भन्डारी जउन हैं जेहिके मालिक वहिका
नौकर चाकरन केर सरदार बनावै कि उनका बखत पर
सीधा दें। 43धन्नि हैं ऊ दासु! जेहिका वहिके मालिक
आय केर अइस करत पावै। 44हम तुमते सही कहित
है कि ऊ वहिका आपनि सब जायदाद केर सरदार
बनाई। 45मुला जौ ऊ दासु स्वॉचै लागि कि हमारि
मालिक आवै मा देरि करि रहा है अउर दास
दासिन का मारै पीटे लागे अउर खाय पियै अउर
पियक्कड़, होय लागै। 46तौ मालिक अइसे दिनु
आई जब वहु दासु वहिके रास्ता न देखत रही
अउर उइ घरी जब ऊ जानत न हो ऊ आई अउर
वहिका भारी सजा दइकै वहिकै किसमत
अविसवासिन केर साथै राखी।

47अउर ऊ दास जउन अपने मालिक केर इच्छा
जानत रहा अउर तइयार नाहीं रहा अउर न वहिकी
इच्छा केर मुताबिक चला, बहुत मारि खाई। 48मुला
जउन अनजाने मां मारु खाय लायक कामु करी ऊ
थोरी मारु खाई ई मारे जेहिका बहुत दीन गवा है
वहिते बहुत मांगा जाई अउर जेहिका बहुत सौंपा गवा
है वहिते बहुत मांगा जाई अउर जेहिका बहुत सौंपा
गवा है वहते बहुत मांगा जाई।

सान्ति नाही मगर बंटवारा

49हम धरती पइहां आगि लगावे आइन हैं अउर का
चाहित है कि अबहिने सुलगि जात। 50हमका तौ एकु
बपतिसमा लियौ का है अउर जब तक ऊ न होई
जाय तब तक हम कइसी सकेती मां रहिबै। 51का तुम
समझत हौ कि हम धरती पर मिलाय करावै का
आएन हैं। नाहीं, हम तुमते सही कहिति है कि अलग
करावै आएन हैं। 52काहे ते अब ते एकु घर मां पांच
जन आपसे मां विरोधु राखि हैं। ताकी दुई ते अउर
दुई तीन ते। 53बापु बेटवा ते अउर बेटवा बापु से
विरोधु राखी, महतारी बिटिया ते अउर बिटिया
महतारी ते, सासु बहुरिया ते अउर बहुरिया सासु ते,
विरोधु राखी।

समय कइहन पहिचाने चाहि

54अउर ऊ भीड़ों ते कहिस कि जब बाहर केर
पच्छिम ते उठत द्याखौ तो तुरन्तय कहत हौ कि
बरखा होई अउर अइसेन होत है। 55अउर जब
दखिनहरी चलत देखत हौ तो कहत हौ कि लू चली
अउर अइसन होत है। 56हे कपटिउ! तुम धरती अउर
असमान केर रूप मां भेट करत हौ मुला ई जमाने
केर विसय मां भेद करैका काहे नाहीं जानत हौ।

57अउर तुम अपने आप फैसला काहे नाहीं करि
लेत हौ कि ठीक का है। 58जब तुम अपने मुद्दई केर
साथे हाकिम केर पास जाय रहे हौ, तो रास्तों मां
वहिते छूटे केर जतन कइ लेव। अइस न होय कि ऊ
तुमका नियाब करै वाले केर पास खींचि लइ जाय
अउर नियायी तुमका दियाखि का सौंपि दिये अउर
पियादें। तुमका बन्दी खाने मां डारि देय। 59हम तुमते
कहित है कि जब तक तुम दमड़ी दमड़ी करि न दे
हौ तब तक हुआं ते छूटि न पइहौ।

पस्चाताप या नासु

13 वही वखत कुछ लोग आय पहुंचे अउर
वहिते उइ गलतियन केर चरचा करै लाग,
जिनके खून पिलातुस उनहीं केर बलिदानन केर साथ
मिलाये रहे। 2ई सुनिकै वहिते जवाबु मां ऊ
कहिस का तुम समझत हौ कि ई गलीली अउर
सब गलीलिन ते जियादा पानी रहे कि उन पर
अइस विपदा परी? 3हम तुमते कहित है कि नाहीं
मुला जौ तुम मन फिरिहौं तौ तुम सब यही तना
नासु होइगै। 4कि तुम समझत हो कि उइ अट्ठारह
जिन पर सिलोह केर गुम्मर गिरा अउर उइ दबि
केर मरिगे, इउ यरुसलेम केर अउर सब लोगन ते
ज्यादा गुनहगार रहे। 5हम तुमते कहित है कि नाहीं
मुला केर तुम मनन फिरइहो तो सब यही तना
नास होइगे।

6फिरि ऊ मा मिसाल कहिस कि कउनिउ अंगूर
की बगिया मां अंजीर क्यार एकु बिरवा लाग रहा।
ऊ वहिका फल ढूंढ़े आवा मुला पाइसि नाई।
7तब ऊ बगिया केर रखवारे ते कहिसि कि हम ई
अंजीर केर बिरवा मां फल ढूंढ़े आवत है, मुला
पाइत नाहीं है यहिका काटि डारो। यू जमीन काहे
छेके रहै।

8ऊ वहिका जवाबु दिहिस कि हे मालिक यहिका
ई साल अउर रहे देव कि हम यहि केर चारों तरफ
खोदि केर खाद डारी। 9वहिके बाद यू फरी तौ ठीक
नाहीं तो यहिका काटि डारेव।

कुबड़ी मेहरारु कइहन सबत दिन मा चंगा किहिन

10सबत केर दिन ऊ एक पूजा घर मां उपदेसु करत रहा। 11अउर देखो एक औरत रही जेहिके अट्ठारह साल केर एक कमजोर करै वाली दुस्ट आमता लागि रहीं। अउर वा कुबरी होइगै रही अउर कउनिउ तना ते सीधी नाहीं होई पावत रही। 12यीसु वहिका देखि केर बोलाइनि अउर कहिति, हे औरत तुम अपनी कमजोरी ते छूटि गयउ। 13तब ऊ वहिकै ऊपर हाथ धरिति अउर वा तुरन्तय सीधी होइगै। अउर परमेसुर केर बड़ाई करै लागि।

14यहि मारेकि यीसु सबत केर दिन वहिका चंगा किहिन पूजा घरेन केर सरदार रिसियाय केर लोगन ते कहै लाग अच्छा दिन मां जिनका काम करै का चाहीं सो उनहीं दिनन मां आय केर चंगा हो सबत केर दिन नाहीं।

15यू सुनिकै जबावु दिहिन, हे कपटिउ! का सबत केर दिन तुममा ते हर एकु अपने बैल अउर गदहन का कान ते खंचि कय पानी पिया दे नही लइ जाव? 16काई ठीक नाहीं है कि या अउर व जउन अबराम केर बिटिया है जेहिका सइतान अट्ठारह साल ते बांधे रहा सबत केर यहिते छोड़ाई जात?

17जब ऊ यों बातें कहिन तौ वहिके सब मुखालिफ सरमिन्दा होइगे अउर सगरी भीड़ वहिके महिमा वाले उइ कामन ते जउन वहु करत रहा, परसन्न होइगै।

राई केर बीज अउर खमीर केर उदाहरन

18फिर वहु ऊ कहिस ''परमेसुर केर राज केहिके समान है?'' 19अउर वइके मिसाल कोई ते देई? ऊ राई केर एक दाना की बना है जेहि लइके कउनिउ मनई अपनी बगिया मां बोइसि, अउर ऊ बढ़िके बिरवा बनिगा अउर असमान की चिरई वहि बसेरा किहिन।

20फिर ऊ कहिसि कि हम परमेसुर केर राज केर मिसाल काहेते देई। 21ऊ खमीर की तना है, जेहिका लइकै कउनिउ औरत तीन पसेरी आटा मा मिलाइस अउर होत–होते सब आंटा खमीर होइगा।

सकेत दुआर

22ऊ सहर–सहर अउर गांव गांव होइकै उपदेसु करत–करत यरुसलेम की तरफ जात रहा। 23अउर कोई वहिते पूछिय कि हे परमेसुर उद्धार पावे वाले थोरिनि हैं। 24ऊ वहिते कहिन कि सकेत दुआर ते भीतर जायकै कोसिस करौ काहेते भीतर जायके कोसिस बहुत करि हे अउर जाय ना पाइहैं। 25जब घर केर मालिक उठिके दुआर बन्द कइ चुका होय अउर तुम बाहर ठाढ़ दुआर खटखटाय केर कहौ 'हे परभु हमरी खातिर खोलि देव, अउर ऊ जवाबु देय कि हम तुमका नाही जानति तुम कहां केर आव।

26तब तुम कहे लागौ हम तुमरे सामने खावा–पिवा और तुम हमरे बजारन मां उपदेसु किहेव।

27मुला ऊ तुमते कही हम नाहीं जानित तुम कहां केर आव। हे कुकरम करै वाले तुम सब हमते दूरि रहो।

28हुंवा रोउब अउर दांत पीसब होई जब तुम अबराहम अउर इसहाक और याकूब अउर सब भविस बतावै वालेन केर परमेसुर केर राज मां बइठे अउर अपने का बाहेर निकासा पइ हो। 29ओ पूरब, पच्छिम, उत्तर, अउर दक्खिन केर लोग आय केर परमेसुर केर राज केर भोज मा सामिल होई हैं। 30अउर देखों कउनेव पहिले है जउन आगे होइहै अउर केतनेउ अगिले है जउन पीछे होइ हैं।

यीसु केर दुःख यरुसलेम केर खातिन

31वही घड़ी कितनेब फरीसी कहते आय केर कहिनि कि हियां ते निकरि केर चले जाव काहे ते हेरोदेस तुम का मार डारा चाहत है।

32ऊ वहिते कहिन कि जाय केर उइ लोमड़ी ते कहि देव कि देख आज अउर काल्हि हम दुस्ट आतमन का निकरिति अउर चंगा करिति है अउर तीसरे दिन पूरा करि है। 33तबौ हमका आज कालन्हि अउर परसों चलै का जरूर है। काहे ते यू नाही होइ सकत कि कउनो भविस बतावै वाला यरुसलेम केर बाहर मारा जाय।

34हे यरुसलेम! हे यरुसलेम! तुइ जउन भविस बतावै वालेन का मारि डारव है, अउर जउन तुमरे पास भेजे गए है उनका परवाह करत है केउनेउ दफा हम चाहेन कि जइसे मुरगी अपने बच्चन का अपने परन केर नीचे यकट्ठा करत है वइसेन हमहूं तोरे लरिकन का यकट्ठा करी मुला तुइ ई नाही चाहे। 35द्याखौ तुमार घर तुमरी खातिर उजाड़ छोड़ा जात है अउर हम तुमते कहित है कि जब तक तुम न करिहौ कि धन्नि है ऊ जउन परभु केर जायते आवत है। तब तक तुम हमका फिरि कबौ न देखि हौ।

यीसु फरीसी केर घरवा मा

14 फिर ऊ सबत केर दिन फरीसिन केर सरदारन मां ते कोई केर घर रोटी खाये गवा अउर उइ वहिकी घात मा रहे। 2अउर देखउ एकु मनइ

वहिके सामने रहा जहिके जलन्धर केर रोगु रहा। 3यहि पर यीसु फरीसिन अउर इन्तजाम करे वालेन ते कहिन सबत केर दिन अच्छा करब ठीक है कि नाहीं? मुला उइ खामोस रहे। 4तब ऊ हाथ लगाय केर वहिका चंगा किहिस अउर जाये दिहिस।

5अउर वहिते कहिस कि तुमका ते अइस केर हय। जेहिके गदहा अउर वैल कुंआ मां गिरि जाय अउर ऊ सबत केर दिन वहिका तुरंतय बहरे न निकारि लें। 6उइ ई बातन केर कउनउ जवाबु नाही देई पाइन।

7जब ऊ देखिस नेवताहारी लोग कइसे खास जगह चुनि लेत है तो एकु मिसाल देई केर वहिते कहिस। 8जब कोई तुमका वियाह मां बुलावै तौ खास जगह पर न बैठउ। अइस न होय कि ऊ तुमहूं ते बड़े कोई का नेउता दियाये। 9अउर जउन तुमका अउर वहिका दोनौ का नेवता दिये हयं आय केर तुमते कहब कि ई का जगह देव अउर तब तुमका सरमिन्दा होईके सबते नीची जगह पर बैठे का परे। 10बल्कि जब तुम बोलाये जाव तो सबते नीची जगह पर जायके बइठो कि जब ऊ आवें जउन तुमका नेवता दिहे है तो तुमते कहें कि हे मितर आगे बढ़ि केर बइठो तुमरे साथ बइठे वालेन केर सामने तुमार बड़ाई होई। 11काहे ते जो कोई अपने बड़ा बनाई ऊ छोट कीन जाई।

12तब ऊ अपने नेवता देय वालेनेउ ते कहिस जब तुम दिनके या रात केर खाना खाव तौ अपने मितरन का भाइन का खानदानिन का या धनी पड़ोसीन का न बोलेव कहूं अइस न होय कि उनहूं तुमका नेवता दें। अउर तुमार बदला होइ जाय।

13बल्कि जब तुम खाना खाव तो कंगालन, लूले, लंगड़ेन अउर अंधेरन का बोलावो। 14जब तुम धनिन होइहो, काहे ते उनके पास तुमका बदला देवे खातिर कुछौ नाहीं बल्कि धरमिन केर जी उठे पर वेहिका फलु मिली।

महान खइकवा केर उदाहरन

15वहिके साथ भोजन करे वालेन मां से एक ई बातें सुनि केर कहिस धन्य है उइ जउन परमेसुर केर राज मा रोटी खाई।

16ऊ वहिते कहिस कि कउनउ मनई बड़ी जेउनार किहिस अउर बहुतन का बोलाइस। 17जब भोजन तैयार होइगै तौ ऊ अपने दास केर हाथे नेवतहारिन का कहवा पठइस कि आवो भोजन तैयार है।

18मुला उइ सबके सब माफी मांगे लागि। पहिले वतै कहे लागि कि हम खेत मोल लीन हयं अउर जरूरी है कि ऊका देखी हम तुमते विनती करित है कि हमका माफु करो।

19दूसर कहिस कि हम पांच जोड़ी बैल मोल लीन हे अउर उनका परखे जाइत है। हम तुमते विनती करित है कि तुम हमका माफु करो।

20एक अउर कहिस कि हम बियाह किहिन है यति मारे हम नाई आय सकित हैं।

21उदास लौटि केर अपने मलिकवा से ई बातें बताइस तब घर का मालिक गुस्सा मा आइके अपने दासन ते कहिस सहर केर बजारन अउर गलिन मां जाइ केर तुरंतय कंगले, टून्डे लंगड़े अउर अंधेरन का लइ आउ।

22दास फिरि कहिस हे मालिक जइस तुम कहे रहो वइसन कीन गवाहे अउर तबो जगइहैं।

23मालिक दास ते कहिस कि सड़कन प अउर बाड़िन की तरफ जाइके लोगन का जबरदस्ती लइन आव जेहिते हमार घर भरि जाय। 24काहे ते हम तुमते कहित है कि उइ नेवते गयेन मां ते कउनउ हमार जेवनार न खाई।

चेलवा होये केर कीमत

25अउर जब बड़ी भीड़ वहिके साथ जात रही तो ऊ फिर पाछे ते वहिते कहिस। 26जो कोई हमरे पास आवे वो अउर बाप महतारी बीबी, लड़िका वाले, भाई बहिनिन का नाही बल्कि अपने परानों का अपिरय न माने तो ऊ हमार चेला नाही होई सकत। 27अउर जो कोऊ अरनल सलीब न उठावे अउर हमरे पाछे न आवे वहौ हमार चेला नाहीं होइ सकति।

28तुममा ते को है कि गढ़ बनावा चाहत होय अउर पहिले बइठ केर खरचा न जोड़े। कि पूर करे कि विसात हमार पास है कि नहीं। 29अइसन होय कि जब नेव डारि केर तैयार न करि सकय तो सब देखे वालेय इ कहि केर ठट्ठा उड़ावे लागि। 30यू मनई बनावे तो लागि मुला तैयार न करि पावा।

31कउनउ अइस राजा है कि दूसरे राजा ते लड़ाई करे जात होय, अउर पहिले बइठ कय विचारु करौ कि जउन बीस हजार लिहे हमरे ऊपर चढ़ा आवत हय, हम दस हजार लइकेइ हम वहिके मुकाबिला कर सकित है कि नाहीं। 32नाही तो वहिके दूरिन रहत ऊ दूतन का पठइकै मिलाप करा चाही। 33यही तना तुमका ते जो कोई आपन सब कुछ छोड़ि केर ऊ हमार चेला नाही होइ सकत।

34नमक तौ नीक है मुला जौ नमक केर सवादु

बिगरि गय तो ऊइ कउनी चीज ते खावा जाई। 35ऊ न तो जमीन केर अउर न खाद केर कामे आई ऊ का तो लोग बाहेर फेंकि देत है। जेहिके सुने वाले का न होय ऊ सुनि ले।

खोये भई भेड़ी केर उदाहरन

15 सब चुंगी लिये वाले और पापी वहिके पास आवत रहे काहे ते वहिक बात सुनै। 2अउर फरीसी अउर सास्त्रियन कुड़कुड़ाय केर कहै लागि कि ई तौ पापिन ते मिलत है औ उनके साथ खातौ है।

3तब ऊ वहिते या मिसाल कहिसि। 4तुमका ते को है जेहिकी सौ भेड़ी होय और उनमा ते एक खोय जात तौ निन्यानवे का जंगल मां छोड़ि कय ऊ खोई भेंड़ी का ढूंढ़त रहे जब तक न मिले जाय। 5अउर जब मिलि जात है तौ बड़ी खुसी से वहिका कांधे पर उठाय लेत हैं। 6अउर घरमा आय कय मितरन का अउर पड़ोसि का यकट्ठा करि केर कहत हय कि हमरे साथे आनन्द करौ काहे ते हमारि खोई हुई भेड़ि मिलि गैं है। 7हम तुमते कहित है कि यही तना ते एक मन फिरावे वाले पापी केर विसय मां सरग मा दूतन आनन्द होइ जितना निन्यानबे अइस धरमिन केर विसय नाही होत, जिनका मन फिरावे केर जरूरत नाही।

खोये भये सिक्के केर उदाहरन

8कि कउन अइस औरत जेहिके पास दस सिक्का होय उनमा ते एक सिक्का खोय जात तौ वह दिया बारि केर और घर झारि बहारि केर जवै तक मिलि न जाय तब तक मन लगाय केर ढूंढ़त न रहै। 9अउर जब मिलि जइहैं तब अपनी संखिन का अउर परोसिन को बोलाय कय कहत है कि हमरे साथे आनन्द करौ काहे ते हमारा खोये भवा सिक्का मिलि गवा है। 10जब तुमते कहित है कि यही तना ते मन फिरावे वाले पापी केर विसय मां परमेसुर केर सरग दूतन केर सामने आनन्द होत है।

खोये भये बेटवा केर उदाहरन

11फिर ऊ कहिस कि कउनिउ मनई केर दुइ बेटवा रहे। 12उनमा ते छोटका बाप ते कहिस कि ''हे बाप जायदाद मां ते जउन हिस्सा हमार होय, हमका दइ देव। ऊ उनमा जायदाद बांटि दिहिस।

13और बहुत दिन नाही बीते रहे कि छोटका सब कुछ यकट्ठा करि कय एक दूर देस का चला गवा अउर हुंवा कुकरम कय आपन जायदाद उड़ाय दिहिस। 14जब उइ सब कछु खरच करि चुका तौ उइ देस मां बड़ा अकाल पड़ा अउर ऊ कंगाल होइगा। 15अउर ऊ वहि देस केर रहै वालेन मा ने एक केर घरे जाय परा। ऊ वहिका अपने खेतन मां सुअर चरावे की खातिर भेंजिस। 16अउर ऊ चाहत रहा कि उइ फयिन ते जितने सुअर अपने पेटु भरत रहैं ऊ आपन पेट भरैं। अउर वहिका कोउ कछु नाही देत रहा।

17जब ऊ अपने आपे मां आवा तो कहै लाग कि हमरे बाप केर केतनेव मजूरन का खाय ते ज्यादा रोटी मिलत है अउर हम हियां भूखन मरति है। 18अब ऊ उठि केर अपने बाप केर पास जाव अउर कहव कि हम सरग केर विरोध मां औ तुमरी निगाह मां पाप कीन है। 19अब हम ई लायक नाही रहेन कि तुमार बेटवा कहाई। हमका अपने आप मजूरे की नाई राखि लेव। 20तब उठि केर अपने बाप केर पास चला गवा अवहिंन थोरिन दूरि गवा रहा कि वहिके बाप वहिका देखि केर तरस खाइस अउर दउरि केर उइका गले लगाइसि अउर बहुत चूमिस।

21बेटवा वहिते कहिस कि बापु हम सरगे केर विरोध मां तुमरी निगाह मां पाप कीन है अउर ई लायक नाही रहेन कि तुमार बेटवा कहाई।

22मुला बाप अपने दासन ते कहिस कि जल्दी नीक ते नीक कपड़ा निकारि केर वहिका पहिराओ अउर हाथनु मां अंगूठी अउर पावन मां जूता पहिराओ। 23अउर पाला भवा बछवा लाइके मारो काहे ते हम खाई अउर आनन्द मनाई। 24काहे ते हमारि यहु बेटवा मरि गवा रहा अउर फिरि जी गवा है। खोय गवा रहा अउर मिलि गवा है अउर उइ आनन्द मनावे लागि।

25मुला वहिका बड़ा बेटवा खेत मां रहा अउर जब आवत रहा अउर घर केर बगीचे पहुंचय तो ऊ गावै बजावै अउर नाचै केर आवाज सुनिसि। 26अउर एकु दास केर बुलाय केर पुछिस कि यहु का होइ हरा है। 27ऊ वहिते कहिस कि तुमार भाई आवा है अउर तुमार बाप पाला भवा बछवा कटवाइन हैं काहे ते वहिका भला चंगा पाइन है।

28ई सुनि केर बहुत गुस्सा ते मरि गवा अउर भीतर नाही जाय केर चाहिस। मुला वहिका बाप बाहर आइके वहिका मनावे लागि। 29ऊ बाप का जवाबु दिहिस कि द्याखौ हम अतने वरसन ते तुमारि सेवा करि रहे हन अउर कबौ तुमरि बात नाही टारेन तवौ तुम हमका कवौ याको बकरिउ केर बच्चा नही दियेउ कि हम अपने मितरन केर साथे आनन्दु करी। 30मुला जब तुमार ई बेटवा जउन तुमारि जायदाद बैस्यन मां

उड़ाय दिहिस है, आवा है तो तुम ऊ की खातिर पाला भवा बछवा कटवाये हौ।

31वहु उइते कहिस बेटवा तुम हमेसा हमरे साथ हौ अउर जउन कुछ हमार है ऊ सब तुमरै है। 32मुला अब आनन्द करै का अउर मगन होय का चाही काहे ते तुमार ई भाई जउन मरि गवा रहा फिर जी गवा है, खोय गवा रहा अउर फिरि मिल गवा है।

एक कठोर भन्डारी केर उदाहरन

16 फिर ऊ चलेन ते कहिस कि कवनेउ धनवान कै एकु भन्डारी रहा अउर लोग वहिके सामने उह पर दोसु लगाइनि कि तुमारि सब जायदाद उड़ाय द्यात हें। 2सो ऊ वहिका बोलाय केर कहिस कि ई हम तुमरे विसय मां का सुनि रहे हुन? अपने भन्डारे केर लेखा देव काहे ते तुम आगे भन्डारी नाही रहि सकत हौ।

3तब भन्डारी स्वांचै लागि कि हम अब का करी? काहे ते हमार मालिक भन्डारी केर काम अब हमते छीनि रहा है। भाटी ते हमते खोदि नाही जात अउर भीख मांगे मां हमका सरम आवत है। 4हम समझिन गयेन कि हमै करिबौ जेहिते जब हम भन्डारी केर काम से छोड़ाय कई तो लोग अपने घरन मां हमका लइलेइं।

5अउर ऊ अपने मालिक केरन दास माते एक का बुलाइ केर पहिले ते पूछिसि कि तुमरे ऊपर हमरे मालिक केर का बनत है?

6ऊ कहिस कि सौ मन तेल फिर ऊ वहिते कहिस का आपन खाता वही लइकै बइठो अउर तुरन्तै पचास लिखि देव।

7कहू दूसरे से पूछिसि कि तुमरे ऊपर का आवत है? ऊ बताइस सौ मन गेहूं। फिर ऊ वहिते कहिस कि आपन खाता वही लइकै अस्सी लिखि दे।

8मालिक उइ अधरमी भन्डारी केर तारीफ किहिस कि वहु चतुराई ते काम लिहिस है। काहे ते ई दुनिया केर लोग अपने बखत केर लोगन क साथे रीति व्यवहार मा ज्योति केर लोगन ते ज्यादा चतुर है। 9अउर हम तुमते कहित है कि अधरम केर धन ते अपनी खातिर मितर बनाई लेव काहे ते जब ऊ जात रहै तो उइ तुमका अनन्त निवासन मा लइके।

10जउन वइते कम का सच्चा है वहु बहुतेउ मां सच्चा है। अउर जउन कमते कम या अधरमी है ऊ वहुतेउ मा अधरमी है। 11यहि मारे जब तुम अधरम केर धन मां सांचे बठहोव तौ सच्चा तुमका को सौपीं 12अउर जौ तुम पराये धन मां सांचे न ठहरे ओ तो जउन तुमार है वहौ तुमका को देई।

13कउनउ दास दुइ मालिकन केर सेवा नाहीं करि सकत है। मुला ऊ एक ते बैर अउर दूसर ते पिरेम राखी। तुम परमेसुर अउर धन दोनों केर सेवा नाहीं कर सकति होय।

14फरीसी जउन लालची रहै या बात सुनिकै ठट्ठा उड़ावै लाग। 15वहु वहिते कहिस कि तुम तो लोगन केर सामने अपने आप का धरमी ठहरावत हौ। मुला परमेसुर मन का जानत है काहे ते जउन चीज मनइन की निगाह मा महान है वा परमेसुर की निगाह मां नफरत केर काबिल है।

अन्य सिच्छाएँ

16इन्तजाम करे वाले अउर भविस बतावै वाले यहुन्ना तक रहे, तबते परमेसुर केर राज केर खुसखबरी सुनाव जाय रहा है। अउर हर कोई परवलता ते कहि केर भीतर जात है। 17असमान अउर धरती केर टरि जाब बेवस्था केर एक विन्दु केर कटि जाय ते आसान है।

18जो कोई अपनी अउरन का छोड़ि केर दूसरी ते वियाहु करत है ऊ वेभिचारु करत है अउर जो कोई छोड़ी भई अउरन ते वियाहु करत है वहू वेभिचारु करत है।

धनी मनई अउर लाजर

19एकु धनवान मनई रहा अउर धूम–धाम ते रहत रहा। 20अउर बाजकर नाम केर एकु कंगाल–कोढ़ी जउन घावन ते मारा रहा वहिकी चौखट पर छोड़ि दीन जात रहा। 21अउर ऊ चाहत रहा कि धनवान की मेज पर की जुठन ते आपन पेट भरै। अउर कुकुरौ आय केर वहिके घाव चाटति रहे।

22अउर अइस भवा कि कंगाल मरिगा अउर सरग दूत वहिका लइके अबराम की गोद मां पहुंचाइन अउर ऊ धनवानों मरा अउर गाड़ा गवा। 23अउर अधोलोक मां पड़े–पड़े पीड़ा केर मारे अपनी आंखि उठाइस अउर दूरि ते अबराम की गोद मां नाजर का देखिस। 24अउर ऊ पुकारि केर कहिसि कि देखव अबराम हमरे ऊपर दया करिकै लाजर मां भेजि देव जेहिते ऊ अपनी अंगुरी केर किनारा पानी मां भिगोय कै हमरी जीभ का ठंडा करै, काहे ते हम ई आगि मा जरि रहे हन।

25मुला अबराम कहिन कि बेटा मार करौ जब तुम अपनी जिन्दगी मां अच्छी चीजें लइ चुके हौ अउर लाजर खराब चीजें मुलाहियां अउर सान्ती पाय रहा

है अउर तुम तड़पि रहे हौ। [26]अउर ई बातन केर अलावा हमरे अउर तुमरे बची मां एकु खाई है कि जउन तुमरे पास पार कइके जावा चहै तौ जाय न पावै अउर न कोई वहि पार से यहि पार।

[27]वहु फिरि कहिस की हे बापु! हम तुमते विनती करित है कि तुम वहिका हमरे घरे भेजौ। [28]काहे ते हमरे पांच भाई है वहु उनके सामने ई बात की गवाही दे। काहे ते अइस न होय कि उनहूं यही पीड़ा दियै वाली जगह पर आवै।

[29]अबराम वहिते कहिन कि उनके पास तो मूसा अउर भविस बतावै वालेन की किताबे है, उइ वहि केर सुनै।

[30]ऊ कहिस 'नाही' हे बाप अबराम जो कोई मरे भएन मा ते उनके पास जाय तौ उइ मन फिरइ है।

[31]ऊ वहिते कहिन कि जब उइ मूसा अउर भविस बतावे वालेन की नाहीं सुनत है तो जौ मरे भये लोगन मां से कोई जिन्दा होइ उठे, त कोउ वहिकी न मनि है।

पाप, बिसवासु अउर करतब

17 फिर ऊ अपने चेलन ते कहिस कि ई तो होई नाही सकत कि ठोकर न लागै, मुला हाय उइ मनइ पर जेहिके कारन उइ अड़ती है। [2]जउन ई छोटन मां ते एकौ का ठोकर खावत है वहिकी खातिर ठीक रहा कि वहिकी गले मां चक्की केर पाट लटकावा जात अउर समुनन्दर मां डारि दीन जात। [3]सचेत रहौ, जो तुमारि भाई अपराध करै तौ वहिका समझावौ अउर जो पछिताय तौ वहिका माफु करौ। [4]जो दिन भरे मां ऊ सात दफा तुमरे साथे अपराध करै अउर सातौ दफा तुमरे पास आय कै कहै कि हम पछिताइत है तबौ वहिका माफु करौ।

[5]तब पेरेरित परभु ते कहिन कि हमार बिसवासु बढ़ा।

[6]परभु कहिन कि जो तुमका राई केर दानों केर बराबर बिसवासु होत, तौ तुम ई तुत केर विरवा ते रहितिउ कि उखड़ि केर समुंदर मां जाय लागै तौ ऊ तुमारि बात मान लेत।

[7]मुला तुममाते अइस को है जेहिकै दास खेत जोतत या तौ भेड़ी चरावत अउर जब ऊ खेत ते आवै तौ उइते कहै कि तुरन्त आय कै भोजन करैक बइठै। [8]अउर यू न कहै कि हमार खाना तैयार करौ अउर जब तक हम न कहै कि हमार खाना तैयार करौ अउर जब तक हम न खाई–पी जब तक कमर बांधि कै हमारि सेवा करौ। यहि केर बाद तुमहूं खाय–पी लिहेव। [9]का ऊ वहि दास कै निहोरा मानी कि ऊ उनही काय किहिस है जिनके आग्या दीनि में रहै।

[10]यही तना ते तुमहूं जब उइ सब कामन का करि चुकौ, जिनकै तुमका आग्या दीनि गै रही, तौ कहौ कि हम निकम्मे दास हन कि हम वै काम कीन जिनके आग्या दीनि गै रही।

दस कोढ़ियन कइहन केर चंगा किहिन

[11]अउर अइस भवा कि ऊ यरूसलम जात भये सामरिया अउर गलील केर बीच से हाये कै जात रहा। [12]औ कउनौ गावं केर भीतर जात बखत वहिका दस कोढ़ी मिले। [13]अउर दूर ठाढ़ होइके ऊंची आवाज मा कहिन हे यीसु! हे सुवामी! हमरे ऊपर दया करौ।

[14]ऊ वहिते कहिन कि जाब अउर अपनी तई याजकन का देखावो। अउर जाते जातै सुद्ध होइगे।

[15]तव उनमा ते एक ई देखि कइ कि हम चंगे होइ गएन हैं ऊंची आवाज मां परमेसुर केर बड़ाई करत भवा लउटा। [16]अउर यीसु केर पावंन पर मुंह केर बल गिरि कै वहिके धन्यवादु करै लाग अउर ऊ सामरी रहा।

[17]यहि पर यीसु कहिन का दसौं सुद्ध नही भये, फिर बाकी नौ कहो है। [18]का ई परदेसी का छोड़िकइ अउर कोई नाही निकरा, जउन परमेसुर केर बड़ाई करत। [19]तब ऊ वहिते कहिस कि उठि कै चले जाव तुमार बिसवासु तुमका चंगा किहिस है।

परमेसुर कइहन राज आने वाला हये

[20]जब फरीसी वहिते पूछिन कि परमेसुर केर राज कब आई? तौ ऊ उनका जवाबु दिहिन कि परमेसुर केर राज परगट रूप में नाई आवत। [21]ई न कहि हैं कि हियां है या हुआं है काहे ते देखौ परमेसुर केर राज तुमरे बीच मां है।

[22]अउर ऊ चेलन ते कहिस उइ दिन अइहैं जब तुम मनई केर बेटवा कइ दिनन माते एक दिन का देखा चहिहौ। अउर देखिन पइहौ। [23]लोग तुमते कहिहै कि देखौ हुंआ है या देखौ हिया हैं मुला तुम चले न जायेव अउर न उनके पीछे कोई लियेव। [24]काहे ते जइसे बिजुरी आसमाने केर एक तरफ ते चमकिकै दूसरी तरफ चमकत है वइसेन मनई केर बेटवो अपने दिनन का परगट होई। [25]मुला पहिले ई जरूर है कि उइ बहुत दुख उठावै कि ई जमाने केर लोग वहिका छोट कहैं।

[26]जइस नूह केर दिनन मां भवा रहा, वइसेन मनई केर बेटवों केर दिनन मां होई। [27]जउने दिन तक नूह

जहाज पर नाही चढ़ा वही दिन तक लोग खात पियत रहैं अउर उनमा विवाह सादी होत रही, अउर जब परलय आय कै उन सब कै नासु कइ दिहिस।

28अउर जइस लूत केर दिनन मां भवा रहा कि लोग खात–पियत, लेन–देन करत बिरवा लगावत अउर घर बनावत रहैं। 29मुला जउन दिन लूत सदीम ते निकरा वहि दिन आगि गन्धक आसमान ते बरसा अउर सबका नासे करि दिहिस।

30मनई केर बेटवा केर परगट होय केर दिनों अइसेन होई। 31उइ दिन जउन कोठे पर होय अउर वहिका सामान घर मां होय, वहिका लेइ का न उतरै अउर जउन खेते मा होय ऊ पीछे न लगि है। 32लूत की अउरत की याद राखौ। 33जो कोई आपन परान बचाव चाही ऊ वहिका खोई। अउर जो कोई वहिका खोई ऊ जिन्दा रही। 34हम तुमते कहित है कि उइ राति का दुइ मनई एकु खटिया पर होइहैं। एक लइ लीन जाई अउर दूसरे छोड़ि दीन जाई। 35दुइ औरतें एक साथ चक्की पिसती होइहैं। एकु लइ लीन जाई, अउर दूसरी छोड़ि दीन जाई। 36दुइ जन खेत मा होइहैं एकु लेइ लीन जाई दूसरि छोड़ि दीन जाई।

37ई सुनिकै उइ वहिते पूछिन हे परभु ई कहां होई? ऊ वहिते कहिस कि जहां लोय है हुआँ गिद्ध यकट्ठा होइ है।

दुखी विधवा केर उदाहरन

18 फिर उइके बारे मां कि पराथना किहेव अउर हियाव न छोड़े क चाहीं, वहिते उदाहरन कहिसि। 2कि कउनउ नगर मा एकु नियायी रहत रहा, जउन न परमेसुर ते डेरात रहा अउर न कउनउ मनई केर परवाह करत रहा। 3अउर वही नगर मां एकु विध वा रहत रही, जउन परमेसुर ते डेरात रही। जउन वहिके पास आय केर कहा करत रही कि हमार नियाव चुकाय केर हमका मुद्दई से बचाओ।

4केतनेउ बखत तक तो ऊ नाही माना, मुला आखिर मां मनमां विचारि कै कहिस, भले हम न परमेसुर ते डेरात हई, अउरन मनइन केर परवाह करित है। 5तबौ यह विधवा हमका परेशान करत है। ई मारे हम उहिके नियाव चुकइबै। कहूं अइस न होय कि घरी–घरी आयकै हमरो न नाक मा दम करै।

6परभु कहिन कि सुनौ ई अधरमी नियायी का कहत रहा। 7सो का परमेसुर अपने चुने भयेन केर नियाव न चुकाई? बहुत रात–दिन वहिके दोहाई देत रहत अउर का ऊ उनके बारे मां देर लगाई। 8हम तुमते कहित है कि ऊ तुरन्ते उनके नियाव चुकाई। तवौ मनई केर बेटवा जब आई तौ का ऊ धरती पर बिसवासु पाई।

फरीसी अउर कर वसूले वालेन केर उदाहरन

9अउर ऊ केतनेओ तो जउन अपने ऊपर भरोसा राखत रहे कि हम धरमी अउर अउरेन का छोट मानत रहे यह मिसाल किहिस। 10कि दुइ मनई कउनउ मंदिर मां पराथना करै कि तई गए। एक फरीसी रहा अउर दूसरे चुंगी लेवे वाला। 11फरीसी ठाढ़ होइके अपने मन मां पराथना करै लगा कि हे परमेसुर हम तुमार धन्यवादु करित है। काहे ते हम मनइन की माई अंधेरे करे वाले अनियायी अउर वेभिचारी नाही हन अउर ई चुंगी लेन वाले केर समान हव। 12हम हफ्ता मा दुइ दफा उपवासु करित है अउर अपनी सब कमाई केर दसवां हिस्सा देइत हैं।

13मुला चुंगी लेन वाला दूरि ठाढ़ होइके सरग की तरफ आंखिउ नाहीं उठाव चहिस बल्कि अपन छाती पीटि–पीटि केर कहिसि कि हे परमेसुर हम पापी पर दया करौ।

14हम तुमते कहित है कि उहे मनई धरमी माना गवा अउर तब अपने घरे गवा दूसर नाही। काहे ते जउन कोई अपने का छोट बनाई, ऊ बड़ा कीन जाई।

यीसु वच्चन कइहन आसीरवाद दिहिन

15फिर लोग अपने बच्चन का वहिके पास लावे लागि। कि ऊ उन पर हाथ धरै। अउर चेला उनका देखि कै डांटिन। 16यीसु बच्चन का अपने पास बोलाय कै कहिस कि बच्चन का हमरे पास आवै देव अउर उनका मना करौ काहे ते परमेसुर केर राज अइसन केर है। 17हम तुमते कहित है कि जो कोई परमेसुर केर राज का बालकन की नाई कबूल न करी ऊ वहि केर भीतर कबौ न जाय पाई।

धनी सरदार

18कउनउ सरदार वहिते पूछिस कि हे उत्तम गुरू अनन्त जीवनु केर उत्तराधिकारी होय कि खातिर हमका करी।

19यीसु वहिते कहिन कि तुम हमका उत्तम काहे कहत हौ? एकु परमेसुर का छोड़ि केर कोई उत्तम नाहीं। 20तुम हुकुम तौ जानत हौ कि वेभिचारु न करौ इरसा न करौ, चोरी न करौ झूठी गवाही नदेव, अउर अपने महतारी–बाप केर आदर करौ।

21वहु वहिते कहिस कि हम तौ बचपने ते यहिका मानित है।

22ई सुनिकै यीसु कहिन कि तुमरे मा अबौ एक
बात केर धरी है। अपन सब कुछ बेंचि केर कंगालनु
मा बांटि देव तुमका सरग मा धन मिली। अउर हमरे
पीछे होइ लेवा।
23यहु सुनिकै ऊ बहुत उदास भवा, काहे ते ऊ
बड़ा धनी रहा। 24यीसु वहिका देखि केर कहिन कि
परमेसुर केर राज मां धनवानन केर परवेस करबु बड़ा
कठिन है। 25परमेसुर केर राज मां धनवान केर परवेस
करै ते जादा आसान है सुई केर नाका मा ते ऊंट केर
निकरि जाब।
26अउर सुनै वाले कहिन कि तौ फिरि उद्धारु कैसे
होइ सकत है?
27ऊ कहिस कि जउन मनइन ते नाही होइ सकत
है, ऊ परमेसुर ते होइ सकत है।
28पतरस कहिन कि द्याखौ हम तो घरवा छोड़ि
केर तुमरे पीछे होइ लिहिन है।
29ऊ वहिते कहिस कि हम तुमते सांचु कहित है
कि अइस कोई नाही, जउन परमेसुर केर राज की तई
घर, मेहरारु, भाई, महतारी, बाप या तौ बाल बच्चेन
का छोड़ि दिहिस होय। 30तौ ई बखत यहिते कइउ
गुना जादा न पावै अउर अनन्त जीवन परलोक मां
न पावै।

यीसु केर मरने का आपे भविसवानी किहिन

31फिर ऊ बारहों का साथे लइके वहिते कहिस
देखौ हम यरुसलेम का जाइत है अउर जेतनी बातें
मनई केर बेटवा की तई भविस बतावे वाले लिखिन
है, उइ सब पूरी होइ है। 32काहे ते ऊ दूसरी जातिन
केर हाथन मा सउंपा जाई। अउर उइ वहिके ठट्ठा
उड़ाइ हैं। उइ वहिके अपमान करि है। अउर वहिके
ऊपर थूकि हैं। 33वहिके कोड़ा मारि हैं अउर घात करि
हैं अउर ऊ तिसरे दिन जी उठी।
34अउर उइ लोग ई बातन मा ते कउनिउ बात नाही
समझिन अउर यहि बात वहिते छिपी रहिगै। अउर
जउन कहा गवा रहय ऊ उनका समझ मा नाहीं
आवा।

एकु भिखारी केर आंखि चंगा करीन

35जब ऊ यरीहो केर करीब पहुंचा तौ एकु अंधेरा
सड़क केर किनारे बइठ भीख मांगत रहा। 36अउर
वह भीड़ केर चलै कइ आहट सुनिकइ पूछै लागि कि
ई का होइ रहा है। 37वहिका बताइन कि यीसु नासरी
जाय रहा है।
38तब उइ पुकारि केर कहिस कि हे यीसु दाऊद
की सन्तान हमरे ऊपर दया करौ।
39जउन आगे जात रहै उइ वहिका डांटे लागि चुप
रहौ, मुला ऊ अउरौ चिल्लाय लाग कि हे दाऊद
सन्तान हमरे ऊपर दया करौ।
40तब यीसु ठाढ़ होइ केर हुकुम किहिन कि वहिका
हमरे पास लाओ अउर जब ऊ बगीचे आवा तौ
वहिते पूछिन। 41तुम का चाहत हौ? हम तुमरी
खातिर का करी? वहि कहिस कि हे परभु हम देखें
लागीं।
42यीसु वहिते कहिन कि देखै लागो तुमार बिसवासु
तुमका चंगा कइ दिहिस।
43अउर ऊ तुरतै देखै लागि। अउर परमेसुर केर
बड़ाई करत उनके पीछे होइ लिहिस। सब लोग ई
देखि कय परमेसुर केर विनती किहिन।

जवकई कर वसूले वालेन

19 बहु यरिहो मा आइ कइ जात रहा। 2अउर
द्याखव जक्कई नाम क्यार एकु मनई रहय
जउन चुंगी लेय वालेन का सरदार अउर धनवान
रहय। 3वहि यीसु का द्याखा चाहत रहा कि ऊ कौन
सा है मगर भीड़ केर कारन देखि नाहीं पाइस काहे
ते ऊ नारा रहय। 4तब ऊ दौरि कय एक गूलरि केर
बिरवा पर चढ़ि गवा ऊका देखै केर तई काहे ते ऊ
वहय रास्ता जाय वाला रहय।
5जब यीसु उइ जगह पहुंचे तब ऊपरि देखिकई
कहिन जक्कई झट ते उतरि आउ काहे ते हम आज
तुमरे घरमा जरूर रहिवय। 6तुरंतय उतरि केर खुसी ते
वहिका अपने घर लै गवा।
7यू देखिकय सब लोग कुड़कुड़ाय कहै लाग कि
उ तौ एकु पापी मनई केर घर मा उतरा है।
8जक्कई खड़ा होइकै कहय लागि कि हे परभु
द्याखव हम आपनि आधी दौलत कंगालुन केर देइत
है। अउर यदि हम कोई केर कुछू अन्याय से लै
लिहिन है तौ वहिका चौगुना हम फेर देयाव।
9तब यीसु वहिते कहिन आजु यहि घर मां उद्धारु
आवा है। यही तई, कि यह अबराम का एक बेटवा
है। 10काहे ते मनई का बेटवा खोये हुअन का ढूढ़व
तथा उनका उद्धार करय आवा है।

दस सिक्कवन केर उदाहरन

11जब उइ ई बातय सुनत रहय तब ऊ एक
दिरिस्टान्त कहिस यहिकी तई ऊ यरुसलेम केर निकट
रहय अउर उइ समझत रहय कि परमेसुर का राज
अबहिन परगट हून चाहत है। 12सो ऊ कहिस कि

एक धनवान मनई दूरि देस का चला ताकि राजपद
पायकय फिर आवय। 13अउर वहु अपने दस दासन
केर बुलाय कय दस मुहरें दिहिस अउर कहिस हमरे
लौटि आवे तक लेने देन कि हेव।
14मगर ऊ केर नगर केर रहय वाले लोग उहिसे
बैरु रखत रहय अउर वहिके पीछे दूतन ते कहवाय
पठइन कि हम नाहीं चाहित है कि यहू हम पर राज
करय।
15जब ऊ राज पद पायके लौटि आवा तौ अपने
उइ दासन का बुलवाइस जिनका मुहरें दिहिस रहय
ताकि यू मालूम हुवय कि उई लेन–देन मां केतना
कमाइन।
16तब पहिला आय कय कहिस हे मालिक हम
तुमरे मुहर ते दस मुहरै अउर कमायेन।
17ऊ वहिते कहिस धन्य हव अच्छे दास तुम
धन्य हव तुम बहुत थोरेन मां बिसवासी निकरवे अब
दस नगरन पर अधिकार रखव।
18दूसर आय कय कहिस हे मालिक हम तुमरे
मुहर से पांच मुहरै अउर कमायेन।
19ऊ वहुते कहिस कि तुम पांच नगरन पर अधिकार
रखव।
20तीसर आयकय कहिस हैं मालिक देखव यह
तुमार मुहर है जिहिका हम अंगोछा मां बांधे रखेन।
21काहे ते हम तुम डेराइत रहय ई की तई कि तुम
कठोर मनई हव जउन नाहीं राखेव ऊ तुम असयलियत
है। जउन तुम नाहीं वोवत वहिका तुम काटि लियत
है।
22ऊ वहिते कहिस हे दुस्ट दास हम तुमरे मुंह ते
तुमका दोसी ठहराइत है तू हमका जानत रहव कि
कठोर मनई हम जउन हम नाहीं राखेन ऊ हम उठाय
लियत है अउर जउन नाहीं वोयन वहिका काटि लेइत
है। 23तौ तुम हमारि रुपया कोठी मा काहे नाहीं
राखेव कि हम आयकय बियाजु समेत लइ लेइत।
24अउर जउन लोग नेरे खड़े रहयं ऊ वहिते कहिस
कि ऊ मुहरै वहिते लै लियव अउर जेहिके पास दस
मुहरैं हय वहिका दय दियउ।
25उइ वहिते कहिन हे मालिक वहिके पास दस
मुहरय तब है।
26हम तुमते कहिस है कि दस मुहरैं जेहिके पास
है वहिका अउर दीन जाई अउर जेहिके पास नाहीं है
वहिते वहव लै लीन जाई जउन वहिके पास हे।
27मगर हमरे अ दुसमनन का जउन नाहीं चाहत रहै
कि हम उनके ऊपर राज करीं उनका हियां हमरे
सामने लाय कय मारि डारव।

यीसु केर यरुसलेम मां परवेस

28ई बातय कहिकय ऊ यरुसलेम की ओर उनके
आगे–आगे चला। 29अउर जब ऊ जैतून नाम पहारु
पर वैतफगे अउर वैतनिन्याह केर पास पहुंचा तब
अपने दुइ दासन का यू कहि कय पठाइस। 30कि
सामने गांव में जाव अउर वहिमां पहुंचत ही एकु
गदही का बच्चा जेहि पर कबौ कोऊ सवार नाहीं
बंधा हुआ तुमका मिली वहिका खोलि लाऊ।
31अउर कोऊ यदि तुमते पूछय कि काहे खोलत हव
तौ यू कहेव कि परभु को यहिका जरूरति है।
32जउन भेजे गये रहय उइ जायकय जइसन उनसे
कहा गवा रहा वइसनय पाइन। 33जब उइ गदहे केर
बच्चा का ख्वालत रहय तब वहिका मालिक वहिते
पूछिन ई बच्चा का काहे खोलत हव।
34उइ कहिन परभु का यहिका जरूरति है।
35उइ वहिका यीसु केर पास लइ आये अउर
आपनि कपड़ा वहि पर डारि कय यीसु का सवार
किहिन। 36जब ऊ जाति रहय तौ उइ आपनि कपड़ा
रास्ता मां विछावत जात रहय।
37अउर नेरे आवत भये जब ऊ जैतून पहारु की
ढलान पर पहुंचा तब चेलन कय सारी मंडली उइ,
सब सामरथ केर कामन का जउन उइ देखिन रहय
खुस हुइकय बड़े सबदन मां परमेसुर कय स्तुति करय
लागि।
38धन्नि हयं वहु राजा जउन परभु केर नाम ते
आवत हैं सरग मां सान्ति अउर अकास मन्डलु मा
महिमा हो।
39तब भीड़ मइ ते कितनेउ फरीसी वहिते कहय
लाग कि हे गुरू अपने चेलन का डांटव।
40वहु जवाबु दिहिन कि तुमते कहित हे कि उइ
चुप रहय तौ पाथर चिल्लाय उठि हय।
41जब ऊ नेरे आवा तौ नगर का देखिकय वहि पर
खावा। 42अउर कहिस का भला हुवत कि तुम हां
तुमहीं यही दिन मां कुसल की बातय जानत मगर उइ
अब तुमरी आंखिन ते छिप गई है। 43काहे ते उइ
दिनन अइहयं कि तुमारि वैरी मोरचा बांधिकय तुमका
घेरि लेहय अउर तुमका चारिउ तरफ ते दवइहयं।
44अउर तुमका अउर तुमरे लरिकन का जउनर तुम मा
हवै माटी मां मिलइहयं अउर तुम मां पाथर पर पाथर
भी न छोड़िहयं काहे ते तुम ऊ अवसर जब तुम पर
किरपा कीन गई रहय न पहिचाने?

यीसु मंदिर मां

45तब ऊ मंदिर मां जायकय बेचेय वालेन का

बाहेन निकारय लागि। [46]अउर वहिते कहिस लिखा हवय कि हमार घर पराथना घर होई अउर तुम वहिका डाकू केर खोह बनाय दिहेव।

[47]अउर ऊ रोज मंदिर मा उपदेसु करय लाग, अउर महायाजक अउर सास्त्री अउर रईस लोग वहिका नासि करय का अवसर ढूंढ़त रहय। [48]मगर कउनउ उपाय नाहीं निकार पाइन कि यू की मेर करय काहे ते सब लोग बड़ी चाह ते वहिकय सुनत रहय।

यीसु केर अधिकारन पइहन संका होवत हये

20 एकु दिन अइसन भवा कि जब वह मंदिर मां उपदेसु सुनावत रहय अउर लोगन का खुसखबरी दियत रहय तौ महायाजक अउर सास्त्री पुरनियन केर साथे पास आय कय खड़े भये। [2]अउर कहय लागि कि यू बताउ कि ई कामन का कउने अधिकारु से करत हव अउर ऊ कउन है जउन तुमका यहु अधिकारु से करत हव अउर ऊ कउन है जउन तुमका यहु अधिकारु दिहिस है।

[3]ऊ उनका जवाबु दिहिस कि हमहूं एक बात तुमते पूछित है हमका बताय। [4]यहुन्ना का बपतिसमा सरग की तरफ से रहय मा मनई की तरफ से रहय।

[5]तब उइ आपस मां कहय लाग कि यदि हम यू कहै कि सरग की तरफ से रहय तौ ऊ यू कही तौ वहिकय परतीत बिसवासु काहे नाहीं किहेव। [6]अउर यदि हम यू कहित है कि मनइन की तरफ से रहय तौ सब लोग पथराव करि हयं काहे ते सब जानत है कि यहुन्ना भविसावकता रहय।

[7]सो उइ जवाबु दिहिन कि हम नाहीं जानित है कि वहु केहि की तरफ से रहय।

[8]यीसु वहिते कहिन तौ हम हूं नाहीं बताइत हैं कि यहु काम हम केहिके अधिकारु से करति है।

अंगूर केर बागन केर उदाहरन

[9]तब वहु लोगन ते यू उदाहरन कहय लाग कि कउनव मनई दाख केर वारी लगाइसि अउर किसानन का ठेका दइकइ बहुत दिनन केर तई परदेसु चला गवा। [10]बखत पर ऊ किसानन केर पास एक दस का पठइस कि दाख की बारी क कुछ फल वहिका दियय पर किसान वहिका पीटकय खाली हाथ लौटाय दिहिन। [11]फिर ऊ एकु अउर दास का पठाइस अउर उइ वहू का पीटकय अउर अपमानु करिकय खाली हाथ लौटाय दिहिन। [12]फिर ऊ तीस पठाइन अउर उइ वहिका घायल करिकय निकारि दिहिन।

[13]तव दाख का मालिक कहिस का करी हम अपने पियारे बेटवा का पठाई काहे ते उइ वहिका आदर करि हय।

[14]जब किसानन वहिका देखिन तौ आपस मां सोचय लाग कि यूं तौ वारिस है आउ यहिका मारि डारी कि मिरासु हमार हुई जाय। [15]अउर उइ वहिका दाख की वारी से बाहेर निकारि कय मारि डारिन ई की तई दाख का मालिक उनके साथे का करी। [16]ऊ आयकय उइ किसानन का नासि करी अउर दाख की बारी औरन का सौंपी यू सुनिकय ऊ कहिस परमेसुर अइसन ना करी।

[17]वहु उनकी तरफ देखिकय कहिस यहु का लिखा है कि जउने पाथर का राज मिस्तरिन निकम्मा ठहराइन ऊ कौने का सिरा होइगा।

[18]जउन उइ पाथर पर गिरी ऊ चकनाचून होय जाई अउर जउने पर ऊ गिरी वहिका पीसि डारी।

[19]वही बखत सास्तरी अउर महायाजकय वहिका पकरा चाहिन काहे ते समझि गये कि ऊ हम पर या उदाहरन कहिस है मगर उई लोगन ते डेरान।

कैसर को कर वसूली

[20]अउर उइ वहिकी ताक या लागि अउर भेदियन केर पठाइस कि धरम का भेस बनाय कय वहिका कउनिउ बात पकरव जेहिते वहिकी हाकिम केर हाथन अउर अधिकारु मा सौंपि देय। [21]उइ वहिते कहिन हे गुरु हम जानित है कि तुम ठीक कहत हौ अउर सिखावतु है अउर कोई का पच्छपात नाहीं करत हव वरन् परमेसुर का मारग सच्चाई से बतावत हव। [22]का हमका कैसर केर कर दियव ठीक है या नाहीं।

[23]ऊ उन कय चतुराई ताड़िकय उनसे कहिस एक दीनार हमका दिखाव। [24]यहि पर केहिकय नाम अउर मूरति है उइ कहिन कैसर का।

[25]ऊ वहिते कहिस कि जउन कैसर केर है तउन कैसर केर दियव अउर जउन परमेसुर केर है ऊ परमेसुर केर दियव।

[26]उई लोगन केर समूहे उई बात का पकरि न सके, वरन् वहिके जवाबु ते अचरज होइके चुप होइगे।

पुनरुत्थान अउर विवाह

[27]फिर सदूकी जउन कहत है कि मरे हुअन का जी उठव हइयै नाहीं उनमा त केतनेव वहिके नेरे आ कय पूछिन।

[28]कुछ मनइ यीसु ते पूछिन कि हे गुरु मूसा हमरी तई लिखिन है कि अगर कोई का भाई आपनि मेहरिया केर रहत भये बिना सन्तान मरि जात है अउर

वहिका भाई वहिकी बीवी का ब्याह लेई अउर अपने भाई की तई बंस उत्पन्न करय। 29सो सात भाई रहयं पहिला व्याह करिकय बिना सन्तान केर मरि गवा। 30फिर दूसर अउर तीसर भी उइ औरत का वियाह किहिन। 31यही तिना सातव बिना सन्तान केर मरि गये। 32सबके पीछे वह औरत भी मरि गय। 33सो जी उठय पर वह केहिकय औरत होई काहे ते वह सातव केर औरत बनि चुकी रहय।

34यीसु वहिते कहिन कि यहि जुग मां सन्तानन केर विवाह सादी हुवत है। 35पर जउन लोग ई योग रहिहंय कि मरे हुवन मइसे जी उठय परापत करिकय उनमा विवाह सादी न होई। 36उई फिर मरय का नाहीं काहे तो उई सरग दूतन केर समान होई हयं अउर जी उठय पर परमेसुर केर सन्तान होइ हयं। 37मगर ई बात की मरे हुए जी उठत है मूसा भी झाड़ी की कथा मा परगट किहिन हैं कि उई परभु का अबराम का परमेसुर अउर इसहाक का परमेसुर अउर याकूब का परमेसुर कहत है। 38परमेसुर तक मुरदन का नाहीं जिन्दन का परमेसुर है काहे ते वहिके नेरे सब जिन्दा हैं।

39तब यहु सुनिकय सास्त्रीयन मइसे कतनेव कहिन कि हे गुरु तुम अच्छा कहेव। 40अउर उनका फिर कछू पूछय का हियाव नाहीं भवा।

यीसु केकर बेटवा हये

41फिर ऊ वहिते पूछिन कि मसीह का दाऊद केर सन्तान काहे कहत है। 42दाऊद अब भजन–संहिता मां कहत है कि परभु हमरे परभु ते कहिन।

43हमरे दहिने बैठि जब तक कि तुमरे दुसमनन केर तुमरे पांवन तले न कर देई। 44दाऊद तौ वहिका परभु कहत है तौ फिर ऊ वहिका सन्तान कइसे भवा।

45जब सबै लोगन सुनत रहयं तब ऊ अपन चेलवन ते कहिस। 46सास्त्रीयन से चौकस रहेव जिनका बजारन मा नमस्कारु अउर सभा मा मुख्य आसन अउर जेवनारन मां मुख्य स्थान अच्छे लागत हैं। 47उइ विधवन केर घर खाय जात हवयं अउर देखावय केर तई बड़ी देर तक पराथना करत हवयं ई बहुतय दन्ड पइहयं।

विधवा केर दान

21 फिर उ आंख उठाय कय धनवान का आपन–आपन दान भन्डारन मा डारत देखिस। 2अउर ऊ एक कंगाल विधवा का वहिमा हुई दमड़ी डारत देखिस। 3तब ऊ कहिस हम तुमसे सांच कहित है कि यह विधवा सबसे बढ़िकय डारिस है। 4काहें उई सब अपनी बढ़ती मइसे दान मा कुछ डारिन है मगर यह अपनी घटी मइसे आपनि सगरी जिविका डारि दिहिस है।

आखरी समय केर निसार

5जब कतनेव लोग मंदिर केर बारे मा कहत रहय कि ऊ कितने सुधरि पाथर अउर भ्याँट की वस्तुअन से सँवारा गवा है। तौ ऊ कहिसि। 6उई दिन अइहे जिनमा यहु सब जउन तुम द्याखत हव उनमा से कवनव पाथर पर पाथर भी न छूटी जउन गिरावा न जाई।

7उई वहिते पूछिन हे गुरु यू सब कव होई अउर ई बातय जब पूरी हुवय का अइहै तौ उई बखत का चिन्ह होई।

8ऊ कहिसि कि चौकस रहेव कि भरमाये ना जाव काहे बहुत हमरे नाम आयकय कहिहय कि हम उनहिन आन अउर यही न कि समय नेरे आय गवा है तुम उनके पाछेन चले जायेव। 9अउर जब तुम लड़ाई अउर बलवन का चरचा सनेव तौ घबराय जायेव काहे से ई पहिले जरूर होइहे मगर उई समय आखिर न होई।

10तब ऊ उनसे कहिस कि जाति पर जाति अउर राज पर राज चढ़ाई करिहय। 11अउर बड़े–बड़े भुई डोल होइहय अउर जगह–जगह अकाल अउर मरिया परिहय अउर अकास से भयंकर वावय अउर बड़े–बड़े चिन्ह परगट होइ हय।

12मगर ई सब बातन केर पहिले उई हमरे नाम केर तई तुमका पकरिहय अउर सतइहय अउर पंचायत का सौपिहय अउर जेल खानन मा डरवाइहे अउर राजन अउर हाकिमन केर समूहे लइ जहइयं। 13पर यूहूं तुमरी तई गवाही दियय केर अवसकि होय जाई 14यही तई पहिलेन से अपने मनमा ठानि रखेव कि हम पहिले जवाबु दियय कि चिन्ता न करबिय। 15काहे से हम तुमका एइसा बोल अउर बुद्धि देवय कि तुमरे सब विरोधी तुमार एइसा बोल अउर बुद्धि देवय कि तुमरे सब विरोधी तुमार सामना या खन्डन न करि पइहे। 16अउर तुमार महतारी बाप अउर भाई तुमका पकरि इहय हियां तक कि तुममाते कतनेन का मरवाय डरिहय। 17अउर हमरे नाम केर कारन सब लोग तुमसे दुसमनी रखिहय। 18मगर तुमरे सिर का एकौ वालौ भी बाका न होई। 19अपने धीरज से तुम अपने परानन का बचाये रखव।

20जब तुम यरुसलेम का सेनन से घिरा देखेव

जब जान जायेव कि वहिका उजड़य का बखत नेरे है। 21तब कउन यहुदिया मा हुअय उई पहारुन पर भागि जाय अउर जउन यरुसलेम मां हुवय उई बाहेर निकरि जाय अउर जउन मा हुवय उई वहिमा न जाय। 22काहे से यरुसलेम लिये अइसे दिन हुइहै जउन लिखी हुई बातय सब सांची होइ हय। 23उन दिनन मा जउन गरभवती हुइहय अउर जउन दूध पियावत हुइहय उनकी तई हाय–हाय काहे ते उई दिनन मा देसु मा कलेसु अउर इन लोगन पर बड़ी आफत होई। 24उई तलवार केर कउर होय जइहयँ अउर बंधुआ बनाय कर सब देसन मां पहुंचाये जाइहय अउर जब तक दूसरी जातिन का बखत पूरा न होई तब तक यरुसलेम अन्य जातिन से रौदा जाई।

25अउर सूरज अउर चाँद अउर तरन मा चीन्ह दिखाइ दिहय अउर धरती पर देस कि लोगन का संकट होइ काहे ते उई समुंदर केर गरजय अउर लहरन से घबराय जइहयं। 26अउर भय केर कारन अउर संसार पर आवय वाले घटनन का द्याखत–द्याखत उनके जी में जी नाहीं रही काहे से आकास का सक्तिया हलाई जइहय। 27तब उई मनई केर बेटवा का बड़ी सामरथ अउर बड़ी महिमा केर साथ बादर पर आवत देखिहय। 28जब ई बातय हुवय लागय तौ आपन सिर उपर उठायेव काहे ते तुमार छुटकारा नेरे होई।

29ऊ उनसे उदाहरन कहिस कि अंजीर केर विरवा अउर सब विरन का देखिव। 30जइसन उनकी कोपलें निकरत है तब तुम जान जात हव कि गरमी नेरे हवैं 31यही मेर जब तुम ई बातय हुवत देखव तब जान जायेव कि परमेसुर का राज नेरे है।

32हम तुमसे सांच कहित हय कि जब तक ई बातय न हुइ हय तब तक यहि पीढ़ी केर अन्त न होई। 33आकास अउर धरती टरि जाय मगर हमारी बात न टरी।

34यही तई सावधान रहेव अइसन न हुवय कि तुमरे मन खुमार अउर मतवालेपन अउर ई जीवन कि चिन्ता ते सुस्त होई जा अउर उई दिन तुम पर फन्दे कि तरह अचानक आये परे। 35काहे से उ सारी धरती पर रहय वालेन पर यह मेर आय परी। 36यही तई जागति रहेव अउर हर वखत पराथना करत रहेव कि तुमई सब आवय वाली घटनन से बचय अउर मनई केर बेटवा केर समुहे खड़े हुवय कि लायक बनेव।

37अउर ऊ दिन मा मंदिर मा उपदेसु करत रहय अउर रोते मां जैतून पहारु पर रहत रहय। 38अउर सबेरे तड़के सब लोग वहिकी सुनय कि तई मंदिर मां वहिके पास आव करत रहय।

यहूदा यीसु केर बिसवासघात

22 अखमीरी रोटी केर परव जउन फसल कहावत है नेरे रहय। 2अउर महायाजक अउर सास्त्री यहि बात की खोज मां रहय कि वहिका कइसे मारि डारय मगर उई लोगन से डेरात रहय। 3अउर सैतान यहूदा मा समान जउनइ स्कारियोती कहावत अउर बारह चेलन मा गिना जात रहय। 4ऊ जायकय महायाजक अउर सास्त्री सेवा त किहिस कि वहिका की मेर पकराई 5उई खुस भये अउर वहिका रुपया दियय का वयन दिहिन 6ऊ मान लिहिस अउर अवसरु ढूंढ़य लागि कि बिना उपदरव केर वहिका उनके हाथ कैसे पकरावा जाय।

आखिरी फसह

7तब अखमीरी रोटी केर परब का दिन आवा जेहिका फसह का मेमनावली करय का जरूर रहय। 8अउर यीसु पतरस अउर यहुन्ना का यू कहिकय पठाइन कि जायकय हमरे फसह खाय कय तयारी करव।

9उई वहिसे पूछिन तुम कहां चाहत हव कि हम तयार करी।

10ऊ उनके कहिस देखव नगर मां घुसतय तुमका एक मनई पानी का घड़ा उठाये मिली उ जउने घर मा जाय तुम वहिके पाछे चले जायेव। 11अउर उई घर केर मालिक ते कहेव कि गुरु तुमसे कहिन है कि ऊ पाहुन साला कहां है जेहिका हम अपने चेलेन केर साथ बइठकय फसह खाई 12ऊ तुमका एक सजी सजाई बड़ी अटारी दिखाय देई हुवय तयारी किहेव।

13उई जायकय जइसन ऊ वहिते कहिस रहय वइसन पाइन अउर फसह तैयार किहिन।

14जनु घरी आई तौ ऊ अपने परेरितन केर साथे भोजनु करेय बइठ। 15अउर ऊ उनपसे कहिस हमका बड़ी लालस रहय कि भूख भोग से पहिले यह फसह तुमरे साथे खाई। 16काहे से हम तुमते कहित हय कि जब तक ऊ परमेसुर केर राज मा पूरा न हुवय तब तक हम वहिका कवौ न खइवय।

17तब ऊ कटोरा लइकय धन्निवाद किहिस अउर कहिस यहिका लियव अउर आपस मा बाट्ट लियब। 18काहे से हम तुमसे कहित है कि जब तक परमेसुर का राज न आई तब तक अब हम दाख कवौ न पियव।

19फिर ऊ रोटी लिहिस अऊर धन्निवाद करिकय तुरिस अउर उनका यू कहिकय दिहिस कि हम हमारि

द्याह आय जउन तुमरे तई दिन जात है हमरे याद तइ यहय कीन करौ।

[20]यही मेर ऊ वियारी केर बाद कटोरा भी यू कहत दिहिस कि यू कटोरा हमरे उई लोहू मां जउन तुमरे तई कहावा जात है। नई वाचा है। [21]पर देखव हमका पकरावय वालन का हाथ हमरे साथे मेज पर है। [22]काहे से मनई केर बेटवा तो जइसनऊ की तई ठहरावा जात है पर हाय उई मनई पर जेहिके दवारा ऊ पकरावा जात है। [23]तब उई आपस माँ पूँछ–पूँछ करय लागि कि हममा से ऊ कउन है जउन ई काम करी।

[24]उनमा वाद विवादौ भवा कि हममा कउन बड़ा समझा जात है। [25]ऊ वहिते कहिस कि अन्य जातिन केर राजा उन पर अधिकारू रखत है। अउर जउन उन पर अधिकारू रखत है। उई उपकारक कहावत है। [26]मगर तुम अइसन न हुयेव वरन जउन तुममा बड़ा है ऊ छोटे कि तरह अउर परधान हुवय उ सेवक कि तरह वनय। [27]काहे ते बड़ा कउन है जउन भोजन कर बइठ है या जउन सेवा करत है का ऊ नाही जउन भोजन पर बइठ हवै हम तुमरे बीच सेवक की तरह हन। [28]मगर तुम उई आव जउन हमरी परीछन मुसबतिन मा लगातार हमरे साथे रहेव। [29]अउर जइसन हमार बापु हमरी तई एकु राज ठहराइन है। [30]वइसन हम तुमरी तई ठहराइत है। ताकि तुम हमरे राज मा हमरी मेज पर खाव पियव वरन सिंहासन पर बइठ कय इसराएल केर बारह भोजन का नियाव करेव।

[31]समौन है समौन द्याखौ सैतान तुम लोगन का मांग लिहिस कि गेहूं कि तरह फटके। [32]मगर हम तुमरी तई विनती की न कि तुमार बिसवासु न जात रहय अउर जब तुम फिरेव तब अपने साथिनौ का भला किहेव।

[33]ऊ वहिते कहिस है परभु हम तुमरे साथे वन्दी खाने मा जायकै अउर भरय का भी तयार हन। [34]ऊ कहिस हे पतरस हम तुमते कहित है कि आज मुरगा बांग न देई जब तक तुम तीनी बार हमरा इनकार न करि लिहवे कि हम वहिका नाही जानित है।

[35]अउर ऊ वहिते कहिस कि जब तक हम तुमका बटुआ अउर झोली अउर जूता बिना पठये रही तब कउनव वस्तु कय केर घटी भय रहय।

[36]ऊ वहिते कहिस मगर अब जेहिके पास बटुआ हुवय वहिका लय लियय अउर बइसनय झोली भी अउर जेहि केर पास तलवार न हुवय ऊ आपनि कपड़ा बेचिकय लय लियय। [37]काहे से हम तुमते कहित है यू जउन लिखा है कि ऊ अपराधिन केर साथ गिना जाई ऊ हमका पूरा जरूर होई काहे ते हमरे बा मां वातेय पूरी हुवय केर नेरे है।

[38]उई कहिन हे परभु द्याखव हियां दुई तलवार यहै। ऊ उनसे कहिस बहुत है।

यीसु करे पराथनवा जनऊ उई जैतून पहारु पर कहिन

[39]तब ऊ बाहर निकरि कय अपन रीति केर अनुसार जैतून केर पहारु पर गवा अउर चेलन वहिके साथे होई लिहिन। [40]वहि जगह पहुंचिकय ऊ वहिते कहिस पराथना करव कि तुम परिच्छा मा न परव। [41]अउर ऊ वहिते अलग होइकय एकु ढेला फेंकय केर ठप्पे भर गवा अउर घुटना टिका कय पराथना करय लाग। [42]कि हे बाप यदि तू चाहे कोई कटोरे का हमरे पास से हटाय लियव तवौ हमारि नाही तुमारि इच्छा पूरी हुवय। [43]तब सरग से एक दूत वहिका दिखाई दीन जउन वहिका सामरथ दियत रहय। [44]अउर ऊ बहुत संकट मा व्याकुल होई कय अउरै हिरदय बेदना से पराथना करय लाग अउर वहिका पसीना मानो लोहू की बड़ी–बड़ी बूंदन की तरह जमीन पर गिरत रहय।

[45]तब ऊ पराथना से उठा अउर अपने चेलन केर पास आयकय उनका उदासी केर मारे सोवत पाइस अउर वहिते कहिस काहे सोवत हव। [46]उठव पराथना करव परिच्छा मा न परव।

यीसु कइहन बन्दी बना लीन जात हये

[47]ऊ यू कहतय रहय कि देखव एक भीड़ आई अउर उन बारन मइसे एकु जेहिका नाम यहूदा रहय उनके आगे–आगे आवत रहय ऊ यीसु केर पास आवा कि वहिका चूमि लियय। [48]यीसु वहिते कहिन है यहूदा का तू चूमा कइकय मनई केर बेटवा का पकरावत हव।

[49]वहिके साथ जब यू देखिन का–का हुवय वाला है। तौ कहिन परभु का हम तलवार चलाई। [50]अउर उनमा से एकु महायाजक केर दास पर चलायकय वहिका दाहिना कानु उड़ाय दिहिस।

[51]यहि पर यीसु कहिन अब बस करव अउर वहिका काम हुई कय वहिका अच्छा किहिन।

[52]तब यीसु महाजायक अउर मंदिर केर पहरू केर वन केर सरदारन अउर पुरनियन से कहिन का तुम हमका डाकू का जानि कय तलवार लाठी लइकय निकरे हव। [53]जब हम मंदिर मा हर दिन तुमरे बीच

रही तव हाथ नाही डारेव पर या तुमार घरी है अंधेरे का अधिकारू है।

पतरस यीसु केर इनकार

54फिर उई वहिका पकरिकय लई चले अउर महाजायक केर घर का लाये अउर पतरस दूर ही दूर वहि केर पीछे चलत रहय। 55अउर जब उई आंगन मा आगी सुलगाय कय बइठे तौ पतरस भी उनके बीच बइठ गवा। 56अउर एक दासी वहिका उजियारे म बइठे देखिकय अउर वहिकी ओर ताकि कय कहय लागि यहव तव वहिके साथे रहय।

57मगर ऊ यू कहिकय इनकार किहिस कि हे औरत हम वहिका नाही जानित है।

58थोरी देर बाद कोऊ अउर देखिकय कहिसि कि तुमहूं तौ उनहिन मइहां हौ पतरस कहिन हे मनई हम नाही हन।

59कोई घंटा भरि बाद एकु अउर मनई जोरु दइके कहय लाग जरूर यहव तौ वहिके साथे रहय काहे से यू गलीली है।

60पतरस कहिन हे मनई हम नाही जानित कि तुम का कहत हव ऊ कहतय रहय कि मुरगा तुरतै बांग दिहिस। 61तब परभु घुमिकय पतरस कि तरफ देखिन अउर पतरस का परभु केर वह बात यदि आई जउन उई कहिन रहय कि आज मुरगा केर बांग दियय से पहिले तुम तीन बार हमार इनकार करिहव। 62अउर ऊ बाहरे निकरिकय फूटि–फूटि कय रोवन लागि।

यीसु केर अपमान किहिन

63जउन मनई यीसु केर पकरे रहयं उई वहिका ठट्ठा मां उड़ाय कय पीटय लागि। 64अउर वहिकी आंखी बन्द करिकय वहिते पूछि लागि कि भविसवानी करिकय बताव कि तुमका को मारिस। 65अउर उई बहुत सी अउर निन्दा की बातय वहि का विरोध मा कहिन।

पीलातुस अउर हिरोद केर सामने यीसु कइहन भेजा गवा

66जब दिन भवा तौ लोगन केर पुरनिये अउर महायाजक अउर सास्त्री जमा भये अउर वहिका अपनी सभा मा लाय कय पूछिन। 67यदि तुम मसीह हुयव तो हमते कहि दियव ऊ वहिते कहिस यदि हम तुमते कही तौ परतीति न करिहव। 68अउर यदि पूछी तौ जवाबु न देहव। 69मगर अब ते मनई का बेटवा सरबसकती मान परमेसुर केर दाहिनी ओर बइठ रही।

70यहि परसव कहिन का तू परमेसुर केर बेटवा आव ऊ वहिते कहिस कि तुम आपन कहत हव।

71तब उई कहिन अब हमका गवाही का कउन जरूरति हवय काहे से हम तुमरे मुंह से सुनि लीन है।

23 तब सारी सभा उठिकय वहिका पीलातुस केर पास लइगय। 2अउर उई यू कहिकय दोसु लगावय लागि कि यहू हम लोगन का बहकावत अउर सरकार केर दियय से मना करत अउर अपने आपका मसीह राजा कहत सुने हन।

3पीलातुस वहिते पूछिन का तू यहूदिन का राजा है। ऊ वहिका जवाबु दिहिस तुम आपै ही आपै कहत हौ।

4तब पीलातुस महायाजक अउर लोगन से पूछिस कि हम ई मनई या कवनउ दोसु नही पायेन।

5पर उई अउर जोरु दहकय कहय लाग कि यू सारे गलील से इलकय हिया तक सारे यहूदिया मा उपदेसु दइकय लोगन का उकसावत है।

6यू सुनिकय पीलातुस पूछिस का यू मनई गलीली है। 7अउर यू जानिकय कि ऊ हेरोदस केर रियासत का है वहिका हेरादेस केर पास भेज दिहिस काहे से उई दिनन मा वहव यरुसलेम म रहय।

8हेरोदस का देखिकय बहुतय खुस भवा काहे से ऊ बहुत दिनन से वहिका द्याखी चाहत रहय ई की तई वहिके बारे मां सुनिस रहय अउर वहिका कुछ चीन्हु देखय की आसा रात रहय। 9ऊ वहिसे बहुत बातय पूंछत रहय पर ऊ वहिका जवाबु नहीं दिहिस। 10अउर महायाजक अउर सास्त्री पूरे तन मन से वहिपर दोसु लगावत रहय। 11तब हेरोदस अपने सिपाहिन केर साथ वहिका अपमान कयिकय वहिका ठट्ठा उड़ायन अउर भड़कीला कपड़ा पहिनाय कय पीलातुस केर पास लौटाय दिहिस। 12वही दिन हेरोदेस अउर पीलातुस मितर होइगे यहिके पहिले उई एक दूसरे केर दुसमन रहय।

13पीलातुस महाजायक अउर सरदारन का बुलाय कयकहिस। 14तुम ई मनई का लोगन का वहकावय वाला ठहराय कय हमरे पास लायेव अउर हम तुमरे सामने जांच की पर अउनी बातन का दोसु तुम वहि पर लगावत हौ उई बातन का हम वहिमा कउनव दोसु नाही पायेन है। 15न हेरोदेस ने काहे से उई वहिका हमरे पास लौटाय दिहिन अउर द्याखौ वहिते ऐसि कुछ नहीं भवा कि वहु जानते मारे केर काबिल ठहरावा जाय। 16यही तई हम वहिका पिटवाय कय

छोड़ देइत है। [17]तब सब मिलकय चिल्लाय उठे
[18]कि यहि का काम तमाम कइकै हमारी तई वरअब्बा का छाड़ि दियव। [19]यहै कउने बलवे केर कारन जो नगर म भवा रहय अउर हत्या केर कारन बन्दी खाने मा डाला गया रहय।

[20]पर पीलातुस यीसु छोड़य कि इच्छा से लोगन का फिर समझाइन। [21]मगर उई चिल्लाय कय कहिन कि वहिका सलीब पर चढ़ाव सलीब पर।

[22]ऊ तीसरी बार वहिते कहिस काहे यू कउन बुराई किहिस है? हम वहिमा जानते मारै केर लायक कउनव बात नाही पायेन।

[23]मगर उई चिल्लाय कय पीछे परिगे कि ऊ सलीब पर चढ़ावा जाय अउर उनका चिल्लाबु परबल भवा। [24]सो पीलातुस आदेस दिहिस कि उनकी विनती केर अनुसार की न जाय। [25]अउर ऊ मनई का जउन बलबा अउर हतिया केर कारन जेल मे डारा गवा रहय अउर जेहिक उई मागत रहय छाड़ि दिहिन अउर यीसु क उनकी इच्छानुसार सौंपि दिहिन।

सलीब पइहन चढ़ावा जात हये

[26]जब उई वहिका लिहे जात रहय तौ उन्होंने समौन नाम केर एक कुरेनी क जउन गांव से आवत रहय पकरि कय वहि पर सलीब लादि दिहिन कि ऊ यीसु केर पाछे–पाछे लइक चलय। [27]अउर लोगन केर बड़ी भीड़ वहिके पाछे होय लिहिस अउर बहुती औरते जउन वहिकी तई छाती पीटती अउर विलाय करती रहय। [28]यीसु उनकी ओर फिरकय कहिन हे यरुसलेम की बेटियन हमरे तई मत रोवव मगर अपने अउर अपने बेटवन केर तई रोवव। [29]काहे ते द्याखव उई दिन आवत है जिनमा कहिहय छन्नि है। उई जउन बाझ है अउर उई गरभ न जने अउर उई स्तन जउन दूध नही पियाइन। [30]वहि बखत उई पहारुन से कहय लगिहय कि हम पर गिरव अउर टीलन से कि हमका ढांपि लियव।

[31]काहे से जब उई हरे बिरवा केर साथे अइसन करत है तौ सूखे केर साथे का न करिहय।

[32]उई अउर दुई मनई जउन कुकरमी रहय वहिके साथे घात करय केर लय चले। [33]जक उइ जगह जेहिका खोपड़ी कहत रहय पहुंचे तौ उई हुवा वहिका अउर उई कुकरमिन कभी एकुक दाहिनी कइती एकु कवायी कइती चढ़ाइन। [34]तब यीसु कहिन हे बाप इनका माफु करौ कहे से ई नाही जानत है कि का करत है। अउर उई चिट्ठी डारिकय वहिके कपड़ा बाटि लिहिन।

[35]लोग खड़े–खड़े द्याखत रहय अउर सरदार भी ठट्ठा कइके कहत रहय कि ई औरन का बचाइस है अउर यू परमेसुर केर मसीह है अउर वहिका चुना भवा है तौ अपने केर बचाय लियय।

[36]सिपाही भी पास आयकय अउर वहिका सिरका दइकय ठट्ठा करि कहत रहय। [37]यदि तुम यहूदियों का राजा है तो अपने आप क बचाव।

[38]अउर वहिके ऊपर एकु पतरौ लगाय दिहिन कि यहु यहूदियन का राजा आय। [39]जउन कुकरमी लटकाये गये रहय वहिमा से एक वहिकय निन्दा करिकय कहिन का तू मसीह नहिन हो तो फिर अपने आप का अउर हमका बचाव।

[40]यहि पर दूसर वहिका डाटि कय कहिस का तुम परमेसुरौ ते नाही डेरात हौ तुमइ तो वहै दन्डु पा रहे हव। [41]अउर हम तो नियाव केर मुताबिक दन्ड पा रहेन है काहे से हम अपने करमन का ठीक फलु पा रहेन है मगर यू कउनव अनुचित काम नाही किहिस।

[42]तब वहु कहिसि हे यीसु जब तुम अपने राज मा आयेव तब हमारि सुधि लिहेव।

[43]ऊ वहिते कहिस हम तुमते सांच कहित है कि आजय तुम हमरे साथ सरग लोग मा होइहव।

यीसु केर मिरतू

[44]अउर दोपहर से तीसरे पहर तक सिगरे देसु मां अंधेरु छावा रही। [45]अउर सूरज का उजियारु जात रहा अउर मंदिर क्यार परदा बीच से फटि गवा। [46]अउर यीसु बड़े सबदन ते पुकारि कय कहिन हे बाप हम आपनि आतमा तुमरे हाथ मां सौपित है। अउर यू कहिकय परान छाड़ि दिहिन।

[47]सुबेदार जउन कुछ भवा देखिकय परमेसुर कै बड़ाई किहिन अउर कहिसि जरूर यू मनई धरमी रहय। [48]अउर भीड़ जउन यू देखय क जमा भय रहय ई घटना का देखिकय छाती पीटत लौटि गय। [49]अउर वहिके सब जान पहचान अउर जउन औरते गलील से वहिके साथ दूर खड़ी भइ ये सब देखती रहय।

यीसु कइहन कबर मां गाड़ा जात हय

[50]अउर देखव युसुफ नाम एक मन्नी जउन सज्जन अउर धरमी उ मनई रहय। [51]अउर उनके ई विचार अउर इ काम से खुस नाही रहय अउर ऊ यहूदियन केर नगर अरमितया का रहय वाला अउर परमेसुर केर राज की बाट जोहाय वाला रहय। [52]ऊ पीलातुस केर पास जायकय यीसु की लोथ मांग कहिसि। [53]अउर

वहिका उतारिकय चादर मा लपेटिय अउर एक कबर मा रखिस जउन चट्टान मा खोदी गय रहय अउर वहिमा कवौ कोउ नाही रखा गवा रहय। 54ऊ तयारी का दिन रहय अउर सबत केर दिन सुरू हुवय पर रहय।

55अउर उई औरतय जउन गलील से आई रहय पाछे—पाछे जाय कय उई कबर का देखिन अउर यहव कि इहि कि लोथ कउनी मेर रखी गय है। 56अउर लौटिकय सुगन्धित अउर इतर तैयार किहिन सबत केर दिन उई आदेसु केर मुताबिक बिसराम किहिन।

यीसु जी उठिन

24 मगर हफ्ता केर पहिल दिन बड़े भोर केर उई मेहरारूयन सुगन्धित वस्तुअन अउर इतर जउन तयार किहिन रहय लइकय कबर पर पहुंची। 2अउर उई पाथर का कबर ते लुढ़का भवा पाइन। 3अउर भीतर जाय कय परभु यीसु केर लोथ नाहीं पाइन। 4जब उई ई बात से भौचक्की हुवय रहय तौ द्याखा कि दूई मनई झलकत कपड़ा पहिने उनके पास आय कय खड़े भये। 5जब उई डरी गई अउर जमीन केर नीचे मुंह झुकाये रही तब उई वहिते कहिन तुम जिन्दा का मरे हुवन मा काहे ढुंढ़त हव। 6ऊ हिंयां नाही मगर जी का उठा है याद करब कि ऊ गलील मा रहय तब तुमते कहिसि रहय। 7कि जरूर मनई का बेटवा पापिन केर हाथ पकरावा जाय अउर सलीब पर चढ़ावा जाय अउर तीसरे दिन जी उठी। 8तब वहिकी बातय उनका यादि आई।

9अउर कबर से लौटिकय उई उन ग्यारहन का अउर सब परेरितन का सब बातय बताइन। 10जउन उनके परेरितन का ई बातय उई मरियम मगदलीनी अउर यहुन्ना अउर याकूब क महतारी मरियम अउर उनके साथे कि अउर औरते रहय। 11मगर उनकी बातय उनका कहानी सी समझ परी अउर उई उनकउ परतीति नाही किहिन। 12तब पतरस उठिकय कबर पर दौरि गवा अउर झुकिकय केवल कपड़ा परे देखिसि अउर जउन भवा रहय वहिते अचरज करत अपने घर लौटि गया।

अमाउस केर मारग पै दरसन

13देखत वही दिन दूई जने इम्मा उस नाम एक गांव म जात रहय। जउन यरुसलेम से सात कोस दूरी पर रहय। 14अउर उई इ सब बातय जउन भई रहय आपस मां बतलात जात रहय। 15अउर जब उई आपस मा बातचीत करत अउर पूंछ पाछ करत जात रहय तौ यीसु पास आयकय उनके साथ होय लिहिन। 16मगर वहिकी आंखी अइसन बन्द करि दीन गई की वहिका पहचानि न सकै।

17ऊ उनसे पूछिस ई कउनी बातय हय जउन तुम चलत—चलत आपस मा करत हव उई उदास से खड़े रहि गये। 18यू सुनिकय उनमा से एक क्लियुपास नाम का मनई कहिस का तुम यरुसलेम मां अकेला परदेसी हव जउन नाही जानत हव कि ई दिनन मा वहिमा का—का भवा है।

19वहु वहिते पूछिस कउन सी बातय उई उससे कहिन यीसु नासरी केर बारे म जउन परमेसुर अउर सब लोगन केर नेरे काम अउर वचन मा सामरथी भबिसवकता रहय। 20अउर महायाजक अउर हमरे सरदार वहिका पकराय दिहिन कि वहि पर मिरतू की आदेसु दीन जाय अउर वहिका सलीब पर चढ़वाइन। 21मगर हमका आसा रहय कि इसराएल का छुटकारा देई। अउर इन सब बातन केर सिवाय ई घटना का भये तीसरा दिन है। 22अउर हममा से कई औरतय हमका अचरज मा डारि दिहिन जउन भोर का कबर पर गई रहय। 23अउर जब वहिकी लोथ नाही पाइन तो यू कहत आइ कि ऊ जीवित है। 24तब हमरे साथिन मइसे कई एक कबर पर गये अउर जइसन औरतय कहिन रहय वइसनय पाइन मगर वहिका नाही देखिन।

25तब ऊ वहिते कहिन हे मुरखन अउर भविसावकतन कि सब बातन पर बिसवासु करने में मन्द मुरखों। 26का जरूरी नाही है कि मसीह ई सब दुख उठायकय अपनई महिमा मा जाय। 27तब ऊ मूसा केर लइकय अउर सब भविसावकतन से सुरू कइकय सारे पवित्तर सास्तरन मइसे अपने बारे मा इ बातन का अरथ उनका समझाय दिहिस।

28यतने मा उई गांव केर पास पहुंचे जहां उई जात रहय अउर वहिके ढग से अइसन जाने परा कि ऊ आगे बढ़ा चाहत है। 29मगर उई यू कहिकय वहिका रोकिन कि हमरे साथ रहव काहे से साथ होय गय हे अब दिन बहुत ढलि गवा है तब ऊ उनके साथे रहेय केर तई भीतर गवा।

30जब ऊ उनके साथे भोजन करय बइठ तौ ऊ रोटी लइकय धन्निवादु किहिस अउर वहिका तूरिकय उनका दियय लाग। 31तब उनकी आखी खुलि गई अउर उई वहिका पहचानि लिहिन अउर ऊ उनकी आंखन ते छिप गवा। 32उई आपस मां कहिन जब ऊ रास्ता मा हमसे बातय करत रहय अउर पवित्तर सास्तरन का अरथ हमका समझावत रहय तो का

हमरे मन मा उत्तेजना नाही पैदा भय।

33उई वही घड़ी उठिकय यरुसलेम का लौटि गये
अउर उन ग्यारहन अउर उन केर साथिन क इकट्ठे
पाइन। 34उई कहत रहय कि परभु सचमुच जी उठा
है। अउर समौन का दिखाई परा है। 35तब उई रास्ता
कि बातय कि उनका बताय दिहिन अउर यहव कि
उई वहिका रोटी तूरत बखत कैसे पहचानिन।

यीसु केर दरसन चेलवन कइहन

36उई ई बातय कहत रहय कि उनक बीच आय
खड़ा भवा अउर वहिते कहिस तुमका सान्ती मिले।
37मगर उई घबराय गय अउर डेराय गये अउर
समझिन कि हम कउनेव भूत का देखित हय। 38ऊ
वहिते कहिसि काहे घबरात हौ अउर तुमरे मनमा काहे
संका उठत हय। 39हमरे हाथ अउर पांव का देाव कि
हम उनहिन अहिन हमका छुई कय देखव काहे से
आतमा केर हड्डी मांस नाही हुवत है जइसन हममा
देखत हव।

40यू कहिकय ऊ उनका आपनि हाथ पांव दिखाइस।
41जब खुसी केर मारे उनका परतीति न भय अउर
अचरज करत रहय तौ ऊ वहिते पूछिस का हिया
तुमरे पास कुछ खाईका आये। 42उई वहिका भूजि
मछरी केर टुकड़ा दिहिन। 43ऊ लइकइ उनके समनवे
खाइस।

44फिर ऊ वहिते कहिस ई हमरी उई बातय हय
जउन हम तुमरे साथे रहत भये कही रहै कि जरूर होई
कि ज्यतनी बातय मूसा की वेवस्था अउर भविसवकतन
अउर भजनन कि किताबन मां हमरे बारे मां लिखी
हवयं सब पूरी हुवयं।

45तब ऊ पवित्तर सास्त्र बूझय कि तई उन केर
समझु खोलि दिहिस। 46अउर वहिते कहिस कि यहु
लिखा है कि मसीह दुख उठाई अउर मरे हुवन मइ
से तीसरे दिन जी उठी। 47अउर यरुसलेम से लइकय
सब जातिन मां मन फिराव का अउर पापन की माफु
क्यार परचारु वहिके नाम से कीन जाई। 48तुम सब
ई बातन केर गवाह हव। 49अउर द्याखव जेहि केर
परतिग्या हमरे बाप किहिन है हम वहिका तुम पर
उतरियव जब तक सरग से सामरथ ना पाय तब तक
तुम यही नगर मां रूके रहव।

यीसु कइहन सरग पर उठायलीन गवा

50तब वहु उनका बैतन्नियाह तक बाहेर लइ गवा
अउर आपन हाथ उठाय कय आसीसु दिहिस।
51अउर उनका आसीसु दियत ऊ वहिते अलग होय
गवा सरग पर उठाय लीन गवा। 52अउर उई वहिका
दन्डवतु करिकय बड़ी खुसी से यरुसलेम का लौटि
गये। 53अउर लगातार मंदिर मा आय केर परमेसुर केर
स्तुति करे लागे।